जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 280 प्रभात जालोर, शुक्रवार 16 जनवरी, 2026 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

भाजपा राज्यसभा के डिप्टी स्पीकर हरिवंश को दोबारा इस पद पर दोहराना चाहती है

पर, हरिवंश जद (यू) के सदस्य हैं व उनका राज्यसभा का कार्यकाल अप्रेल में पूरा हो रहा, नीतीश हरिवंश से काफी नाखुश हैं और वे उन्हें दोबारा राज्यसभा का सदस्य नहीं बनवाना चाहते हैं। नाखुशी का कारण है हरिवंश का भाजपा के बहुत नज़दीक चला जाना।

- हरिवंश का भविष्य अधरझूल में है। भाजपा ने हाल ही में राज्यसभा में नये सभापति बनवाये हैं, जिनका राज्यसभा का अनुभव सीमित है। अतः, अगर सभापति व उपसभापति दोनों नए हुए तो राज्यसभा के संचालन में अस्थिरता फैलने की संभावना रहती है।
- इस अस्थिरता की स्थिति से बचने के लिए मोदी-शाह द्वय ने 2024 के मंत्रिमंडल व अन्य नियुक्तियों को लोकसभा चुनाव के बाद ज्यों का त्यों रिपीट किया था, जिसका लाभ ओम बिड़ला को भी मिला, क्योंकि वे खुद भी मान रहे थे कि वे शायद लोकसभा अध्यक्ष के रूप में रिपीट नहीं होंगे।
- पर, साल भर से मोदी-शाह द्वय द्वारा मंत्रिमंडल में फेरबदल करने की चर्चा चल रही है और हर फेरबदल के बाद कुछ समय के लिए अस्थिरता व अनिश्चितता की स्थिति बनती है, जब तक नये लोगों के पांव जमते हैं। इस अनिश्चितता व अस्थिरता की स्थिति के अनुभव को कम करने के लिए भाजपा हरिवंश को डिप्टी स्पीकर बनवाना चाहती थी।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जनवरी। लोकसभा में उपाध्यक्ष (डिप्टी स्पीकर) का पद इसलिए खाली है, क्योंकि नरेन्द्र मोदी सरकार को अपने पहले दो कार्यकालों में भारी बहुमत मिला था, इस कारण उन्हें किसी को इस पद पर नामित करने की जरूरत नहीं लगी।

राज्यसभा में जनता दल (यू) के हरिवंश उपसभापति हैं। उनकी राज्यसभा सदस्यता अप्रैल में समाप्त हो रही है और जद (यू) के सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार हरिवंश को दोबारा राज्यसभा भेजने के इच्छुक नहीं हैं।

मुख्य वजह यह बताई जा रही है कि हरिवंश धीरे-धीरे भाजपा के करीब होते जा रहे हैं और नीतीश कुमार की बात नहीं सुन रहे हैं।

हाल ही में राज्यसभा में नया सभापति आया है। ऐसे में हरिवंश जैसे अनुभवी व्यक्ति से स्थिरता मिल सकती है, क्योंकि वे कई वर्षों से इस पद पर हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राज्य सरकार अपनी ही जाँच एजेंसी के खिलाफ बहस कर रही है'

जयपुर, 15 जनवरी। एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में एकलपीठ की ओर से भर्ती रद्द करने के आदेश के खिलाफ दायर अपीलों पर गुरुवार को हाईकोर्ट की खंडपीठ में मूल प्रार्थी कैलाश चन्द्र शर्मा की ओर से बहस की गई। प्रार्थी ने कहा कि प्रदेश में पहली बार राज्य सरकार अपनी ही जांच एजेंसी के खिलाफ बहस कर रही है।

प्रार्थी पक्ष की ओर से सीनियर एडवोकेट आरपी सिंह व हरेन्द्र नील ने एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ के समक्ष कहा कि इस पेपर लीक के मामले में परीक्षा केन्द्र के कर्मचारी सहित, अन्य लोग भी शामिल रहे हैं। इसके अलावा, आरपीएससी सदस्यों की भूमिका भी सामने आई है। उनकी ओर से किसी भी तथ्य को छिपाया नहीं गया है, यदि छिपाए भी हैं, तो वे इस केस के निर्णय पर कोई प्रभाव नहीं डालते। मामले में प्रार्थी पक्ष की बहस खंडपीठ ने शुक्रवार को भी जारी रखी है। गौरतलब है कि इससे पहले चयनित अभ्यर्थियों की ओर से सीनियर एडवोकेट कमलाकर शर्मा ने बताया कि एसआईटी की पहली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- एसआई भर्ती पेपर लीक में हाई कोर्ट की खंडपीठ के सामने प्रार्थी पक्ष ने दलील दी थी।

अभिषेक सिंघवी, सिब्बल व कई दिग्गज खड़े हुए ममता की पैरवी करने

पर, सुप्रीम कोर्ट अप्रभावित रहा इन वकीलों के दलीलों से तथा ईडी के तर्क स्वीकार करते हुए ममता बनर्जी व राज्य सरकार के सीनियर पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी किए तथा ममता बनर्जी को तीन फरवरी तक जवाब पेश करने के आदेश दिए

- ममता बनर्जी के वकीलों की टीम ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि एक प्राइवेट पार्टी आई-पैक के ऑफिस में ईडी द्वारा की गई ''रेड'' को रोका जाए तथा उन पुलिस अफसरों, जो मु.मंत्री के साथ आए थे, के खिलाफ ईडी द्वारा किए गए मुकदमों को रद्द किया जाए।
- ईडी ने दलील पेश की कि ममता बनर्जी ने ईडी जाँच की कार्यवाही में हस्तक्षेप किया है तथा पुलिस की मदद से सबूत की फाइलें, कागज़ात व इलैक्ट्रॉनिक उपकरण उठाकर कर ले गईं।
- अटॉर्नी जनरल, तुषार मेहता ने ईडी की ओर से पैरवी करते हुए कहा कि अगर मु.मंत्री ममता बनर्जी को कागज़ात की चोरी व ईडी की कार्यस्थली में बाधा पहुंचाने के आरोप में कोई दंड नहीं दिया गया तो इसका भारी दुष्प्रभाव पड़ेगा, देश में ईडी के रेड के मामले में तथा साथ ही ईडी के अधिकारी हतोत्साहित होकर अपने जिम्मेवारी पूरी करने में घबराएंगे।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जनवरी। आज पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट में कड़ी फटकार झेलनी पड़ी। उनके बचाव के लिए कपिल सिब्बल से लेकर अभिषेक मनु सिंघवी जैसे देश के कई बड़े वकील मौजूद थे, लेकिन इसके बावजूद उन्हें चोरी के आरोपों से राहत नहीं मिली।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें निजी कंसल्टेंसी कंपनी आई-पैक के दफ्तरों पर चल रही छापेमारी रोकने की मांग की गई थी। सरकार ने यह भी अनुरोध किया था कि मुख्यमंत्री के साथ गए पुलिस अधिकारियों के खिलाफ दर्ज मामले रद्द किए जाएं।

इसके उलट अदालत ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान में सत्ता परिवर्तन भारत के लिए नुकसानदेह रहेगा

ईरान के समुचे घटनाक्रम पर भारत न केवल बारीकी से नज़र रखे हुए है, बल्कि चिंतित भी है

- पाकिस्तान द्वारा भारत का पश्चिम एशिया का स्थल मार्ग अवरूद्ध करने के बाद से ईरान ही भारत और पश्चिम एशिया के बीच संपर्क का जरिया है। इसमें ईरान के चाबहार पोर्ट की अहम् भूमिका है।
- अगर ईरान में सत्ता बदली तो भारत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, चीन के क्षेत्रीय विस्तार और पाकिस्तान की आतंकी चुनौतियों के बीच भारत को कई नई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जनवरी। ईरान में कमज़ोर और गिरने के कगार पर पहुँच चुकी सरकार इस क्षेत्र में भारत की रणनीतिक गतिविधियों की संभावनाओं को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। यह गुंजाइश पहले ही बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन, पाकिस्तान से उत्पन्न आतंकवादी चुनौतियों और चीन के क्षेत्रीय विस्तार के कारण सिमटती जा रही है।

आर्थिक कठिनाइयों और राजनीतिक थकान से प्रेरित विरोध प्रदर्शनों को काबू में करने के लिए ईरान का धार्मिक नेतृत्व संघर्ष कर रहा है। ऐसे में भारत घटनाक्रम को बेहद बेचैनी के साथ देख रहा है। नई दिल्ली और तेहरान लंबे समय से क्षेत्र में रणनीतिक साझेदार रहे हैं, जिनके रिश्ते भूगोल, संपर्क मार्गों और शक्ति-संतुलन से आकार लेते रहे हैं।

पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान और मध्य एशिया के लिए भारत के थल मार्गों को अवरुद्ध किए जाने के कारण, ईरान लंबे समय से नई दिल्ली के लिए एकमात्र व्यवहारिक पश्चिमी गलियारा रहा है। तेहरान का शिया नेतृत्व पाकिस्तान के प्रभाव को संतुलित करने का भी काम करता रहा है और भारत की सावधानीपूर्वक बनाई गई संतुलित पश्चिम एशिया नीति में एक स्थिरता के स्तंभ के रूप में भी उभरा है।

क्षेत्र में भारत की रणनीतिक गतिविधियों की गुंजाइश पहले ही बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन, पाकिस्तान से आतंकवादी चुनौतियों और चीन के क्षेत्रीय विस्तार के कारण कम हो चुकी है, और ईरान में किसी भी तरह का सत्ता परिवर्तन इस स्थिति को और जटिल बना सकता है।

पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक भारत को थल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चार महानगरों में स्वचालित मौसम स्टेशन लगेंगे'

नयी दिल्ली, 15 जनवरी। देश में मौसम पूर्वानुमान व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिये चार महानगरों में 200 स्वचालित मौसम स्टेशन (एडब्ल्यूएस) स्थापित किये जायेंगे। केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के 151वें स्थापना दिवस के अवसर पर यह घोषणा की।

- केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेन्द्र सिंह ने कहा, भारतीय विज्ञान विभाग के 151वें स्थापना दिवस पर यह घोषणा की और कहा कि इससे मौसम की सटीक भविष्यवाणी में मदद मिलेगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान, बांग्लादेश व नेपाल को भी वीज़ा देना स्थगित किया अमेरिका ने

ये देश उन 75 देशों की सूची में शामिल हैं, जिन्हें अमेरिका सरकार द्वारा ''प्रमाणित'' दस्तावेज़ों की विश्वसनीयता को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है

- अमेरिका ने इन 75 देशों की लिस्ट में भारत को शामिल नहीं किया है। यह तथ्य,यह दर्शाता है कि अभी भी अमेरिका भारत को ''विश्वास योग्य'' पार्टनर मानता है तथा उसे यह भी विश्वास है कि भारत के लोग अमेरिका आकर अमेरिका के ''बड़े दिल'' का दुरुपयोग नहीं करते तथा अमेरिका पर वित्तीय बोझ नहीं बनते।
- इसका सीधा लाभ उन भारतीय नागरिकों को मिलेगा, जो अमेरिका में ''ग्रीन कार्ड'' व अन्य स्थायी नागरिकता पाने के रास्ते में आगे बढ़ना चाहते हैं।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जनवरी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका की सरकार ने अपनी ''अमेरिका फर्स्ट'' नीति के तहत, 75 देशों के नागरिकों के लिए इमिग्रेंट वीज़ा प्रोसेसिंग को अनिश्चित काल के लिए रोकने का फैसला किया है। यह रोक 21 जनवरी से लागू होगी और तब तक जारी रहेगी, जब तक वॉशिंगटन आवेदक जोखिम, पहचान सत्यापन प्रणाली और सूचनाओं के आदान-प्रदान के मानकों की पूरी समीक्षा नहीं कर लेता।

इस सूची से भारत को बाहर रखा गया है, जबकि उसके कई पड़ोसी देश, जैसे पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल प्रभावित देशों में शामिल हैं। इसका मतलब है कि अमेरिकी ग्रीन कार्ड और अन्य स्थायी निवास श्रेणियों के लिए आवेदन करने वाले भारतीय नागरिक इस रोक से सीधे प्रभावित नहीं होंगे। ऐसे समय में, जब दुनिया भर में प्रवास के रास्ते सख्त हो रहे हैं, इससे भारत को स्पष्ट लाभ मिला है।

विश्लेषकों का मानना है कि भारत को सूची से बाहर रखना अमेरिकी प्रशासन की ओर से भारतीय दस्तावेज़ी व्यवस्था और आवेदकों की विश्वसनीयता पर भरोसे का संकेत है। न्यूज18 के अनुसार, यह रोक मुख्य रूप से उन देशों पर लगाई गई है, जिन्हें पहचान में धोखाधड़ी का ज्यादा खतरा माना जाता है या जहां के आवेदकों के अमेरिका सरकार पर आर्थिक बोझ बनने की अधिक संभावना है। कथित रुप से काउन्सलर अधिकारियों को सूचीबद्ध देशों से इमिग्रैंट वीज़ा अस्वीकार करने का निर्देश दिया गया है, साथ ही साथ एक व्यापक समीक्षा भी की जा रही है।

अमेरिकी अधिकारियों ने साफ किया है कि इस समीक्षा में कड़े मानदंड लागू होंगे। फॉक्स न्यूज के अनुसार, स्वास्थ्य, उम्र, पहले सरकारी मदद पर निर्भरता, अंग्रेज़ी ज्ञान और आर्थिक स्थिति जैसे कारक आवेदकों के खिलाफ जा सकते हैं। विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि ऐसे संभावित प्रवासियों को अयोग्य ठहराया जाएगा, जो ''अमेरिकी जनता की उदारता का दुरुपयोग'' कर सकते हैं।

इस पृष्ठभूमि में भारत का सूची से बाहर रहना खास महत्व रखता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सोमालिया, अफगानिस्तान और यमन जैसे देशों के साथ समूहबद्ध होना पाकिस्तान के लिए एक राजनयिक और प्रतिष्ठा संबंधी झटका है। न्यूज18 ने सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया कि अमेरिका में बड़े धोखाधड़ी मामलों के बाद उच्च-जोखिम देशों पर सख्त नजर रखी जा रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान ने हवाई क्षेत्र बंद किया

नयी दिल्ली, 15 जनवरी। भारतीय विमान सेवा कंपनियों ने ईरान के ऊपर से गुजरने वाली कई उड़ानें रद्द कर दी हैं, जबकि कई अन्य के मार्गों में बदलाव किया गया है।

ईरान द्वारा वाणिज्यिक उड़ानों के लिए उसके हवाई क्षेत्र को बंद किये जाने के बाद यह फैसला लिया गया है। टाटा समूह की एयर इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि ''ईरान में बने घटनाक्रम, उसके बाद हवाई क्षेत्र बंद किये जाने और यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर'' उस क्षेत्र से गुजरने वाली उड़ानों के मार्ग बदले गये हैं, जिससे उड़ानों में देरी हो सकती है। उसने कहा है कि जिन उड़ानों के मार्ग बदलना फिलहाल संभव नहीं है, उन्हें रद्द कर दिया गया है।

- ईरान से गुज़रने वाली कई भारतीय उड़ानें या तो रद्द कर दी गईं या इनका मार्ग बदल दिया गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या हाईकोर्ट एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में सरकार की मंशा परखना चाहता है?

अदालत ने इस मामले पर सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता को आदेश दिए कि अपील दायर होने के बाद से एस.ओ.जी. पुलिस ने कितने आरोपियों को इंटेरोगेट व गिरफ्तार किया

- मामले की सुनवाई के दौरान अपीलार्थियों की ओर से कहा गया, यह मामला व्यापक पेपर लीक का नहीं है क्योंकि कुछ ही सेंटरों पर चीटिंग व पेपर लीक की वारदात देखी गई है। इसलिए सभी अभ्यर्थियों को पेपर रद्द कर दंडित नहीं किया जाना चाहिए।
- मूल याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि पेपर इसलिए रद्द कर देने चाहिए क्योंकि इस मामले की जाँच का कोई अंत नहीं है, क्योंकि वॉट्सऐप के जरिये भी पेपर लीक किया गया था जिससे किसी भी सेंटर पर अभ्यर्थी पेपर प्राप्त कर सकते थे।
- मूल याचिकाकर्ता के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता आर.पी. सिंह ने कहा कि इस मामले में अभी भी 12 ईनामी आरोपी फरार हैं जो अन्य प्रदेशों के गिरोहों से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने बताया एक ईनामी आरोपी की मौत हो चुकी है जिस वजह से यह भी पता नहीं लगाया जा सकता कि उसने किस-किस को पेपर बेचा था।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर 15 जनवरी। हाईकोर्ट में एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021, को रद्द किये जाने के सिंगल बैंच के आदेश के खिलाफ दायर अपीलों पर सुनवाई हुई। उल्लेखनीय है कि कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस पी शर्मा और न्यायाधीश संगीता शर्मा की खण्डपीठ ने इस मामले से उभरे आर.पी.एस.सी. (राजस्थान पब्लिक सर्विस कमीशन) में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर स्वत: संज्ञान भी लिया है, वहीं दूसरी ओर आर.पी.एस.सी. सदस्य डॉ. संगीता आर्या और मंजु शर्मा ने भी एकलपीठ के आदेश को चुनौती दी है, और कहा है कि जांच में और अदालत के आदेश में उनके खिलाफ की गई टिप्पणी निराधार है। हाईकोर्ट में इन सभी मामलों पर एक साथ सुनवाई की जा रही है।

पाठकों को बता दे कि सभी मामलों को एक साथ जोड़ कर सुनवाई से पूर्व, हाईकोर्ट की खण्डपीठ में सिंगल बैंच के एस.आई. भर्ती परीक्षा रद्द करने के आदेश के खिलाफ दायर अपीलों की सुनवाई शुरू हुई थी। इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता विकास बालिया ने अदालत को कहा कि एस.ओ.जी. की रिपोर्ट में कुछ गिने-चुने सेंटरों पर ही पेपर लीक होने या चीटिंग करने के या डमी केन्डीडेट बिठाये जाने के मामले सामने आए हैं। उन्होंने अदालत को कहा कि अनुमानत: बीस से तीस परीक्षा केन्द्रों पर ऐसी वारदात के तथ्य एस.ओ.जी. की रिपोर्ट में सामने आए हैं। उन्होंने अदालत को बताया कि पूरे प्रदेश में आठ सौ परीक्षा केन्द्र थे, इसलिए जांच के आधार पर ये नहीं कहा जा सकता कि परीक्षा निष्पक्ष तरीके से कराए जाने की पूरी व्यवस्था ही खंडित हो गई थी। उन्होंने अदालत को कहा कि जांच के आधार पर यह माना जाना चाहिए कि यह वारदात कुछ केन्द्र तक ही सीमित थी, इसलिए सभी अभ्यर्थियों को, जिनके खिलाफ कोई सबूत सामने नहीं आए हैं, उन्हें परीक्षा रद्द कर दण्डित न किया जाए।

राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता ने भी कहा कि राज्य सरकार जांच करने के ही पक्ष में है, परन्तु परीक्षा रद्द करने का फैसला अपरिपक्व होगा। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि आगे जांच से और भी संधिग्द आरोपी सामने आएं, और दागी अभ्यर्थियों को बेदाग अभ्यर्थियों से अलग किया जा सके, ताकि परीक्षा रद्द करने की स्थिति न आए।

वहीं आज जिरह के दौरान परीक्षा रद्द कराने के पक्ष में मूल याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फ्रांस से 114 राफेल खरीदने का सौदा

नई दिल्ली, 15 जनवरी। भारतीय वायु सेना के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के प्रस्तावित सौदे में लगभग 80 प्रतिशत लड़ाकू विमानों का निर्माण भारत में ही किया जाएगा। इस परियोजना के तहत कुछ विनिर्माण इकाइयों को फ्रांस से भारत में स्थानांतरित किया जाएगा।

सूत्रों ने बताया कि भारतीय पक्ष इस सौदे में स्थानीय स्तर पर उत्पादन बढ़ाने के लिए फ्रांसीसी अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहा है और विमानों की सेवाक्षमता को अधिकतम करने के लिए भारत में ही रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल (एमआरओ) सुविधा स्थापित करने की योजना बना रहा है। सूत्रों के अनुसार, दोनों पक्ष परियोजना की लागत पर आगे बातचीत करेंगे।

- इन विमानों का 80 प्रतिशत निर्माण भारत में होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

सुंदर विचार जिनके साथ हैं। वे कभी एकांत में नहीं हैं। –सर पी. सिडनी

सर्दी-जुकाम और मौसमी बीमारियों में अपनाएं दादी-नानी के अनमोल नुस्खे

देश इस समय सर्दी, कोहरे और शीत लहर की चपेट में है। मौसम में हो रहे बदलाव के कारण कफ, कोल्ड, फीवर, गले में खराश, खांसी, सिर में दर्द आदि समस्याएं होना आम बात है। इस समय घर घर में सर्दी और जुकाम का प्रकोप देखा सकता है। सर्दी के मौसम में वातावरण में नमी आ जाती है, जिससे लोगों में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। यही वजह है कि लोग इस मौसम में सर्दी, खांसी, जुकाम से परेशान हो जाते हैं। दादी-नानी के ये नुस्खें अपनाने की जरूरत होती हैं जिनका शरीर को कोई नुकसान नहीं होता हैं और बीमारी भी जड़ से समाप्त होती हैं।

अंग्रेजी दवाओं के मकड़जाल से आम आदमी परेशान है। जिसे देखो अंग्रेजी दवाइयों के पीछे भागता मिलेगा। सामान्य बीमारियों से लेकर असाध्य बीमारियों की दवा आज घरों में मिल जाएगी। इनमें चिकित्सकों द्वारा लिखी दवाइयों के अलावा वे दवाइयां भी शामिल है जो मेडिकल स्टोर्स से बीमारी बताकर खरीदी गई है अथवा गूगल से खोजकर निकाली गई है। ये दवाइयां असली है या घटिया अथवा नकली ये भी आम लोगों को मालूम नहीं है। घटिया दवाइयों का बाजार आजकल खूब फलफूल रहा है। आये दिन घटिया और नकली दवाइयां बरामद करने की खबरें मीडिया में सुर्खियों में पढ़ने को मिल रही है। इन दवाइयों के सेवन से साधारण खांसी बुखार और जुकाम को ठीक होने में एक पखवाड़ा या महीना लग जाता है। इसी बीच दादी-नानी के नुस्खे सोशल मीडिया पर प्रचलित होने लगे है।

आइये,आज हम आपको एक बार फिर दादी-नानी के नुस्खों की याद दिला रहे है। स्वस्थ रखने के लिए नानी-दादी के नुस्खे आज भी महत्वपूर्ण हैं। वे हमारे रोजमर्रा के जीवन से जुड़े हैं। अगर उनका पालन किया जाए तो बड़ी से बड़ी बीमारी का मुकाबला किया जा सकता है। आज की भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में थोड़ी सी भी कोई हेल्थ प्रॉब्लम होती है तो हम फौरन डॉक्टर के पास जाते हैं या फिर मेडिकल स्टोर से जाकर के अपनी दिक्कत बताकर के दवाइयां ले लेते हैं। लेकिन पुराने समय में ऐसी दिक्कतों के लिए दादी-नानी के नुस्खे आजमाएं जाते थे। ये बेहद कारगर भी होते थे। बदलते मौसम में सर्दी जुकाम होना आम बात है। दादी नानी ने इन बीमारियों का मुकाबला करने के लिए हमें योग, साधना, देशी चिकित्सा और प्रकृति से मित्रता का सन्देश दिया था। आधुनिक चिकित्सा पद्धति ने हमें दादी-नानी के नुस्खों से दूर कर दिया। बाज़ार में भले ही कई दवाएँ मिलती हों, लेकिन भारतीय परिवारों में दादी-नानी के घरेलू नुस्खे पीढ़ियों से बच्चों को राहत देने के लिए अपनाए जाते रहे हैं। दादी-नानी के नुस्खे कारगर माने जाते हैं। ये घरेलू उपाय न सिर्फ आसान हैं, बल्कि शरीर को प्राकृतिक तरीके से राहत भी देते हैं।

मौसमी बीमारियों से बचाने के लिए दादी-नानी के नुस्खे चमत्कारिक रूप से काम करते हैं और बहुत जल्दी आराम देते हैं। सुबह खाली पेट गुनगुना पानी पीने से पाचन सुधरता है और शरीर गर्म रहता है। खाने में तिल, गुड़, मूंगफली, अदरक और लहसुन का प्रयोग अधिक करें। हल्दी वाला दूध रात में पीने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और नींद अच्छी आती है। ठंड के दिनों में धूप सेकना बेहद फायदेमंद है। इससे शरीर में विटामिन-डी की पूर्ति होती है और हड्डियां मजबूत रहती हैं। सरसों या तिल के तेल की हल्की मालिश रोज करने से रक्तसंचार बेहतर होता है और त्वचा की नमी बनी रहती है। योग, साधना, व्यायाम और हमारी रसोई में मिलने वाले मसालों से उपचार जैसी प्राकृतिक और देशी चिकित्सा ने हमारी बहुत मदद की है। सर्दी, जुकाम, खांसी, गले में खराश आम बात है। दादी नानी के नुस्खों ने इनका उपचार भी हमें बताया है। ये नुस्खे इतने ज्यादा कारगर हैं कि डॉक्टर और मेडिकल साइंस भी उन्हें मानने से मना नहीं करते हैं। हल्दी वाला दूध हो या नमक मिले गरम पानी के गरारे जुकाम और गले दर्द में दोनों ही कारगर इलाज है। अदरक को पानी में उबालकर और फिर शहद के साथ खाया जाए तो यह कफ, गले में खराश और गला खराब होने की दिक्कत से छुटकारा दिला सकती है। अदरक को शहद के साथ खाने से गले में होने वाली सूजन और जलन में भी राहत मिलती है। इसी भांति अजवायन, लौंग, काली मिर्च, तुलसी गिलोय, मलेठीयुक्त पान, शहद, दालचीनी आदि के नुस्खे भी संजीवनी साबित हुए है। हल्दी एक महत्वपूर्ण औषधि है, जिसका इस्तेमाल हमारी रसोई में खाने में स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। वहीं कुछ लोग घाव लगने पर हल्दी की पट्टी भी करते हैं, जो वैज्ञानिक नजरिए से भी सही है। एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर हल्दी घाव भरने में मदद करती है। उल्टा लेटकर ऑक्सीजन प्राप्त करने के नुस्खे को एलोपेथी की मान्यता मिली है। यही नहीं इनमें से ज्यादातर नुस्खों का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। लोग खांसी से राहत पाने के लिए तरह-तरह के घरेलू नुस्खे अपनाते हैं। उन्हीं में से एक नुस्खा गर्म पानी की भाप का भी है। गर्म पानी की भाप हमारे शरीर में जमी बलगम को हल्का करने के साथ ही स्वास नलिका को आराम देने का काम करती है। अगर आपको खांसी आती है तो आप 5 से 10 मिनट तक गर्म पानी की भाप लें। इससे गले को राहत मिलेगी और खांसी दूर होगी। दादी-नानी का यह नुस्खा कारगर होगा। विशेषज्ञ कहते है, अगर सर्दी-खांसी तीन दिन से ज्यादा बनी रहे या बुखार के साथ बढ़े, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

> **हल्दी वाला दूध हो या नमक मिले गरम पानी के गरारे जुकाम और गले दर्द में दोनों ही कारगर इलाज है। अदरक को पानी में उबालकर और फिर शहद के साथ खाया जाए तो यह कफ, गले में खराश और गला खराब होने की दिक्कत से छुटकारा दिला सकती है। अदरक को शहद के साथ खाने से गले में होने वाली सूजन और जलन में भी राहत मिलती है।**

दादी-नानी के नुस्खे शुरुआती लक्षणों में बेहद कारगर हैं, लेकिन लंबे समय तक राहत न मिले तो चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है। दादी-नानी के ये पुराने नुस्खे आज भी उतने ही असरदार हैं। इन घरेलू और प्राकृतिक उपायों को अपनाकर हम न सिर्फ सर्दी-खांसी से बच सकते हैं बल्कि दवाइयों पर निर्भरता भी कम कर सकते हैं।

असल में हमारी बीमारी का इलाज हमारे पास ही होता है। कई बार उसके बारे में जानकारी नहीं होती और कई बार जानकारी होती है तो हम उस दिशा में प्रयास नहीं करते। प्रकृति के बिना हमारा जीवन संभव नहीं है। सचमुच प्रकृति, पर्यावरण और आयुर्वेद का अद्भुत संगम है। मानव जीवन के लिए तीनों कारकों के एकाकार होने की आज के समय महती जरूरत है। इससे प्रकृति को जहाँ साफ सुथरा रखा जा सकता है वहां पर्यावरण भी हमारे अनुकूल होगा जिससे आयुर्वेद को भी संरक्षित रखा जा सकेगा। जो मनुष्य प्रकृति के जितना अधिक अनुकूल है। स्वास्थ्य की दृष्टि से वह व्यक्ति उतना ही अधिक निरापद एवं व्याधियों के आक्रमण से दूर होगा।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शुक्रवार 16 जनवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, मूल नक्षत्र शनिवार प्रातः 8:12 तक, ध्रुव योग रात्रि 9:06 तक, गरकरण प्रातः 9:19 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 5:48 से धनु राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मकर, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-मकर, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज भद्रा रात्रि 10:22 से आरम्भ होगी। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि, मेरू त्रयोदशी (जैन), श्री आदिनाथ निर्वाण दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:40 तक, लाभ-अमृत 8:40 से 11:18 तक, शुभ 12:36 से 1:55 तक, चर 4:33 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:51

मेष
मेषः नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

वृष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। मित्रों/रिश्तेदारों से वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों का निपटारा हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

गांव की चौपाल की चर्चाएं -- संसद की चर्चाओं से कम नहीं

महावीर सिंह

घुमंतू अपने पुराने मित्र के साथ, एक बड़े गांव की चौपाल पर पहुंचा। शाम को दिन ढलने के बाद बहुत से ग्रामीण किसी ऐसे आदमी की पोली (बैठक) में एकत्र हो जाते है जहां हुक्के की व्यवस्था हो और अलाव जला कर तपने के लिए लकड़ियों की सुविधा हो। मित्र के साथ जब मैं पहुंचा तब 15,20 आदमियों की चौपाल जुड़ चुकी थी। उस वक्त उनकी चर्चा का विषय था बंगाल में एक जगह ईडी की रैड का। एक सदस्य का कहना था कि ममता बनर्जी ने ईडी के काम में दखल डाल के ठीक नहीं किया। दूसरे का मत था ममता बनर्जी अपने प्रदेश में होने वाले चुनाव की गोपनीय सूचनाएं वहां से लेकर आई है जिसका उसे पूरा अधिकार है। जो मामला ईडी बता रही है वह तो 5,7 साल पुराना है। ईडी को अभी होने वाले चुनाव से ठीक पहले ही क्यों याद आया?

तीसरे सदस्य में कहा वहां तो दोनों पक्ष कोर्ट चले गए वहीं से सही गलत का फैसला होगा। कोई ओर बात करो।किंतु लगता है ईडी ने इस बार बर्र के छत्ते में हाथ डाल दिया। एक भाई में कहा, देखो यह जो संस्थाएं है ईडी, सीबीआई आदि पर राजनीतिक आकाओं का दबाव तो हमेशा ही रहता है किंतु पहले इनका हर चुनाव चाहे राज्य का हो या फिर देश का इतना उपयोग/दुरुपयोग नहीं होता था। अब तो दिखने में आ रहा है कि हर सुनाव के 1,2,3 महीने पहले यह संस्थाएं अतिसक्रिय हो जाती है। लगता है सत्तासीनों को चहुं ओर अपनी ही विजय पताका दिखनी चाहिए।

चौपाल की चर्चा इंटरेस्टिंग होती जा रही थी। चर्चा शुरू हुई जीरामजी कानून पर। एक सदस्य का विचार था कि यह कानून तो केंद्र सरकार की मर्जी वाला कानून है। विपक्ष ने तो पुरजोर मांग की थी कि बिल को समीक्षा के लिए संसदीय समिति को सौंपा जाए किंतु बहुमत के अहंकार के आगे विपद की क्या बिसात। ओर नहीं तो जनता की ही राय ले लेते। अब काम कहां पर होंगे अर्थात जहां काम होंगे वह क्षेत्र, राज्य केंद्र सरकार तय करेगी।कौन से काम होंगे यह भी केंद्र सरकार तय करेगी और पहले 90 प्रतिशत खर्चा केंद्र सरकार से आता था अब वह घटा के 60 प्रतिशत कर दिया।यह सोचने की बात है कि कर्जे में डूबी अधिकांश राज्य सरकारों में से कितनी सरकारें ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन के लिए कितना बजट निकाल पाएंगी???? राज्य सरकारों और ग्राम पंचायतों की भूमिका तो लगभग शून्य सी हो गई। यह कोई अच्छी बात है क्या???

चर्चा आगे बढ़ी। एक नवयुवक में कहा मनरेगा में भ्रष्टाचार चरम बिंदु तक पहुंच गया था। शुद्धिकरण के लिए सरकार को यह कदम उठाना पड़ा। तीसरे ने कहा हां, शुरू के 1,2,3 साल खूब भ्रष्टाचार था। काम मशीन से करवाते, मजदूरों का मस्टरोल भरते। मशीन को किराया चुकाने के बाद जो पैसा बचाता वह मजदूरों और ग्राम स्तर के अधिकारी, नेता बांट लेते थे। मस्टरोल में फर्जी हाजरी लगती थी। ओर भी कई तरीके थे भ्रष्टाचार करने के किंतु पिछले 15 साल से तो बहुत सुधार हो गया था। मजदूरी सीधे बैंक खाते में जाती थी। रोजगार चाहने वालों के चयन, कामों के चयन का तरीका भी काफी हद तक पारदर्शी हो गया था।

मजदूरी भुगतान की रकम को किए गए काम से जोड़ा गया। डिजिटाइजेशन शुरू किया इसका श्रेय अब की सरकारें ले रही है। स्वर्गीय मन मोहन सिंह को किन किन गैर वाजिब उपाधियों से नहीं नवाजा गया। अब तो इसे खत्म करना कोई बुद्धिमानी का काम नहीं कहा जा सकता। चलते रस्ते यों ही गांधीजी का नाम हटाया। इसका विरोध तो होगा किंतु शायद उतना असरदार शायद नहीं हो जितना, लगभग साल भर चले किसान आंदोलन का हुआ था। सरकार को कानून वापिस लेने पड़े यद्यपि कीमत के रूप में लगभग 700 किसानों की बलि हुई। आतंकवादी, खालिस्तानी, कुलक किसानों का आंदोलन जैसे विशेषणों से भी अत्यंत निंदनीय तरीकों से उन्हें नवाजा गया। एमएसपी के लिए कानून बना नहीं।

अच्छा होता यह जीरामजी कानून बनाने से पहले जनता की राय और संसदीय समिति की राय ले लेते। सरकार ज्यादा लोकतांत्रिक दिखती। खैर सरकारों का अपना अहंकार होता है, बहुमत होता है, कुछ भी कानून पास करा सकते है। फिर एक सदस्य ने राय व्यक्त कर दी कि विपक्ष का काम आलोचना करना होता है सो कर रहा है किंतु संसद में बहुमत का अर्थ ही यह है कि बनाए गए कानून जनहित में है। विपक्ष ने तो नौटबंदी, लोकडाउन, मतदाता सूचियों के रिवीजन का भी घणा विरोध कर लिया, क्या निकला?? जनता ने चुनाव जीता कर उन फैसलों पर मोहर लगा दी न।

एक बुजुर्ग में राय व्यक्त की कि बहुमत सदा ही सही हो यह भी जरूरी नहीं। चुनाव तो कई दूसरे मुद्दों, तात्कालिक जन भावनाओं, सघन प्रचार अभियान और दूसरे पक्ष के साधनों पर तरह तरह के अंकुश लगा कर भी जीते जाते है। अभी तक चुप एक युवक में कहा दादा बिल्कुल ठीक कह रहा है। यह बताओ चुनाव के दौरान 5,10 हजार रुपए सीधे सीधे मतदाताओं के खाते में डाल दें तो लोग प्रभावित नहीं होंगे???? उसका कहना था चुनाव आयोग की निष्पक्षता संदेहपूर्ण तो लगने लगी, हालांकि अपने कहने से कुछ होने वाला नहीं।

चर्चा घूमकर आगई देश के उच्च न्यायालयों, सुप्रीम कोर्ट की कार्य प्रणाली और सारी न्याय व्यवस्था पर। एक बंधु में कहा, यह भी कोई बात हुई कि जो काम अत्यंत रूटीन में जिला व उसके नीचे के स्तर के कार्यालयों में होने चाहिए उनके लिए लोग इन बड़े न्यायालयों में जाते हैं या जाने को विवश हो जाते है। पिछले छैएक महीने से दिल्ली में आवारा कुत्तों को कौन रखे, कहां रखे, कैसे रखे इसी पर ही बहस चल रही है। उच्चतम स्तर से भी कोई क्लियर कट आदेश, निर्णय नहीं आया है। लगता है डॉग लवर्स बड़े-बड़े लोग हैं जो सुप्रीम कोर्ट में जाने को तैयार बैठे रहते है। एक सज्जन में कहा छोटा सा आदेश जारी करना चाहिए --जो कोई पालतू कुत्ता रखे, वह सुनिश्चित करे कि कुत्ता सड़क, रास्ते में मलमूत्र नहीं करे। उसे अपने घर में फ्री कराए और फिर घुमाए। आवारा कुतों को सड़क पर कोई व्यक्ति खाद्य सामठाी नहीं दे। आवारा कुतों के लिए गौशालाओं की तर्ज पर, कुत्ता घरों का सृजन हो। गौशालाओं के लिए बजट की पूर्ति के लिए किसानों पर लाग (टैक्स का ही रूप) लगा दी वैसे ही कुत्ता शालाओं के लिए भी आम आदमी को दंडित कर दो, कौन विरोध करने वाला है????

वैसे आवारा गायों, सांडों से गांवों में किसान खासे परेशान हैं किंतु आस्था के आगे उनकी कौन सुने? सुप्रीम या उच्च न्यायालयों में कोई अर्जी पानडा लगाने के लिए मंहगे वकील की फीस उनके बस की बात नहीं, सो दिन रात पहरा देकर बचाओ अपनी फसल। वैसे यह खर्चा की गणना में शामिल नहीं होता, घर से ही भुगतना होता है।

आश्चर्य की बात तो यह कि राजस्थान की विधान सभा ने कानून बनाया कि 3 साल के बछड़े की खरीद फरोख्त व परिवहन नहीं होगा। किसानों को इनको आवारा छोड़ना ही पड़ता है। शायद कानून बनाने वाले कृषि व ग्रामीण व्यवस्था से जुड़े विधायक तो यह भली भांति समझते ही होंगे कि एक गैर उत्पादक बछड़े को पाला जाए तो कितना खर्चा प्रतिदिन किसान को करना पड़ेगा???? किंतु फिर भी चुप रहे,व्यों??? प्राचीन काल में गाय-बैल, बछड़े कृषि व ग्रामीण अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण सहयोगी थे किंतु अब कृषि के यंत्रीकरण के बाद नहीं?? बछड़े व बाखड़ी गाय पर कोई किसान, पशु पालक क्यों खर्चा करे??

अब परबतसर के प्रसिद्ध मेले में कितने बैलों की खरीदी होती है???? कृषि यंत्रीकरण के बाद हम सब को गाय के नाम पर भावनाओ के आधार पर नहीं धरातलीय आधारों पर निर्णय करने चाहिए।

न्याय व्यवस्था पर चर्चा होते होते चर्चा गाया, गोशालाओं पर चली गई। एक सज्जन में इसे मोड़ा और मंहगी होती न्याय व्यवस्था की बात चलाई। एक अधेड़ उम्र वाले सज्जन में यों कहा कि पहले लोग यों कहते थे कि जिस घर के मानगी (बीमारी) और मुकद्दमा लग जाए उसकी तो बर्बादी तय है। अर्थात मुकद्दमा लड़ना मंहगा होता है। यह वर्षों से लोग जानते हैं। दूसरे सज्जन ने कहा भाई वकील इतने मंहगे हो जाए कि आम आदमी के लिये अच्छा पैरवीकार लेना दुस्वप्न हो जाए, यह तो ठीक नहीं। फिर तो लोग सही ही कहते है न्याय केवल अमीर ही प्राप्त कर सकते है या खरीद सकते हैं, जैसा आजकल आम आदमी रूटीन में कहने लगा।

एक कानून की पढ़ाई करने वाला नवयुवक भी ताप सेक रहा था बोला कि अगर बड़े न्यायालय चाहें तो एक एक फैसले से हजारों मुकदमों का फैसला एक साथ कर सकते है।जैसे नीचे के न्यायालयों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक दसियों हजार जमानत अर्जियां वर्षों से लंबित है जबकि सुप्रीम कोर्ट एक बार नहीं अनेक बार कह चुका की जमानत अधिकार है जेल अपवाद है। सुप्रीम कोर्ट जमानत अर्जी में 1,2,5,10 जो भी शर्ते लगानी हों वे स्पष्ट लिखदे और अधीनस्थ समस्त न्यायालयों को आदेश दे की उनके फैसले के अनुसार समस्त पेंडिंग बेल अर्जियों को 1,2 माह में रिव्यू करे और उनके आदेश के अनुसार जिनमें जमानत दी जा सकती है उनमें जमानत दे और सुप्रीम कोर्ट,उच्च न्यायालयों को पालना रिपोर्ट भेजें।

एक-दूसरे नवयुवक का कहना था कि जब पुलिस ने, जांच पूरी करके कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी तो फिर अभियुक्त को जेल में क्यों रखा जाए??? अनुसंधान पूर्ण होने का अर्थ है कि पुलिस समस्त लिखित, मौखिक साक्ष्य एकत्र कर चुकी,उसे अब कोई आगे जांच नहीं करनी तो फिर जेल में रखने का क्या औचित्य?? जो नजीरें कोर्ट में पेश होती हैं उन्हें यातो मानी जाए या पूर्ण विवेचना के आधार पर अमान्य किया जाए केवल तथ्य भिन्न का रूटीन लेख कर नजरअंदाज नहीं की जा सकेंगी,इस पर सख्त आदेश जारी हों।

इसी प्रकार के सिविल, सेवा संबंधित, राजस्व आदि क्षेत्रों के कई कानूनी मसले है जिन पर सुप्रीम कोर्ट सिद्धांत तय कर चुका किंतु फिर भी केसेज घूम फिर के उच्च न्यायालयों में पहुंच जाते है क्यों???

तथ्य भिन्न का एक ऐसा वाक्य, तर्क है जिस से किसी भी पुरानी नजीर को बेअसर कर दिया जाता है। इस प्रकार की अपील,पिटिशन आदि को एक साथ सुना जाए, निर्णय किया जाए जिनमें कानूनी आधारों को पुनर्स्मृत कराए जाए और अधीनस्थ न्यायालयों को उन आधारों के आधार रिव्यू के लिए आदेशित करें।अगर कोई नजीर लागू नहीं होती तो उस पर यह विवेचना कर ही रिव्यू निस्तारित हो की इन इन कारणों से व नजारें लागू नहीं होती।

काफी समय बीत चुका था, एक सज्जन में कहा अब बंद करो यह सब ओर सो जाओ किंतु चलते चलते एक युवक में प्रश्न दाग दिया कि आज के युग में हर घर में रेडियो, टीवी उपलब्ध है तो यह राजनीतिक पार्टियां करोड़ न करोड़ रुपए खर्च कर लाखों न लाख लोगों की भीड़ क्यों इक्कठी कर यातायात व दूसरी सेवाओं को दुष्प्रभावित क्यों करती है?? नेता लोग टीवी पर अपना भाषण दे दें,उनके कार्यकर्ता धर गांव स्तर पर स्क्रीन लगा कर सीधा प्रसारण लोगों को सुना दें। सोशल मीडिया का उपयोग कर सकते है तो फिर यह हजारों करोड़ रुपए का प्रचार क्यों??? साथ बैठे सज्जन में कहा क्योंकि उनके पास पैसा है। सैकड़ों,हजारों खर्चे वाले हर बड़े ठेके में सत्ताधारी पार्टियों को भारी राशि मिलती है। उसका उपयोग चुनाव के लिए भीड़ इक्कठी करने में किया जाता है। भीड़ के लिए परिवहन, खाना आदि की व्यवस्था और करोड़ों रुपए की स्टेजे तैयार की जाती है। चुनाव के समय नेता लोग हवाई जहाजों में ऐसे उड़ते नजर आते है जैसे शहर में स्कूटर सवारियां दिखती है, ओर करते क्या है तूं-तूं, मैं ही मैं, तुम काले हम सफेद घने!!!!!

बुजुर्ग लोग एक एक कर जाने लगे। कुछ युवा लोगों की इच्छा थी कि सूचना के अधिकार, अन्ना हजारे आंदोलन - भ्रष्टाचार - लोकपाल - सूचना आयुक्त ,दल बदल विरोधी कानून जिस से लोकसभा, विधान सभा में बहस के दौरान भी सांसद विधायक अपना स्वतंत्र विचार व्यक्त नहीं कर सकते, 2जी व कोयला घोटाला आदि पर भी चर्चा करो किंतु वे बहुमत के आगे हार गए और चौपाल बंद हुई।

जाते-जाते एक सज्जन बोला सूचना के अधिकार से अधिकार गायब हो गया और सूचना मनमर्जी से हो गई। रही बात 2, कोयला खनन घोटाले की सो खोदा पहाड़ निकली चुहिया। केवल भरम फैला कर जन भावनाएं भड़काई गई। दूसरा जो अभी तक मोबाइल देखने में ही व्यस्त था, जोर देकर बोला, कुछ भी कह लों किंतु हमारे प्रधानमंत्री जी अच्छा वक्त कोई है ही नहीं। विषय चाहे शासन की नीतियों का हो, मंदिरों-मस्जिदों का हो, धार्मिक ग्रंथों का हो, परीक्षार्थियों को टिप्स देने का हो, नई योजनाएं जनता को आसानी से याद रहे तो उनका संक्षिप्त नाम देना हो अब में उनके भाषण बेमिसाल। अब देखो आज ही सोमनाथ में भगवान भोलेनाथ पर क्या भाषण दिया, लोग दांतों तले अंगुली दबाने लगे --ऐसी तार्किक व्याख्या तो बड़ा से बड़ा पंडित भी नहीं कर सकता। जय राम जी।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

भाषा ही समाज को जिंदा रखती है

राजस्थानी भाषा मान्यता के उजले दिन आ रहे हैं

राजेन्द्र जोशी

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि अपने बच्चों की तरक्की के लिए जो भाषा बोलनी पड़े, सीखनी पड़े, बोलने व सीखने के लिए जितनी भी भाषा सीखे, कोई विरोध नहीं है, मगर घर में बच्चों के साथ मारवाड़ी व हिंदी में ही बात करें। स्वभाषा में बात करेंगे, सिखाएंगे तो बच्चे मारवाड़ राजस्थान के दैदीप्यमान इतिहास के साथ अपने आप जुड़ जाएगा। शाह ने माहेश्वरी समाज के एक कार्यक्रम में कहा कि भाषा ही समाज व धर्म को जिंदा रखती है, सद्बुद्धि को आगे बढ़ाती है। इसलिए बच्चों के साथ मातृभाषा का प्रयास कीजिए।

भारत के गृहमंत्री अमित शाह का भाषा प्रेम देखकर राजस्थानी भाषा साहित्य और संस्कृति के उजले दिन दिखाई दे रहे हैं। सच में अगर गृहमंत्री की बात को गंभीरता से लिया जाए तो ऐसा लगता है कि वे राजस्थानी भाषा से प्यार कर रहे हैं। लेकिन राजस्थानी भाषा तो बरसो से समाज, परिवार और पूरे विश्व को जोडे हुए हैं।

राजस्थानी भाषा दुनिया के किसी भी देश से अछूती नहीं है जिस मारवाड़ी भाषा की गृहमंत्री बात कर रहे हैं वह मारवाड़ी दुनिया भर में अपने व्यापार के माध्यम से दुनिया की सेवा कर रहे हैं। और वह सभी अपने घरों में राजस्थानी भाषा बोलते हैं और राजस्थानी संस्कृति के साथ प्यार करते हैं। गृहमंत्री जी जानते है कि जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान की यात्रा पर थे तो वहां के स्थानीय कलाकारों ने राजस्थानी गीतों के माध्यम से प्रधानमंत्री का स्वागत किया था। राजस्थानी भाषा-साहित्य और संस्कृति सात समंदर पार भी अपना परचम लहरा रही हैं।

मारवाड़ी- राजस्थानी भाषा की गृहमंत्री जी बात कर रहे हैं और राजस्थान के जोधपुर शहर में माहेश्वरी समाज के लोगों को सलाह देते हैं कि घर-परिवार में ज्यादा से ज्यादा मातृभाषा का उपयोग होना चाहिए। उनकी यह बात शत प्रतिशत सही है। भाषा ही समाज को जिंदा रखती है। गृहमंत्री जी राजस्थान ही नहीं अपितु दुनिया-भर में रह रहे राजस्थानी आपकी बात की शत-प्रतिशत हम पालन करते हुए आपसे आग्रह करते हैं की भाषा तभी जिंदा रहेगी जब वह सरकारी संरक्षण में भी होगी, जब रोजगार का साधन बनेगी और रोजगार का साधन तभी बनेगी जब भारत सरकार द्वारा संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल होगी। गृहमंत्री जी की जिम्मेदारी भी है कि वह भाषाओं को संरक्षण दे, भाषाओं को जिंदा रखने में सरकार खुद आगे आए ,किसी भी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने का जिमा गृह मंत्रालय का है।

गृहमंत्री जी यह भी जानते हैं कि दुनिया में व्यापार उद्योग का बड़ा हिस्सेदार राजस्थानी समाज ही हैं। जब भारत सरकार के गृहमंत्री मातृभाषा के प्रेम की बात कर रहे थे तो उस समय सुखद एहसास हुआ संभवतः भारत सरकार का मन राजस्थानी भाषा को मान्यता देने का बन गया है। ऐसा इसलिए भी लगा कि गृहमंत्री जी की उपस्थिती में कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह जी ने भी अपना अधिकांश भाषण राजस्थानी भाषा में दिया था।

हम वर्षों से यह मांग कर हैं और साथ ही साथ दुनिया भर में रह रहे राजस्थानी भी भारत सरकार से निरंतर प्रयासरत रहे हैं की राजस्थानी भाषा को सरकार की मान्यता मिलनी चाहिए। राजस्थानी भाषा को सरकारी मान्यता मिलने से व्यापार, उद्योग, संस्कृति और आर्थिक क्षेत्र में भी भारत को विकसित बनाने में सहयोग मिलेगा। विकसित भारत तभी बन पाएगा तब राजस्थानी संस्कृति राजस्थानी भाषा साहित्य की उसमें सहभागिता होगी। सौभाग्य से इस कार्यक्रम में लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला भी मौजूद रहे।

इस अनुकूल वातावरण में लोकसभाध्यक्ष राजस्थान के पैंतीस सांसदो के साथ गृहमंत्री जी को आठाह करे तो बात बन सकती है। दूसरी तरफ राजस्थान के प्रभावशाली लोग अब गंभीरता से बात करें, उन्हें राजस्थानी भाषा की खूबसूरती की ठीक से जानकारी दी जाए तो राजस्थानी भाषा की मान्यता के उजले दिन देखे जा सकते हैं।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार

बीकानेर में पारा 24 डिग्री पहुंचा, सर्दी से राहत

दिन में ठंड कम, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से बदल सकता है मौसम

- **पिछले दो दिन से बीकानेर में सर्दी का असर लगातार कमजोर बना हुआ है, सुबह और दिन के समय गर्माहट महसूस की जा रही है, जबकि रात में हल्की ठंड बनी हुई है**
- **अगले कुछ दिनों तक मौसम में ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं है, फिलहाल सर्दी से राहत बनी रहेगी, हालांकि यदि आने वाले दिनों में नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होता है तो तापमान में गिरावट आ सकती है**

बीकानेर, (निसं)। यहां तापमान बढ़ने और कोहरा पूरी तरह खत्म होने से सर्दी से फिलहाल राहत देखने को मिल रही है। दिन में धूप तेज रहने से ठंड का असर कम हुआ है, जबकि रात में हल्की सर्दी बनी हुई है।

मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिन मौसम इसी तरह रहने की संभावना है, हालांकि पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने पर बदलाव आ सकता है। बीकानेर में अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रहा। दिन के समय ठंड का असर काफी कम रहा। चटक धूप खिली रहने से लोगों को सर्दी से राहत मिली और दिन में गर्माहट का एहसास हुआ। सुबह के समय मौसम पूरी तरह साफ रहा। शहर में कोहरे की स्थिति बिल्कुल नहीं रही, जिससे विजिबिलिटी सामान्य बनी रही। इसका असर लोगों की आवाजाही और रोजमर्रा की गतिविधियों पर भी दिखा, जो बिना किसी बाधा के सामान्य रूप से चलती रहीं।

पिछले दो दिनों से बीकानेर में सर्दी का असर लगातार कमजोर बना हुआ है। सुबह और दिन के समय गर्माहट महसूस की जा रही है, जबकि रात में हल्की ठंड बनी हुई है।

मौसम विभाग के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार अगले कुछ दिनों तक मौसम में ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं है। फिलहाल सर्दी से राहत बनी रहेगी। हालांकि यदि आने वाले दिनों में नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होता है, तो तापमान में गिरावट आ सकती है और ठंड एक बार फिर बढ़ सकती है।

पिछले पांच दिनों के तापमान पर नजर डालें तो बीकानेर में सर्दी का असर धीरे-धीरे कमजोर होता दिखाई दिया है। न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे सुबह और रात की ठंड पहले के मुकाबले कम महसूस हुई। वहीं अधिकतम तापमान बढ़ने से दिन में धूप की गर्माहट साफ नजर आई।

गौवंश हत्या प्रकरण में अब तक 7 आरोपी गिरफ्तार

पोकरण, (नि.सं.)। जिला पुलिस अधीक्षक जैसलमेर अभिषेक शिवहरे के निर्देशन में पुलिस थाना पोकरण द्वारा गौवंश हत्या के गंभीर प्रकरण में त्वरित व प्रभावी कार्रवाई करते हुए ईनामी वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। इस प्रकरण में अब तक कुल 7 मुल्जिमानों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि शेष आरोपियों से संबंधित विस्तृत अनुसंधान जारी है।

पुलिस के अनुसार 8 जनवरी 2026 को प्रार्थी राजूसिंह पुत्र डूंगरसिंह राजपूत, निवासी बिलिया द्वारा पुलिस थाना पोकरण में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि अज्ञात बदमाशों ने 07 जनवरी 2026 की रात्रि को एक बैल की निर्मम हत्या कर दी। इस रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार प्रवीण कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पोकरण के निर्देशन तथा भवानीसिंह, वृताधिकारी वृत पोकरण के सुपरविजन में पुलिस टीम गठित की गई। थानाधिकारी भारतसिंह रावत (नि.पु.) एवं महादेव गोदारा (उनि.), प्रभारी डीएसटी को शेष आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए।

पुलिस टीम ने आसूचना संकलन के दौरान हैड कांस्टेबल मोहनलाल की विशेष सूचना पर प्रकरण में वांछित 5-5 हजार के ईनामी अभियुक्त याकूब उर्फ आला एवं इमरान खां उर्फ बोला को दस्तयाब किया। गिरफ्तारी के दौरान दोनों अभियुक्तों ने भागने का प्रयास किया, जिस पर मोटरसाइकिल फिसलने से याकूब उर्फ आला के पैर में फ्रैक्चर हो गया। उसे उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं इमरान उर्फ बोला को उपचार के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस के अनुसार याकूब उर्फ आला को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया जाएगा। आरोपियों से पूछताछ जारी है तथा अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्त इमरान उर्फ बोला पुत्र रफीक, उम्र 19 वर्ष, निवासी वार्ड संख्या 1, सिपाहियों का मोहल्ला, पोकरण है।

पुलिस टीम में भारतसिंह रावत (थानाधिकारी), बगडूराम (उनि.), प्रवीणसिंह (सउनि.), हैड कांस्टेबल मोहनलाल (विशेष भूमिका), रुपाराम, रामसिंह, कांस्टेबल बुधाराम, भीमराव, दीपक कुमार, हमीरसिंह, लोकेशकुमार एवं श्रीमती पारसी माकानी शामिल रहे।

वहीं इससे पूर्व पोकरण क्षेत्र में गौ हत्या और अवैध बूचडखानों से जुडे मामले में पुलिस को बडी सफलता हाथ लगी है।

पुलिस ने इस जघन्य गौ हत्याकांड के मुख्य अभियुक्त आला उर्फ याकूब (आलम खान) सहित एक अन्य आरोपी इमरान को गिरफ्तार किया है।

पोकरण पुलिस को यह कामयाबी पोकरण से कुछ ही दूरी पर मिली, जहां दोनों आरोपी पुलिस को देखकर फरार होने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस टीम ने आरोपियों का काफी लंबी दूरी तक पैदल पीछा किया, जिसके बाद दोनों को दबोच लिया गया। भागने के दौरान दोनों आरोपी घायल हो गए। घायल अवस्था में दोनों आरोपियों को पोकरण जिला अस्पताल लाया गया। जहां उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। हालत गंभीर होने के चलते मुख्य अभियुक्त आलम खान को हायर सेंटर जैसलमेर रेफर किया गया, जबकि इमरान का उपचार पोकरण जिला अस्पताल में जारी है।

आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पोकरण का जिला अस्पताल पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। अस्पताल परिसर और आसपास के क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। इस कार्रवाई को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में तथा पोकरण थानाधिकारी भारत रावत के नेतृत्व में पुलिस टीम को यह बडी सफलता मिली है। अब तक की जांच में पुलिस द्वारा की गई यह कार्रवाई गौ हत्या प्रकरण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

आपदा प्रबंधन की तैयारी पर चर्चा

पाली,(नि.सं.)। जिला कलैक्टर एलएन मंत्री के निर्देशानुसार गुरूवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर सीलिंग ओम प्रभा की अध्यक्षता में आपदा प्रबंधन की तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में उन्होंने संभावित प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए पुलिस, चिकित्सा, नगर निगम, जलदाय, सार्वजनिक निर्माण विभाग, मेडिकल कॉलेज, शिक्षा विभाग समेत अन्य विभागों की तैयारियों को लेकर की समीक्षा की गई। उन्होंने सभी विभागों को आपदा प्रबंधन योजना के अनुसार आवश्यक संसाधनों, उपकरणों एवं मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने कंट्रोल रूम, संचार व्यवस्था, राहत एवं बचाव दल, स्वास्थ्य सेवाओं तथा आश्रय स्थलों की व्यवस्था को सुदृढ रखने के निर्देश दिए। साथ ही आपसी समन्वय एवं त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली को प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर जलदाय, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, चिकित्सा, पुलिस, मेडिकल कॉलेज, शिक्षा आदि विभागों के लोग मौजूद रहे।

विधायक छोटूसिंह भाटी ने नेत्र ऑपरेशन यूनिट का शुभारंभ किया

जैसलमेर, (नि.सं.)। श्री जवाहर चिकित्सालय जैसलमेर में आंखों के ऑपरेशन के लिए आवश्यक संसाधनों से परिपूर्ण नेत्र यूनिट का विधिवत शुभारंभ जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी द्वारा गुरुवार को किया गया।

नेत्र यूनिट में नेत्रों के ऑपरेशन संबंधी संसाधनों की उपलब्धता होने और नेत्र रोगियों के ऑपरेशन होने पर खुशी जाहिर करते हुए विधायक भाटी ने कहा कि इससे जिले के नेत्र रोगियों की स्वास्थ्य समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा, नेत्र रोगियों के लिए नेत्र यूनिट वरदान साबित होगा। नेत्र रोगियों को आंखों के इलाज के लिए बाहरी क्षेत्रों में नहीं जाना पडेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेंद्र कुमार पालीवाल तथा प्रमुख चिकित्सा अधिकारी जैसलमेर डॉ रवींद्र सांखला ने भी नेत्र यूनिट के प्रारंभ होने पर खुशी जाहिर की तथा नेत्र रोगियों से अपील की कि वे अपनी नेत्र संबंधी जांच व उपचार के लिए नेत्र यूनिट में आकर अपना निशुल्क इलाज करावे। पीएमओ डॉ सांखला ने बताया कि नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ गौरव जोशी द्वारा अब नियमित रूप से नेत्र ऑपरेशन किये जाएंगे। डॉ सांखला बताया कि नेत्र विभाग के स्वरूप को सुधार कर नेत्र ऑपरेशन शुरू करने के लिए अति आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर गौरव जोशी ने बताया कि नेत्र यूनिट में मुख्यत: मोतियाबिंद, बढे हुए मास, पलकों की गाँठ, पलकों के घूम जाने संबंधी का इलाज प्रारंभ किया गया है। नेत्र मिनट के शुभारंभ के अवसर पर जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ निखिल शर्मा एवं चिकित्सा विभाग के कार्मिक भी उपस्थित थे।

पिकअप की चपेट से मासूम की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती करवड़ स्थित खारडा गांव में हुए हादसे में ढाई साल के मासूम की जान चली गई। परिवार के लोगों से पिकअप का चालक सरसों खरीदने के बाद गाड़ी लोड कर निकल रहा था, तब हादसा हुआ। बच्चें की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर पुलिस में मामला दर्ज कराया गया है।

करवड़ थाने के हैडकांस्टेबल रामकेश ने बताया कि खारडा निवासी चंपाराम पुत्र जवाहराराम प्रजापत के पोते ढाई साल के मोतीराम की इसमें मौत हो गई। घटना के अनुसार किरमसरिया गांव का हरिश चंपाराम के यहां पर सरसों की खरीद करने आया था। सरसों को लोड कर बाद में वह पिकअप गाड़ी से निकल रहा था तब गेट के आगे ही ढाइ साल का मोतीराम खेलते हुए चपेट में आ गया। परिवार को भी इसका पता नहीं चला। बाद में उसे तत्काल बावड़ी चिकित्सालय ले जाया गया, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। घटना को लेकर मृतक के दादा चंपाराम ने रिपोर्ट दी है। शव को कार्रवाई कर परिजन के सुपुर्द किया गया है।

जोधपुर में सम्मानित किया

जोधपुर, (कासं)। भारतीय सेना के अदम्य साहस और शौर्य के प्रतीक 78 वें सेना दिवस के अवसर पर जोधपुर में पूर्व सैनिकों और चिकित्सा कर्मियों की सेवाओं को विशेष सम्मान दिया गया है। 15 जनवरी को सेना दिवस के मौके पर जोधपुर स्थित पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना पॉलीक्लिनिक में सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस दौरान पॉलीक्लिनिक के प्रभारी अधिकारी ग्रुप कैप्टन (से.नि.) राकेश नंदा ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस साल सेना दिवस की थीम आधुनिकीकरण और राष्ट्र प्रथम के संकल्प पर केंद्रित रही, जिसे इन कर्मचारियों ने अपनी सेवाओं के जरिए चरितार्थ किया है। ग्रुप कैप्टन राकेश नंदा ने सम्मानित होने वाले कार्मिकों की कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की।

साहित्य संगम की काव्य गोष्ठी आयोजित

जोधपुर, (कासं)। शहर की सबसे पुरानी साहित्यिक संस्था 'साहित्य संगम' की ओर से रेलवे स्टेशन क्षेत्र स्थित सेठ श्री रघुनाथ दास परिहार धर्मशाला के सभागार में आयोजित मासिक काव्य गोष्ठी में शहर के प्रतिष्ठित कवियों ने रचनाओं की प्रस्तुति देकर इंसानी जीवन, समाज और देश दुनिया में बदलाव की उम्मीद जगाई। संस्था के अध्यक्ष इंदीवर परिहार ने बताया कि गोष्ठी में नामवर शाइर और कहानीकार हबीब कैफ़ी ने मुहब्बत को परिभाषित करती गजल 'इश्क जिसका उसूल होता है, हाथ में उसके फूल होता है', कवयित्री पद्मजा शर्मा ने 'कितना भी गिराओ, जिसे उठाना है उठा के रहेगा, इसलिए अगर गिरना और उठाना ही है तो धरती पर बीज की तरह गिरो और फसल की तरह उठो', राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के पूर्व अध्यक्ष एवं कवि रमेश बोराणा ने मौजूदा विसंगत व असामाजिक होते हालातों पर चिंता व्यक्त करते हुए कविता 'फिजाओं में गूंज रहा सन्नाटा, तूफान लाया ये सन्नाटा, सर्द हवाओं में भी तपन दे रहा सन्नाटा', गजलकार सैयद मुनव्वर अली ने नए साल में उम्मीदों पर आधारित गजल 'है दुआ है अबके खुद को ना दोहरा सके, नफरतों की कहानी नए साल में, अब के हर भूखे को रोटी मिले और प्यासे को पानी नए साल मे' प्रस्तुत कर खूब दाद बटोरी। गोष्ठी में रंग सृजनधर्मी प्रमोद वैष्णव ने झूठी-मनगढ़ंत कहानी गढ़ रहे राजनेताओं व लोगों पर तंज कसते हुए कविता 'कल्पनाशीलता चरम पर है, कहानीकारों की जरूरत नहीं है', बुजुर्ग शाइर रजा मोहम्मद खान ने वफा व दुआओं की अहमियत को रेखांकित करती गजल 'मुझे रख रही है जिंदा वफाएं किसी की, मुझे मिल रही है हरदम, दुआएं किसी की' तथा रंगकर्मी रमेश भाटी नामदेव ने सकारात्मक सोच पर केंद्रित कविता 'मंजिलें जहां छुपी थीं अंधेरों में घुप जो, वह रोशनी करके रस्ता दिखाने लगी हैं' सुनाकर उम्मीद की लौ जगाई।

मांगों पर चर्चा की

जालोर, (नि.सं.)। राजस्थान सरकार के आगामी बजट को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बजट पूर्व कर्मचारी संगठनों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने अपने सुझाव रखे तथा कर्मचारियों से जुड़ी लंबित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की।

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) के जिला अध्यक्ष इंद्रसिंह राजपुरोहित ने बताया कि महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष केसर सिंह चम्पावत ने प्रजेंटेशन के माध्यम से राज्य कर्मचारियों की प्रमुख मांगें मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं।

चम्पावत ने प्रबोधकों की नियुक्ति से पूर्व की सेवा को गणना में जोड़ने, वरिष्ठ प्रबोधक के लिए पदोन्नित के चैनल खोलने, वेतन विसंगतियां दूर करने तथा प्रबोधकों के शहरी क्षेत्र में स्थानांतरण खोलने की मांग रखी।

मारी टक्कर गुजराती महिला भावना की मौत

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर-जोधपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-11 पर लाठी थाना क्षेत्र के खेतोलाई गांव के पास गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। हाईवे पर खड़ी एक कार को पीछे से आ रही दूसरी तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी।

इस भीषण भिड़ंत में गुजरात निवासी महिला भावना की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन मासूम बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों कारें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

हादसे के बाद वहां से गुजर रही सेना की गाडी ने सभी घायलों को पोकरण हॉस्पिटल पहुंचाया जहां घायलों का इलाज जारी है। वहीं टक्कर मारने वाली कार का ड्राइवर कार को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। लाठी थाना पुलिस हादसे के कारणों की पड़ताल कर रही है।

जानकारी के अनुसार, गुजरात के पंचमहाल (हालोल) निवासी जगदीश भाई का परिवार बाबा रामदेवरा के दर्शन करने के बाद कार में सवार होकर जैसलमेर घूमने जा रहा था। खेतोलाई गांव से करीब दो किलोमीटर पहले बच्चों को उल्टी होने की शिकायत हुई। उन्होंने कार को सड़क किनारे लगाया। उनकी कार हाईवे के किनारे खड़ी थी, तभी पीछे से आ रही एक तेज गति कार ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई।

हादसे के दौरान वहां से गुजर रही सेना की गाडी ने अपनी गाडी रोकी। मौके पर पहुंची भारतीय सेना के जवानों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को तुरंत पोकरण के राजकीय हॉस्पिटल पहुंचाया। हॉस्पिटल में डॉक्टरों की टीम ने 35 वर्षीय भावना बेन पत्नी जगदीश भाई को मृत घोषित कर दिया।

वहीं, हादसे में घायल तीन मासूमों कामिनी उर्फ सोनू (12) पुत्री मुकेश भाई,नेतिक (10)पुत्र जगदीश भाई जेविक (8)पुत्र जगदीश भाई का इलाज जारी है।

खड़ी कार को दूसरी कार ने हिन्दू सम्मेलन 17-18 को

सायला, (निसं)। आगामी 17 एवं 18 जनवरी को प्रस्तावित हिन्दू सम्मेलन की तैयारियाँ अंतिम चरण में पहुँच गई हैं। वहीं सम्मेलन में क्षेत्र के प्रख्यात संत-महात्माओं के पावन सानिध्य की पुष्टि के बाद धार्मिक उत्साह का वातावरण और प्रगाढ हो गया है।

आयोजन समिति के प्रतिनिधियों ने क्षेत्र के प्रमुख मठों व आश्रमों में पहुँचकर संतों से औपचारिक भेंट की और सम्मेलन में पहुंचने का आग्रह किया। इस क्रम में भांडवपुर के जैनाचार्य जयरत्नसूरी महाराज, गोल मठ के महंत आशाभारती महाराज, दुदेश्वर मठ सायला के सेवा भारती महाराज, केशवना मठ के दुर्गाराम महाराज, धनानी मठ के गोपाल भारती, वालेरा मठ के पारस भारती तथा मोकणी मठ के भोपाल भारती महाराज सहित अनेक संतों को निमंत्रण सौंपा गया। सभी संतों ने सम्मेलन के उद्देश्य की सराहना करते हुए आयोजन के प्रति शुभकामनाएँ व्यक्त की एवं कार्यक्रम में सानिध्य प्रदान करने की सहमति जताई। समिति पदाधिकारियों के अनुसार सम्मेलन में अन्य प्रतिष्ठित संतों के भी आने की संभावना है, जिनसे संपर्क जारी है।

आयोजन समिति ने बताया कि हिन्दू सम्मेलन का मूल उद्देश्य समाज में धर्म, संस्कृति और राष्ट्र भाव को सुदृढ करना तथा नई पीढी को भारतीय मूल्य एवं जीवनशैली से जोडना है। सम्मेलन के दौरान संतों के आशीर्वचन, प्रवचन, मार्गदर्शन एवं विचारों के माध्यम से आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक चेतना का व्यापक संदेश प्रसारित होगा। समिति सदस्यों के अनुसार सम्मेलन सामाजिक समरसता एवं संगठन की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा। हिन्दू सम्मेलन को लेकर सायला सहित आसपास के कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है। आयोजन समिति की ओर से गांवों, धार्मिक स्थलों, संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों से सहयोग की अपील की जा रही है। समिति ने बताया कि बड़ी संख्या में आमजन, युवा और महिला वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सम्मेलन स्थल पर मंच, बैठक व्यवस्था, अलंकरण, प्रकाश-ध्वनि व्यवस्था, सुरक्षा, पार्किंग, स्वागत व प्रबंध व्यवस्था आदि को लेकर तैयारियाँ जोरशोर से जारी हैं। टोलियों में शामिल युवा एवं स्वयंसेवक प्रशांत रावल, सुनील छीपा, दुष्यंत लखारा, चंपालाल छीपा, गौतम कुमार ने घर घर जाकर लोगो को आमंत्रित किया। घर-घर आमंत्रण पत्रक वितरित किए गए।

कार्यालय ग्राम पंचायत रामा पंचायत समिति आहोर

क्रमांक-130 दिनांक-14.01.2026

निविदा सूचना 04

ग्राम पचायत रामा के निम्नलिखित 01 कार्य हेतु राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियमो के तहत राज्य सरकार के अधिकृत संगठनो में श्रेणी के संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में मोहरबंद निविदाएं 14/01/2026 से 26/01/2026 को 4:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा संबधित अन्य शर्ते एवं विवरण पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN-ZJR2526WSOBO1150
NIB-ZJR252640719

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत रामा

कार्यालय नगर पालिका पीपाड़ शहर (जोधपुर) राज.

Tel.- (02930) 233036 e-mail:municipality.pipar@gmail.com

क्रमांक : न.पा.पी./2025-26/8743 दिनांक 07.01.2026

—: आपत्ति सूचना :—

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय मे निम्न आवेदनकर्ताओ ने मॉडल राजस्थान नगर पालिका पीपाड़ शहर भवन विनियम 2020 के तहत भवन निर्माण अनुमति हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी व्यक्ति/संस्था को उज्र एतराज हो तो सूचना प्रकाशन के सात दिवस मे अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेजो सहित पालिका मे कार्यालय समय के दौरान प्रस्तुत कर सकते है। बाद म्याद गुजरने पर उज्र एतराज पर कोई विचार नही किया जायेगा। सूचित रहे। आवेदित भूमि के नाप एंव पड़ौस निम्नानुसार है :—

क्र. सं.	आवेदक का नाम	निर्माण स्थान	क्षेत्रफल वर्गमीटर	उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम
1.	श्री कनवरसिंह डूडी पुत्र श्री सुखाराम डूडी जाति जाट निवासी ग्राम रतकुड़िया तह. पीपाड़ शहर	खसरा सं. 1134/1, 1134/2 व 1134/3 सिंधीपुरा	104.55	प्लॉट सं. 12	प्लॉट सं. 14	निकाल व रास्ता 30' फीट	प्लॉट नं. 18
2.	श्री सुभाषचंद सोनी पुत्र श्री ओमप्रकाश सोनी जाति सोनी निवासी मुंसिफ कोर्ट के पास, पीपाड़ शहर	खसरा सं. 2603 पीपाड़ शहर	90.14	प्लाट नं. 101	निकाल व रास्ता 20' फीट	प्लॉट नं. 67	प्लॉट नं. 69
3.	श्री शेषाराम पुत्र श्री लालूराम जाति माली निवासी पीपाड़ शहर	खसरा सं. 1162/1 पीपाड़ शहर	162.63	इसी खसरे की अन्य भूमि	पीपाड़ से साथीन जाने वाली सड़क	मेहराम पुत्र लालुराम	कोजाराम, ओमप्रकाश पुत्र हजारीराम का खरीदसुदा प्लॉट नं. 07
4.	श्रीमति सुमित्रा पत्नि श्री जीतू राम जाति जाट निवासी सेवर का बास रतकुड़िया	खसरा सं. 949 सिंधीपुरा	99.90	निकाल व रास्ता 20' फीट	शिवकाराम की कृषि भूमि	प्लॉट नं. 28	प्लॉट नं. 26
5.	जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक श्री संघ, पीपाड़ शहर	राता उपासरा के सामने काला भाटा, पीपाड़ शहर	184.06	रास्ता	रास्ता	स्थानक	आम रास्ता

राज.संवाद/सी/25/17634 अधिशाषी अधिकारी

OFFICE OF THE DY. CONSERVATOR OF FOREST, WILDLIFE, JAISALMER

NOTICE INVITING TENDER

Online Bids for works and services as per below NIT Number under Wildlife Division Jaisalmer are invited from interested bidders 12.01.2026 to 26.01.2026 Other particulars of the bid may be visited the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in and https://sppp.rajasthan.gov.in of the State. on

Tender ID	NIB Code	UBN No.
2026_FORES 527742_1	FOR2526A3477	FOR2526WSOB04840
2026_FORES 527748_1	FOR2526A3478	FOR2526WSOB04841
2026_FORES 527083_1	FOR2526A3422	FOR2526GLOB04711
2026_FORES 527615_1	FOR2526A3475	FOR2526 SLOB04837

Dy. Conservator of Forest
Wildlife Jaisalmer

जोधपुर, बीकानेर और नागौर में घी कारोबारी के यहां आयकर टीम का छापा

कार्रवाई में आयकर विभाग को क्या गड़बड़ी मिली है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है

जोधपुर/बीकानेर, (कासं)। जोधपुर के एक घी कारोबारियों के यहां आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा। जोधपुर में मालाणी डेयरी कारोबारी के पांच अलग-अलग ठिकानों पर कार्रवाई चल रही है। कार्रवाई व्यवसायी घनश्याम सोनी और उनसे जुड़ी फर्मों पर की जा रही है। इसमें मंडोर मंडी, न्यू पावर हाउस रोड, बोरानाडा इंडस्ट्रियल एरिया, शहर के भीतरी हिस्से में स्थित घर, शास्त्री नगर का बंगला शामिल है। कार्रवाई के दौरान किसी भी बाहरी व्यक्ति को अंदर जाने या अंदर से बाहर आने की अनुमति नहीं दी गई है। पुलिस को तैनात किया गया है। बताया जा रहा है कि विभाग को समूह की ओर से बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी और अघोषित आय के इनपुट मिले थे, जिसके आधार पर यह सर्च ऑपरेशन चलाया गया है।

■ बताया जा रहा है कि विभाग को समूह की ओर से बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी और अघोषित आय के इनपुट मिले थे, जिसके आधार पर यह सर्च ऑपरेशन चलाया गया है

विभागीय सूत्रों के अनुसार यूपी से आयकर इन्वेस्टिगेशन विंग की टीम बुधवार को फ्लाइट से जोधपुर पहुंची थी। यहां से टीम कार्रवाई के लिए पहुंची थी। नागौर और बीकानेर में भी कार्रवाई चल रही है। मालाणी ग्रुप जोधपुर सहित पश्चिमी राजस्थान में डेयरी उत्पादों, विशेषकर घी के थोक व्यापारी है। समूह के संबंध में ऑनलाइन उपलब्ध कंपनी डेटा के अनुसार, मालाणी डेयरी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों में घनश्याम सोनी के अलावा सुनीता सोनी, विनोद सोनी और विवेक सोनी शामिल है।

विभिन्न बिजनेस लिस्टिंग प्लेटफॉर्म पर कंपनी का टर्नओवर 500 करोड़ रुपए से अधिक बताया गया है, जो इसके बड़े पैमाने के कारोबार को दर्शाता है। कंपनी का रजिस्टर्ड ऑफिस गुलाब सागर क्षेत्र में है, जबकि गोदाम और कामकाज मंडोर मंडी और बासनी, बोरानाडा औद्योगिक क्षेत्रों से संचालित होता है। कार्रवाई की सूचना के बाद मंडोर मंडी और बोरानाडा औद्योगिक क्षेत्र के अन्य कारोबारियों में हड़कंप मच गया। फिलहाल विभाग की ओर से आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी साझा नहीं की गई है।

बीकानेर संवाददाता के अनुसार :- यहां इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने एक फर्म पर रेड की कार्रवाई की है। फर्म के यहां कोयला गली स्थित ऑफिस पर सुबह से इनकम टैक्स ऑफिसर रिकार्ड की छानबीन कर रहे हैं। बीकानेर में घी वितरक फर्म मोहनलाल आशीष कुमार के यहां आयकर विभाग ने रेड की है। कोयला गली में स्थित इस फर्म के ऑफिस में आयकर अधिकारी अकाउंट से संबंधित सभी रिकॉर्ड चेक किए जा रहे हैं। ये फर्म एक घी कंपनी के ब्रांड की वितरक है, जिसकी बीकानेर में बड़ी डिमांड है। कार्रवाई इस फर्म की हो रही है न कि संबंधित घी कंपनी की। फर्म मोहनलाल आशीष कुमार के जीएसटी बिलों को लेकर पहले भी सवाल उठ चुके हैं, जिसकी जांच अलग से चल रही है। सुबह जल्दी फर्म के ऑफिस पर आयकर विभाग के अधिकारी पहुंच गए थे। इसके बाद से फर्म संचालकों के अलावा किसी बाहरी व्यक्ति को न तो अंदर प्रवेश दिया और न किसी को बाहर जाने दिया। किसी तरह के कागज व सामान भी अंदर-बाहर नहीं किया। आयकर विभाग की रिपोर्ट पर कोटगेट पुलिस भी मौके पर है। पुलिसकर्मी किसी को अंदर आने जाने नहीं दे रहे हैं। इस कार्रवाई में आयकर विभाग को क्या गड़बड़ मिली है इस बारे में कोई अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है। आयकर विभाग के अधिकारी फिलहाल इस पर कुछ नहीं बोल रहे हैं।

ट्रेन की चपेट से युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत आतरसोबा गांव में रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान आंतरसोबा निवासी विजयपाल के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल आरपीएफ और बिछीवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची।

आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर पंकज कुमार ने बताया कि अहमदाबाद से कोटा जाने वाली असारवा-कोटा ट्रेन की चपेट में आने से आंतरसोबा और बिलपण गांव के बीच एक युवक की मौत की जानकारी मिली थी। पुलिस दल ने मौके पर पहुंचकर रेलवे ट्रैक पर पड़े शव को हटवाया। इस घटना के कारण असारवा-कोटा ट्रेन लगभग 15 मिनट तक ट्रैक पर रुकी रही, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। मृतक की पहचान होने के बाद परिजनों को सूचित किया गया। परिजनों ने पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया कि विजयपाल पिछले करीब 20 साल से मानसिक रूप से बीमार थे। उन्होंने शव का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। परिजनों के लिखित आग्रह पर पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई पूरी कर शव उन्हें सौंप दिया।

मादक पदार्थ सहित तीन गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। देवली मांझी पुलिस टीम ने चैकिंग के दौरान अवैध मादक पदार्थ गांजा सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि देवली मांझी थाने के थानाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने इलाके में बाइक सवार तीन जनों को रोककर तलाशी ली तो तलाशी के दौरान अवैध मादक पदार्थ 299 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस टीम ने एनडीपीएस एक्ट में गिरधरपुरा निवासी विष्णु, महावीर एवं दीनदयाल को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

राजस्थान सरकार
कार्यालय जिला रसद अधिकारी, जालोर
जिला उपभोक्ता संरक्षण अधिकारी
क्रमांक-रसद/लेखा/निविदा/2026 दिनांक-
NOTICE INVITING BID 03/2026
e-Bids For Selection Of Transporter For The Transportation Of Food grains under MDM From FCI Depots in District Jalore are invited From interested bidders up to 20.01.2026. other particulars of the bid may be visited on The Procurement Portal (http://eproc.rajasthan.gov.in or http:sppp.rajasthan.gov.in) of The State.
UNB FCC2526SLOB00189
NIB Code FCC2526A0154
(अलोक झरवाल)
जिला रसद अधिकारी
जिला उपभोक्ता अधिकारी
जिला उपभोक्ता संरक्षण अधिकारी
जालोर
DIPR/C/517/2026

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com,
Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749
क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2026-27/राजकाज 19859246 दिनांक :- 13/01/2026
ई-निविदा सूचना संख्या 50/2026-27
अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से विभिन्न कार्यो अनुमानित लागत राशि रु. 655.20 लाख की ई-निविदा क्रम संख्या (1-2) दिनांक 05.02.2026, क्रम संख्या (3-4) दिनांक 27.01.2026 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट (http://eproc.rajasthan.gov.in) एवं (http://sppp.raj.nic.in) http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।
UBN : AJD2526WSOB00243-44, AJD2526SLOB00245, AJD2526WSOB00246
राज.संवाद/सी/25/17650 अधिशाषी अभियन्ता

अजमेर के कांग्रेसियों ने जयपुर में सचिन पायलट से मुलाकात की

अजमेर, (कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट से जयपुर में अजमेर के कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी महेंद्र सिंह रलावता के नेतृत्व में मुलाकात की।

■ सचिन पायलट को मतदाता सूची में विशेष समुदाय के नाम कटवाने के षड्यंत्र की जानकारी दी

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट का अजमेर के कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

कांग्रेसियों ने एस आई आर अभियान में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सरकार द्वारा सत्ता का दुरुपयोग कर समुदाय विशेष के मतदाता सूची में से नाम कटवाने की साजिश की जानकारी दी। राष्ट्रीय महासचिव पायलट ने अजमेर के कांग्रेस पार्टी के सभी स्थानीय नेता, विधायकों, प्रत्याशियों, जिलाध्यक्ष और पदाधिकारियों से आव्हान किया है कि तुरंत जिला प्रशासन से संपर्क साधें, हर वोट की सख्त निगरानी करें और किसी भी वैध मत को कटने न दें।

वहीं कांग्रेसियों ने राष्ट्रीय महासचिव पायलट का साफा एवं माला पहनकर स्वागत किया एवं संगठात्मक रिपोर्ट दी। इस मौके पर अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी एवं पीसीसी मेंबर महेंद्र सिंह रलावता, पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया, अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष विजय जैन, मुकेश सिंह राठौड़ सहित बड़ी संख्या में अजमेर के कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

पाली : घर में बने टैंक में डूबी तीन साल की मासूम, मौत

पाली, (नि.सं.)। पाली के कोतवाली थाना क्षेत्र की दुर्गा कॉलोनी में बुधवार शाम एक दर्दनाक हादसे में 3 साल की मासूम बच्ची की घर में बने पानी के टैंक में डूबने से मौत हो गई। परिजन करीब चार घंटे तक बच्ची को मोहल्ले में ढूंढते रहे, सोशल मीडिया पर भी लापता होने का संदेश डाला गया, लेकिन अंत में बच्ची घर के टैंक में बेसुध हालत में मिली।

■ चार घंटे तक मोहल्ले में ढूंढते रहे परिजन, सोशल मीडिया पर भी संदेश डाला

कोतवाली थाना के जसवंत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि दुर्गा कॉलोनी निवासी निर्मल जीनगर की 3 वर्षीय बेटी तमन्ना (तनु) मकर संक्रांति के दिन घर के बाहर खेल रही थी। शाम करीब पांच बजे बच्ची नजर नहीं आई तो परिजनों ने आसपास तलाश शुरू की। रिश्तेदारों और परिचितों को फोन किए गए, पड़ोसियों से पूछताछ की गई, लेकिन बच्ची का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने सोशल मीडिया पर तनु की फोटो के साथ उसके लापता होने की सूचना साझा की। मोहल्ले के लोग भी बच्ची की तलाश में जुट गए। इसी दौरान घर में बने पानी के टैंक पर परिजनों की नजर गई, जहां बच्ची पानी में डूबी हुई मिली। उसे तुरंत पाली के बांगड़ अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार घटना के समय बच्ची के पिता निर्मल जीनगर, जो लोडिंग टैक्सी चलाते हैं, घर पर नहीं थे। मां रिंकू अपनी 1 साल की बेटी अंजली के साथ थी। खेलते-खेलते तमन्ना घर में बने टैंक तक पहुंच गई। टैंक का ढक्कन थोड़ा खुला हुआ था, जिसे बच्ची ने पूरी तरह खोल दिया और संतुलन बिगड़ने से टैंक में गिर गई।

बताया गया कि तलाश के दौरान एक बार टैंक में भी देखा गया था, लेकिन अंधेरा होने और बच्ची के पानी में डूब जाने के कारण वह नजर नहीं आई। करीब चार घंटे बाद दोबारा देखने पर बच्ची का शव टैंक में दिखाई दिया। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया है और मामले की जांच की जा रही है।

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
(पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबन्ध शाखा) नया पावर हाऊस परिसर, हैवी इंडस्ट्रीयल एरीया, जोधपुर-342003
ई-निविदा सूचना
ए.सी. डिजीटल टोंग टेस्टर तथा साईट टेस्टिंग के लिए टोंग टेस्टर TN 2113 (JVV2526GLOB00816) की खरीद हेतु ई-निविदा आंमत्रित की जाती हैं।
अन्य विवरण जैसे निविदा मुल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने / खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती हैं।
अधीक्षण अभियंता (पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबंध)
राज.संवाद/सी/25/17669
बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

राजस्थान ऊर्जा विकास एवं आईटी सर्विसेज लिमिटेड
(राजस्थान सरकार का उपक्रम), पंजि.कार्या. : विद्युत भवन, ज्योति नगर, जयपुर - 302005
निविदा आमंत्रण विज्ञप्ति
रा. ऊ. वि. एवं आईटी सर्विसेस लि. जयपुर द्वारा एन. आई. टी संख्या HR 10/2025-26 में यथा उल्लेखित नियमों / शर्तो/ तकनीकी विशिष्टता के अनुसार ईछुक निविदा दाता/ फ़र्म /एजन्सी से हायरिंग ऑफ मैनपावर सर्विस हेतु अलग अलग मोहरबंद लिफाफो मे निविदा आमंत्रित की जाती है। अधिक जानकारी के लिए कृपया www.sppp.rajasthan.gov.in तथा https://eproc.rajasthan.gov.in की वैबसाइट देखें। UBN-RUV2526SLOB00014
राज.संवाद/सी/25/17647 आरयूवीआईटीएल/पीआर- 112 (2026) उप निदेशक (मा. सां.)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

Rajasthan University of Veterinary and Animal Science (Jobner)
B2 Bypass & Shipra Path Red-Light Crossing, Mansarovar, Jaipur-302020 (Rajasthan)
No. :- F.3 ( )/RUVAS/Comp/Purch./2025-26/ Dated :-
"पशु खाद्य" की दर-अनुबंध पर आपूर्ति हेतु ई-टेंडर सूचना संख्या-02
योग्य एवं फसल काटने वालो / किसानों / निर्माताओं / वितरकों से "विभिन्न प्रकार की पशु खाद्य सामग्री" की दर-अनुबंध और आपूर्ति के लिए ई-टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं, जिसकी अनुमानित लागत 115.00 लाख रुपये है। टेंडर आवेदन 07-01-2026 से 28.01.2026 (शाम 5:00 बजे) तक जमा करने के लिए खुले रहेंगे और इसके बाद अगले दिन (29.01.2026) दोपहर 2:00 बजे से रुवास, (जोबनेर) जयपुर में टेंडर खोलने वाली समिति द्वारा बोलियां खोली जाएंगी। टेंडर के लिए विस्तृत नियम और शर्तें राज्य खरीद पोर्टल http://www.sppp.rajasthan.gov.in वेबसाइट, ई-प्रोक पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in/ और विश्वविद्यालय वेबसाइट https://ruvasjaipur.rajasthan.gov.in/ पर उपलब्ध हैं। फाइनेंस कम्पट्रोलर, रुवास, (जोबनेर) जयपुर को एक या अधिक टेंडर रद्द करने का अधिकार है। जो बोलियां अथवा टेंडर निर्धारित नियमों और शर्तों को पूरा नहीं करते हैं, या नियत तारीख के बाद जमा किए जाते हैं, उन्हें रद्द कर दिया जाएगा।
इस ई-टेंडर के लिए,UBN नंबर RVJ2526GLRC00013 है।
राज.संवाद/सी/25/17662 वित्त-नियंत्रक

श्रीगंगानगर में पारा 3.7 डिग्री दर्ज, फिर छाया कोहरा

श्रीगंगानगर, (निसं)। बीते दो दिनों से दिन में खिली धूप ने लोगों को कड़ाके की ठंड से कुछ राहत दी, लेकिन आज सुबह घने कोहरे ने एकबार फिर शहर को अपनी चपेट में ले लिया। कोहरे के विजिबिलिटी 2 मीटर के आस-पास रही, जिससे ट्रैफिक पूरी बाधित हो गया। ठंड के कारण बसों में यात्रियों की संख्या भी बहुत कम देखी गई। श्रीगंगानगर जिले में गुरुवार को घना कोहरा छाया रहा जिसके कारण विजिबिलिटी 2 मीटर के आस-पास रही।

■ विजिबिलिटी दो मीटर तक रही

मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर गुरुवार सुबह न्यूनतम तापमान 3.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम 3.6 डिग्री और अधिकतम 19.9 डिग्री, जबकि मंगलवार को न्यूनतम 1.4 डिग्री और अधिकतम 18.4 डिग्री दर्ज हुआ था। पिछले कई दिनों से न्यूनतम तापमान 3-4 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

कृषि अधिकारियों के अनुसार न्यूनतम तापमान 4 डिग्री से नीचे जाने पर रात में पाला जमने की आशंका बनी रहती है, जिससे फसलों को भारी नुकसान हो सकता है। किसान फसलों में सिंचाई करें और रात में खेतों के आस-पास अलग-अलग स्थानों पर धुआं करें ताकि तापमान स्थिर रहे और पाला न जमे। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा। इसके बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी होने की संभावना है, जिससे ठंड में कुछ राहत मिल सकती है।

कोटा में गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। नयापुरा पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन गरूड् व्यूह के तहत कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ एक किलो 24 ग्राम गांजा सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। नयापुरा थानाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि थाने के उप निरीक्षक नवल किशोर शर्मा ने मय जाप्ता इलाके में गश्त के दौरान उम्मेद सिंह स्टेडियम के समीप एक जने पर संदेह होने पर उसको डिटेन कर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से एक किलो 24 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया। पुलिस टीम ने मौके पर सीसवाली निवासी कुलदीप सुमन उर्फ केडी को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

बेटी की शादी के दिन की थी पिता की हत्या, पांच आरोपियों को उम्रकैद

अलवर, (निसं)। अलवर के एडीजे कोर्ट संख्या-3 ने चार साल पुराने हत्या मामले में पांच आरोपियों को दोषी माना है। कोर्ट ने अभियुक्तों को आजीवन कारावास एवं 20-20 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया गया है। एडीजे कोर्ट की न्यायाधीश ज्योति सोनी ने यह फैसला गुरुवार को सुनाया। अभियुक्तों ने एक्सीडेंट का बदला लेने के लिए पीड़ित पर हमला किया था। इस पर उसकी मौके पर मौत हो गई थी। हादसे के दिन उनकी बेटी की शादी थी।

सरकारी वकील अजीत यादव ने बताया कि परिवादी सुब्बी ने 3 मार्च 2022 को थाना नौगांवा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार 2 मार्च 2022 को उसके बड़े भाई भबल (50) का दामाद गफ्फार गांव नंगला भूरिया से रसगण आ रहा था। इसी दौरान आरोपी हनीफ की नवासी अचानक बाइक के आगे आ गई, जिससे बाइक गिर गई। हालांकि बच्ची को कोई चोट नहीं आई, लेकिन इसके बावजूद आरोपियों ने गफ्फार के साथ मारपीट की। सरकारी वकील अजीत यादव ने बताया कि 3 मार्च 2022 को परिवादी के घर में बेटी का शादी समारोह था। उसी दिन परिवार के कुछ लोग नौगांवा कस्बे से लकड़ी के गुटखे लेने जा रहे थे। रास्ते में आरोपी हनीफ (50), जुहरु (55), हासम (40), माजिद और साजिद ने अपने गांव के पास उन्हें रोककर मारपीट शुरू कर दी। जब भबल और अन्य लोग बीच-बचाव करने पहुंचे तो आरोपियों ने भबल के सिर पर फरसी और लाठी-डंडों से हमला कर दिया था। गंभीर चोट लगने से भबल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब चार अन्य लोग घायल हो गए थे।

■ अभियुक्तों ने एक्सीडेंट का बदला लेने के लिए पीड़ित पर हमला किया था

सरकारी वकील ने बताया कि पुलिस ने मामले में आरोपियों को गिरफ्तार कर जांच पूरी की। अभियोजन पक्ष की ओर से कोर्ट में 22 गवाह और 51 दस्तावेज पेश किए गए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने पांचों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

कोर्ट के आदेश की पालना नहीं करने पर डीडवाना तहसीलदार की गाड़ी कुर्क

वक्फ कमेटी बनाम राज्य सरकार के मामले में कार्रवाई की, इससे पहले एसडीएम की गाड़ी भी हुई थी कुर्क

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना में वक्फ से जुड़े एक ओर मामले में आठ साल बाद भी कोर्ट के आदेश की पालना नहीं करने पर अपर जिला न्यायाधीश के आदेश पर बड़ी कार्रवाई करते हुए तहसीलदार डीडवाना की सरकारी गाड़ी को कुर्क कर दिया गया। इस दौरान कोर्ट के आदेश पर एडीजे न्यायालय के नाजिर ने पुलिस की मौजूदगी में तहसीलदार की गाड़ी को कुर्क वारंट आदेश 21 नियम 32 के तहत की कुर्क कर लिया और उसे अपने कब्जे में लेकर पुलिस थाना में खड़ा कर दिया गया। इसके बाद अब जिला कलैक्टर की गाड़ी भी कुर्क की जाएगी, जिसके लिए भी कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है।

जानकारी के अनुसार अपर सेशन न्यायाधीश राजेश कुमार गजरा ने वक्फ कमेटी डीडवाना बनाम राज्य सरकार के मामले में दायर इजराय याचिका पर सुनवाई करते हुए डीडवाना जिला कलैक्टर और तहसीलदार के वाहनों को कुर्क करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने इस मामले में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा 8 सालों से बार बार जारी कोर्ट के आदेशों की पालना नहीं करने को कोर्ट की अवमानना का दोषी मानते हुए दोनों अधिकारियों की गाड़ियों को कुर्क करने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने अपने फैसले में जिला कलैक्टर और तहसीलदार को ही लापरवाह अधिकारी बताया। कोर्ट ने कहा कि न्यायालय में 8 सालों से लंबित प्रकरण में बार-बार आदेश जारी होने के पश्चात भी प्रशासनिक अधिकारी केवल खानापूर्ति कर अगली तारीख प्राप्त कर मामले को लंबित रखने का प्रयास कर रहे हैं और अपने कर्तव्य से विमुख हो रहे हैं। यह अधिकारी जान बुझाकर कोर्ट के आदेशों की पालना नहीं कर रहे हैं। ऐसे में प्रशासन के इन लापरवाह अधिकारियों को न्यायालय के आदेश न मानने की खुली छूट नहीं दी जा सकती।

पुलिस की मौजूदगी में गाड़ी को कुर्क कर थाने में खड़ा कराया।

गौरतलब है कि राजस्थान वक्फ न्यायाधिकरण जयपुर ने सिविल वाद संख्या 42/2003 में 20 जून 2016 को फैसला सुनाते हुए यह आदेश दिया था कि गजट नोटिफिकेशन में डीडवाना में वर्णित भूमि कब्रिस्तान की वक्फ जायदाद है तथा गजट नोटिफिकेशन के अनुसार जिला कलैक्टर, उपखंड अधिकारी व तहसीलदार इस कब्रिस्तान की भूमि को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करें तथा कब्रिस्तान की भूमि में किसी प्रकार की तब्दील करने व उसको किसी को अंतरण करने के लिए वह शाश्वत कल तक विरत रहेंगे। उक्त निर्णय की पालना के लिए अपर जिला न्यायाधीश की अदालत में वर्ष 2016 में इजराय याचिका दायर की गई थी।

■ कोर्ट ने अपने आदेश में लिखा कि यह प्रकरण भी 8 सालों से लंबित है और बार-बार आदेश जारी होने के पश्चात भी प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा

इस याचिका के बाद न्यायालय ने राजस्थान वक्फ न्यायाधिकरण के निर्णय की पालना के लिए उपखंड अधिकारी, जिला कलैक्टर व तहसीलदार को बार-बार पत्र लिखे, वही 15 सितंबर 2025 को जिला कलैक्टर डीडवाना-कुचामन को उक्त आदेश की क्रियान्विति के लिए हुक्मनामा भी जारी किया गया था। इसके बावजूद डीडवाना-कुचामन प्रशासन की ओर से इजराय की पालना में कोई कार्य नहीं किया गया। कोर्ट ने अपने आदेश में लिखा कि यह प्रकरण भी 8 सालों से लंबित है और बार-बार आदेश जारी होने के पश्चात भी प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। इस पर कोर्ट ने इस मामले में जारी हुकुमनामों की पालना न करने को अवमानना की श्रेणी में मानते हुए धारा 51 सीपीसी सपठित आदेश 21 नियम 32 के तहत डिक्री की पालना के लिए जिला कलैक्टर डीडवाना-कुचामन और तहसीलदार डीडवाना के वाहनों को कुर्क करने का आदेश दिया। जिसके बाद तहसीलदार को गाड़ी को कुर्क कर लिया गया।

बुजुर्ग महिला का शव सुजानगंगा नहर में मिला

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के मथुरा गेट थाना इलाके में एक महिला का शव सुजानगंगा नहर में पड़ा हुआ मिला। स्थानीय लोगों ने शव को देखा तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर सिविल डिफेंस की टीम को बुलाया गया। टीम ने शव को बाहर निकाला। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

मथुरा गेट थाने के चौबुर्जा चौकी में तैनात एएसआई नरेंद्र कुमार ने बताया कि स्थानीय लोगों द्वारा सूचना मिली थी कि केतन गेट स्थित सुजान गंगा नहर में एक शव पड़ा हुआ है। जिसके बाद तुरंत टीम मौके पर पहुंची। शव को निकालने के लिए सिविल डिफेन्स की टीम को बुलाया गया। शव को सिविल डिफेंस के जवानों ने बाहर निकाला। शव को निकालने के बाद आसपास पूछताछ की गई लेकिन, शव की शिनाख्त नहीं हुई। मृतक महिला की उम्र लगभग 60 साल है। बाल सफ़ेद रंग के हैं। शव को आरबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया गया है। शव के शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। शिनाख्त होने के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

■ शिनाख्त होने के बाद शव का पोस्टमार्टम होगा

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
प्रभास्मि शशि सूर्ययोः
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (एम.एम.-प्रथम),
पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर, टेलीफैक्स: 0141-2208098
निविदा सूचना
एच टी एक्स एल पी ई केबल (33 KV, 3Cx300 Sq. mm) (निविदा संख्या-5027) (UBN-VVN2526GLOB00756), एच टी एक्स एल पी ई केबल (11 KV, 3Cx185 Sq. mm, 11 KV, 3Cx120 Sq. mm.) (निविदा संख्या-5028) (UBN-VVN2526GLOB00757), 4 कोर एलटी एक्स एल पी ई आरमर्ड केबल (4Cx185 Sq. mm., 4Cx120 Sq. mm.) (निविदा संख्या-5029) (UBN-VVN2526GLOB00758), एल टी एक्स एल पी ई इंसुलेटेड एरियल बन्च्ड केबल, बेयर मेसेन्जर वायर के साथ (1Cx25+25 Sq.mm) (निविदा संख्या- 5030) (UBN- VVN2526GLOB00760), एल टी एक्स एल पी ई इंसुलेटेड एरियल बन्च्ड केबल विद बेयर मेसेन्जर वायर (3Cx25+25 Sq.mm, 3Cx50+25 Sq.mm) (निविदा संख्या-5031) (UBN- VVN2526GLOB00762), 4 कोर एलटी पीवीसी आरमर्ड केबल (4Cx50, 4Cx25, 4Cx16, 4Cx10, 4Cx6 Sq. mm) (निविदा संख्या-5032) (UBN- VVN2526GLOB00764), 2 कोर एलटी पीवीसी आरमर्ड केबल (2Cx4 Sq.mm) (निविदा संख्या-5033) (UBN- VVN2526GLOB00765), ए सी एस आर डॉग कंडक्टर (निविदा संख्या-5034) (UBN- VVN2526GLOB00767), ए सी एस आर रैबिट कंडक्टर (निविदा संख्या-5035) (UBN- VVN2526GLOB00769), स्टे वायर (7/10, 7/8 SWG) (निविदा संख्या-5036) (UBN- VVN2526GLOB00770), सुरक्षा हेलमेट बिना एल ई डी लाइट (निविदा संख्या-5037) (UBN- VVN2526GLOB00773), रबर दस्ताने (निविदा संख्या-5038) (UBN-VVN2526GLOB00774), 9 मीटर 400 किग्रा पीसीसी पोल (निविदा संख्या-5039) (UBN-VVN2526GLOB00776), 9 मीटर 200 किग्रा पीसीसी पोल (निविदा संख्या-5040) (UBN-VVN2526GLOB00777), एमएस बोल्ट्स व नट्स साइज ('08"x5/8' '06"x5/8' '04"x5/8' '2.5"x5/8') (निविदा संख्या-5041) (UBN- VVN2526GLOB00778), फैब्रीकेटेड स्टील आइटम (नान वेल्डेड) 11/0.4 केवी ट्रॉन्सफार्मर सब स्टेशन स्ट्रक्चर ओन डीपीए 1.4 मीटर लम्बे एमएस चैनल मय क्लैम्प (निविदा संख्या-5042) (UBN- VVN2526GLOB00779), फैब्रीकेटेड स्टील आइटम (नान वेल्डेड) 33 केवी लाइन डी. पी., 1.8 मीटर लम्बे एमएस चैनल मय क्लैम्प, 33/11 केवी सब स्टेशन स्ट्रक्चर (रूरल), एरिया के लिये, 9 मीटर 400 और 200 किग्रा पीसीसी पोल के लिये स्टे क्लैम्प (निविदा संख्या-5043) (UBN- VVN2526GLOB00780), फैब्रीकेटेड स्टील आइटम (वेल्डेड) 33 केवी क्रॉस आर्म्स मय क्लैम्प (एंगल) व टॉप हैम्पर, 11 केवी क्रॉस आर्म्स (65x65x6) मय क्लैम्प (एंगल) व टॉप हैम्पर, 11 केवी टॉप हैम्पर बिना क्लैम्प, एलटी क्रॉस ब्रैकेट 4' लम्बे एवं 2' लम्बे, (निविदा संख्या-5044) (UBN- VVN2526GLOB00781), गैलवेनाईज्ड एम एस रोड टाईप अर्थिंग सैट (मय क्लैम्प और जी. आई. वायर) तीन/एक फेज ट्रॉन्सफार्मर के लिये (निविदा संख्या-5045) (UBN- VVN2526GLOB00782), एम एस फ्लैट (50x6 mm)ए एम एस चैनल (100x50x6 mm), एम एस एंगल (50x50x6 mm) एवं एम एस एंगल (65x65x6 mm) (निविदा संख्या-5046) (UBN- VVN2526GLOB00783), प्राथमिक उपचार पेटी (निविदा संख्या-5047) (UBN- VVN2526GLOB00784), लकड़ी की सीढ़ी (22 फीट) (निविदा संख्या-5048) (UBN- VVN2526GLOB00785), सेफ्टी बैल्ट (निविदा संख्या- 5049) (UBN-VVN2526GLOB00786), 33 केवी लैटिस स्ट्रक्चर (42' लम्बे), 33 केवी लैटिस स्ट्रक्चर (36' लम्बे) एवं 33/11 केवी सब स्टेशन स्ट्रक्चर अरबन एरिया के लिये (निविदा संख्या-5050) (UBN- VVN2526GLOB00787), 33 केवी एवं 11 केवी केबल टर्मीनेशन एवं जोईंटिंग किट (निविदा संख्या-5051) (UBN- VVN2526GLOB00759), 33 केवी जी आई पिन (निविदा संख्या-5052) (UBN- VVN2526GLOB00761), 11 केवी जी आई पिन (निविदा संख्या-5053) (UBN- VVN2526GLOB00763), जी एस स्टे सैट (20x2400 mm) एवं (16x1800 mm) (निविदा संख्या-5054) (UBN- VVN2526GLOB00766), एलुमीनीयम लग्स (185 Sq. mm.] 120 Sq. mm एवं 95 Sq. mm) (निविदा संख्या-5055) (UBN- VVN2526GSOB00768), शैकल हार्डवेयर (निविदा संख्या-5056) (UBN- VVN2526GLOB00771), 45 के एन टी एण्ड सी टाइप डिस्क इन्सुलेटर के लिय हार्डवेयर फिटिंग्स (निविदा संख्या-5057) (UBN-VVN2526GLOB00772), एबी केबल एसेसरीज (एन एफ सी टाईप) सस्पेन्षन क्लैम्प असैम्बली, डैड एंड क्लैम्प असैम्बली एवं इंसुलेशन पियर्सिंग कनैक्टर टाईप-ए (निविदा संख्या-5058) (UBN- VVN2526GLOB00775), 33 केवी पिन इंसुलेटर (पोर्सलीन) (निविदा संख्या-5059) (UBN- VVN2526GLOB00788), 33 केवी 800 एम्पीयर एवं 11 केवी 400 एम्पीयर आईसोलेटर बिना ईबी मय पोस्ट इंसुलेटर (निविदा संख्या-5060) (UBN- VVN2526GLOB00789), 11 केवी रोस्टर स्विच मय पोस्ट इन्सुलेटर (निविदा संख्या-5061) (UBN- VVN2526GLOB00790), 11 के वी 45 के एन टी एण्ड सी टाइप डिस्क इन्सुलेटर (पोर्सलीन) (निविदा संख्या-5062) (UBN-VVN2526GLOB00791), 11 केवी पिन इंसुलेटर (पोर्सलीन) (निविदा संख्या-5063) (UBN-VVN2526GLOB00792), 33 केवी एवं 11 केवी स्टे इंसुलेटर एवं एल टी शैकल इंसुलेटर (निविदा संख्या-5064) (UBN- VVN2526GLOB00793), 11 केवी पिन इंसुलेटर (पोलीमर) (निविदा संख्या-5065) (UBN- VVN2526GLOB00794), 45 के एन टी एण्ड सी टाइप टाइप डिस्क इन्सुलेटर (पोलीमर) (निविदा संख्या-5066) (UBN- VVN2526GLOB00797), 11 केवी हॉर्न गैप फ्यूज सैट पोस्ट इंसुलेटर के साथ (निविदा संख्या-5067) (UBN-VVN2526GLOB00799), पैन्थर कंडक्टर, डॉग कंडक्टर एवं रैबिट कंडक्टर के लिए पीजी क्लैम्प (निविदा संख्या-5068) (UBN- VVN2526GLOB00800), 33 केवी एवं 11 केवी आईसोलेटर के फिक्स्ड कॉन्टेक्ट (जॉ) एवं मुविंग कॉन्टेक्ट (पाइप) (निविदा संख्या-5069) (UBN- VVN2526GLOB00801) की खरीद हेतु 'ई-प्रोक्योरमेंट' प्रणाली के अन्तर्गत निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के बारे में अन्य विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl द्वारा जाने जा सकते हैं। भविष्य में निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन / तिथि बढ़ाने की जानकारी केवल वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl पर उपलब्ध कराई जाएगी।
राज.संवाद/सी/25/17645 जेपीआर - 3110 (2026) अधीक्षण अभियन्ता (एम.एम. प्रथम)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

'हमारी सरकार प्रदेश के साहित्य तथा सांस्कृतिक विरासत को संजोने के लिए प्रतिबद्ध'

मुख्यमंत्री ने की सभी से साहित्य को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे देश की संस्कृति एवं साहित्य अद्भुत है। यहां वृक्षों, पेड़ों, पहाड़ों और नदियों को पूजा जाता है। हमें अपनी इस सांस्कृतिक विरासत को संजोते हुए आगे बढ़ना है, ताकि आगामी पीढ़ी इससे प्रेरणा ले तथा गर्व की अनुभूति करे।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के विकास के साथ-साथ अपनी संस्कृति और साहित्य के विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी से साहित्य को जीवन का हिस्सा बनाने की भी अपील की।शर्मा गुरुवार को जयपुर में आयोजित जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरती सदियों से ज्ञान, कला और संस्कृति की संवाहक रही है। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल विचारों का उत्सव एवं महासागर है। यह आयोजन साहित्य के साथ राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर को और अधिक उजागर करने में मददगार साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान साहित्य, संगीत और कला की पुण्य भूमि है। यहां आमेर के किले से लेकर हवा महल तक हर विरासत में संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। पृथ्वीराज रासो राजस्थान की वीरगाथात्मक संस्कृति का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मीरा की भक्ति, ढोला-मारू की कहानियां आज भी करोड़ों हृदयों को स्पर्श करती है। विजयदान देथा, कन्हैयालाल सेठिया, कोमल कोठारी जैसे साहित्यकार राजस्थान की साहित्यिक और सांस्कृतिक चेतना की मशाल हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरा भक्ति और शक्ति की धरा है। महाराणा प्रताप, पन्नाधाय, अमृता देवी जैसे शूरवीरों ने अपने त्याग, बलिदान और समर्पण से प्रदेश की मिट्टी को गौरवान्वित किया है।

शर्मा ने कहा कि किताबें जीवन को समझने का नया दृष्टिकोण देती हैं। साथ ही साहित्य मनुष्य को संवेदना और करुणा से जोड़कर चिंतनशील और विनम्र बनाता है। हमारे पूर्वजों ने ज्ञान, विज्ञान, अनुसंधान और जनकल्याण के ग्रंथ श्लोक में लिखे और इस ज्ञान को साहित्य के द्वारा लोगों तक पहुंचाकर लोकप्रिय बनाया। उन्होंने कहा कि मुगल आक्रांताओं के विरुद्ध वीरों को प्रेरित करने, आजादी के आंदोलन में सेनानियों में जोश भरने, आपातकाल के दिनों में तानाशाही शासन को चुनौती देने से लेकर युद्ध में सेना का हौसला बढ़ाने तक हर समय साहित्य ने राष्ट्रनिर्माण का कार्य किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेम चंद बैरवा, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, जेएलएफ डायरेक्टर नमिता गोखले, विलियम डेलरिंपल, टीमवर्क आर्ट्स के एमडी संजय रॉय सहित ख्यातनाम लेखक, साहित्यकार एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

- **इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेम चंद बैरवा, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार, जेएलएफ डायरेक्टर नमिता , उपस्थित रहे**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर में आयोजित लिटरेचर फेस्टिवल के उद्घाटन सत्र में शामिल हुए।

शराब की बोतलों पर सचित्र चेतावनी क्यों नहीं : हाईकोर्ट

'उपभोक्ताओं में कैंसर को लेकर जागरूकता फैल सके'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में बेची जा रही शराब की बोतलों पर कैंसर की स्पष्ट और सचित्र वैधानिक चेतावनी नहीं करने पर स्वास्थ्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय मंत्रालय, मुख्य सचिव, प्रमुख आबकारी सचिव, एफएसएसएआई और आबकारी आयुक्त से जवाब तलब किया है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश अवनीन्द्र मिश्रा की जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

जनहित याचिका में बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत मादक पदार्थों के लेबल पर अंग्रेजी भाषा में वैधानिक चेतावनी प्रकाशित करने का प्रावधान किया गया है। वहीं एम्स, दिल्ली के तीन वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सकों ने भी अपनी रिपोर्ट में माना है कि मादक पदार्थों के कैंसर की वैधानिक चेतावनी का प्रकाशन किया जाना चाहिए। इसके बावजूद शराब की बोतलों पर कोई स्पष्ट और प्रभावी वैधानिक चेतावनी प्रकाशित नहीं की जाती। याचिका में यह भी कहा गया कि अधिकांश शराब पीने वाले लोग निरक्षर या बहुत कम पढे-लिखे होते हैं। ऐसे में शराब की बोतल पर स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी सचित्र और स्थानीय भाषा में होनी चाहिए। इसके अभाव में शराब का उपभोग करने वालों को यह जानकारी ही नहीं मिल पाती कि इसे पीने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी भी हो सकती है। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता ने संबंधित अधिकारियों को अभ्यावेदन देकर शराब की पैकेजिंग पर सचित्र और स्थानीय भाषा में वैधानिक चेतावनी प्रकाशित करने की गुहार की, जिससे इसके उपभोक्ताओं में कैंसर को लेकर जागरूकता फैल सके और स्वास्थ्य संबंधी खतरा कम हो सके। इसके बावजूद भी अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

- **शराब की बोतलों पर कैंसर की स्पष्ट और सचित्र वैधानिक चेतावनी नहीं करने परजवाब तलब किया**

पेड काटना गंभीर, दोषी अधिकारियों पर एक लाख रुपए का हर्जाना

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पंचायत भवन बनाने के लिए बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति और तय संख्या से कई गुणा पेड़ काटने को गंभीर माना है। इसके साथ ही अदालत ने दौसा जिले के सिकराय के तत्कालीन एसडीएम सहित अन्य दोषी अफसरों पर एक लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश विमला देवी की जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि सार्वजनिक उपयोग के लिए भवन निर्माण जरूरी हो सकता है, लेकिन इको सिस्टम को बनाए रखने के लिए मौजूदों पेडों की रक्षा करना भी उतना ही जरूरी है। भवन निर्माण योजना इस तरह बनाई जानी चाहिए की वृक्षों को कोई नुकसान नहीं पहुंचे।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि जनहित याचिका दायर होने के बाद वर्तमान एसडीएम ने नए पौधे लगाए हैं। जनहित याचिका में अधिवक्ता आरके शर्मा ने बताया कि ग्राम पंचायत पाटन का भवन बनाने के लिए तत्कालीन स्थानीय एसडीएम ने बिना अधिकार पेड़ काटने की अनुमति दे दी। एसडीएम ने 17 बडे और 8 छोटे पेड़ काटने की अनुमति दी थी, लेकिन प्रशासन ने करीब 150 पेड़ काट दिए। वहीं राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र पेश कर कहा गया कि पंचायत भवन के निर्माण के लिए पेड़ों की कटाई के बदले अलग से भूमि चिन्हित कर वहां करीब पांच सौ पेड़ लगाए गए हैं।

इस पर अदालत ने कहा कि सरकार के शपथ पत्र में केवल 25 पेड काटने की बात कही है, लेकिन पेश किए गए दस्तावेजों से साबित है कि यह क्षेत्र घने वृक्षों से भरा हुआ था, जिन्हें अवैध रूप से काटा गया है।

वहीं संबंधित एसडीएम ने वृक्षों की कटाई के लिए किसी भी प्राधिकरण से कोई अनुमति नहीं ली है।

- **अदालत ने दौसा जिले के सिकराय के तत्कालीन एसडीएम सहित अन्य दोषी अफसरों पर एक लाख रुपए का हर्जाना लगाया**

जयपुर सेंट्रल जेल में बंदियों के बीच झगड़ा, दो जेल प्रहरी घायल

जयपुर। जयपुर सेंट्रल जेल में बंदियों के बीच आपसी विवाद भड़क गया। जिसमें दोनों गुटों के बीच धक्का-मुक्की हुई और बीच-बचाव करने पर दो जेल प्रहरियों के घायल होने की खबर सामने आई है। इस संबंध में थाने में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

लालकोठी थानाधिकारी प्रकाश राम विश्नोई ने बताया कि जेल में बंदियों को बाहर निकालकर गिनती की जा रही थी। इसी दौरान हाथ लगाने को लेकर विचाराधीन और सजायाफ्ता बंदियों में विवाद बढ़ गया और मारपीट तक पहुंच गया। घटना के समय दो जेल प्रहरी बीच-बचाव करने पहुंचे, लेकिन उन्हें भी चोटें आई। थाने में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। जहां विचाराधीन बंदी संतोष उर्फ बच्चा नागल ने दंडित बंदी हरिशंकर और विष्णु के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। संतोष ने आरोप लगाया कि पिछले करीब पन्द्रह दिन से ये बंदी जेल प्रहरियों की मदद के बहाने उसके साथ गलत व्यवहार कर रहे थे। सुबह गिनती के दौरान दंडित बंदी हरिशंकर ने उसे गेट से बाहर निकालकर धक्का दिया, जिससे झगड़ा शुरू हुआ।

सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर निगम का बड़ा प्रहार, 1.32 लाख का कैरिंग चार्ज वसूला

जयपुर। नगर निगम की स्वास्थ्य शाखा ने नगर निगम आयुक्त डॉ गौरव सैनी के निर्देश पर अतिरिक्त आयुक्त प्रवीण कुमार के नेतृत्व में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ बड़ी और सख्त कार्रवाई की गई। इस अभियान में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, जयपुर एवं नगर निगम जयपुर के चालान प्रकोष्ठ (स्वास्थ्य शाखा) की संयुक्त टीम शामिल रही।संयुक्त कार्रवाई के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण कर प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग, भंडारण एवं वितरण में लिप्त प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई। मौके से करीब 150 किलोग्राम प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक जब्त किया गया। कार्रवाई के तहत नियमों का उल्लंघन करने वालों से कैरिंग चार्ज की राशि 1,32,100 रुपये (एक लाख बत्तीस हजार एक सौ रुपये) वसूल की गई।अतिरिक्त आयुक्त प्रवीण कुमार ने स्पष्ट किया कि सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है और इसके खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने व्यापारियों और आम नागरिकों से प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने की अपील की। नगर निगम जयपुर ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

- **150 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त, प्रदूषण फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई**

चोरी की बाइक के साथ आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। चाकसू थाना पुलिस ने वाहन चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए चोरी की मोटरसाइकिल सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से बाइक जब्त कर अन्य वाहन चोरी की वारदातों के संबंध में पूछताछ शुरू कर दी है। उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि चाकसू इलाके में बजाज शोरूम के पास से 31 दिसंबर 2025 को एक अज्ञात बदमाश ने मोटरसाइकिल चोरी कर ली थी। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विशेष टीम के गठन के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राजेंद्र उर्फ गोलू सैनी (22) निवासी निवाई जिला को गिरफ्तार किया।

'पतंजलि में गुणवत्ता व मानकों का शीर्ष प्राधिकरण'

हरिद्वार/जयपुर। पतंजलि विश्वविद्यालय और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के तत्वावधान में, अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से अमेरिका की शैक्षिणक शाखा ग्लोबल नॉलेज फाउंडेशन, निदेशक, भारतीय मानक ब्यूरो, देहरादून और यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड ईस्टर्न शोर के बिजनेस, मैनेजमेंट और अकाउंटिंग विभाग की संयुक्त पहल में 'स्वास्थ्य सेवा और प्रबंधन में स्मार्ट तकनीकों के एकीकरण' पर त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 15-17 जनवरी को पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन एवं विश्वविद्यालय के सहयोग से सभागार में आयोजित की गई। संगोष्ठी का आयोजन स्मार्ट तकनीकों के एकीकरण के माध्यम से प्रौद्योगिकी-प्रेरित, दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रबंधन को बढ़ावा देने और वैश्विक स्तर पर जन-स्वास्थ्य सुधार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया।

पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी ने अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न देकर किया। शुभारंभ दीप प्रज्वलन, धन्वंतरि वंदना और चंद्रमोहन व उनकी टीम के समूहगान से हुआ।

कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन कुलपति प्रो. मयंक कुमार अग्रवाल ने दिया, तत्पश्चात आचार्य एवं अतिथियों ने सार पुस्तक का लोकार्पण किया।

अपने प्रेरक संबोधन में डॉ. देव शर्मा ने कबीर के दोहे के माध्यम से सेवा और लोककल्याण पर जोर दिया, डिजिटल स्वास्थ्य प्रबंधन, साइबर सुरक्षा और एआई-सहायित स्मार्ट प्रणालियों के माध्यम से सुरक्षित, प्रभावी और उन्नत चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता रेखांकित की। कार्यक्रम में आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा ने कहा कि 'सहस्त्र चंद्र दर्शन' भारतीय सनातन परंपरा में दीर्घायु, स्वस्थ और ज्ञानपूर्ण जीवन के उत्सव का प्रतीक है, जिसका सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व अत्यंत गहरा है। उन्होंने बताया कि सनातन के मूल सिद्धांत खेती और किसान के जीवन में रचे-बसे हैं, जहाँ प्राकृतिक कृषि, पंचमहाभूतों के सम्मान और प्रकृति से सामंजस्य के माध्यम से सुखी एवं संतुलित जीवन का संदेश निहित है। आज सनातन संस्कृति का गौरव वैश्विक स्तर पर स्थापित हो रहा है। उन्होंने भूमंडलीकरण की अवधारणा पर चर्चा करते हुए कहा कि आधुनिक एआई जीवन के हर पहलू को प्रभावित करता है, पर नैतिकता आवश्यक है। उन्होंने सिंक्रोना सिटी, नवाचार, स्टार्टअप्स और पतंजलि द्वारा भारतीय ज्ञान और सनातन मूल्यों के संरक्षण पर भी बल दिया।

अपने प्रेरक संबोधन में पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी ने कहा कि इससे विश्व के देश आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से एक-दूसरे से जुड़े हैं, जिससे विश्व 'वैश्विक गांव' बन रहा है। इस संदर्भ में 'वसुधैव कुटुंबकम्' का सिद्धांत वैश्विक एकता, साझा उत्तरदायित्व और सामूहिक समाधान की भावना को सुदृढ़ करता है।

- **सनातन संस्कृति का गौरव वैश्विक स्तर पर स्थापितः श्रद्धेय आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण**

'स्वास्थ्य सेवा और प्रबंधन में स्मार्ट तकनीकों के एकीकरण' पर त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित हुई।

वसुन्धरा राजे ने 'आशीर्वाद पदयात्रा' को हरीझंडी दिखाकर रवाना किया

झालावाड़। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा है कि जब वे सांसद थी,तब पदयात्रा करती थी।पावों में छाले पड़ जाते तो उन्हे पिन से फोड़ कर आगे बढ़ जाती।उन्होंने कहा 'मैं चलती रही उम्रभर दुआओं के साथ,पांव के छाले कभी मेरी राहें नहीं रोक पाए।' वे उन्हेल में सांसद दुष्यंत सिंह की 'आशीर्वाद पदयात्रा' को हरीझंडी दिखाकर रवाना कर रही थी। उन्होंने कहा कि यह पदयात्रा' इस क्षेत्र की उन्नित,विकास और आपके विश्वास की यात्रा है।ज्यादातर नेता चुनाव के समय आते हैं और चुनाव जीत कर चले जाते हैं।पूरे पाँच साल एसी में रहते हैं।पर हम ऐसा नहीं करते।हम हमारे क्षेत्र को परिवार मानते हैं।हम क्षेत्र के लोगों को मतदाता नहीं,भाग्य निर्माता मानते हैं। राजे ने कहा आपके सांसद दुष्यंत सिंह हमेशा जनता के बीच रहते हैं।सब जगह पहुँचने की कोशिश करते हैं।

उन्होंने कहा यह यात्रा राजनीतिक यात्रा नहीं,यह यात्रा अपनों की,अपनों के लिए अपनों के द्वारा यात्रा है।जन-जन से जुड़ने,जनता की आवाज़ सुनने और लोगों के सपनों को पूरा करने की यात्रा है। इस यात्रा का लक्ष्य है हर नागरिक का सम्मान हो।हर नागरिक का उत्थान हो। हर वाजिब समस्या का समाधान हो। यह एक ऐसी यात्रा है,जिसमें सांसद आपके खेतों की मिट्टी, आपके बच्चों की मुस्कान,आपकी मेहनत को अपनाने आयें हैं।आपकी तकलीफ़ को गले लगाने आयें हैं।

भाजपा में आज वीबी-जी रामजी पर कार्यशाला

जयपुर। विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) - वीबी-जी रामजी विषय पर शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। वीबी जी रामजी अभियान के प्रदेश संयोजक जसवंत सिंह बिश्नोई ने बताया कि वीबी-जी रामजी की कार्यशाला में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर की गरिमामय उपस्थिति रहेगी।

बिश्नोई ने बताया कि भाजपा प्रदेश कार्यालय में सुबह 10 बजे से आयोजित कार्यशाला में प्रदेश पदाधिकारी, सांसद, सभी विधायक, जिलाध्यक्ष, वीबीजी रामजी से जुड़े जिला संयोजक, प्रवक्ता-पेनेलिस्ट, मोर्चा, आयोग और बोर्ड अध्यक्ष भाग लेंगे।

जयपुर लो फ्लोर बस कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन, 21 को आंदोलन की चेतावनी

जयपुर। जयपुर लो फ्लोर बसों के कर्मचारियों ने बुधवार को बगराना आगार पर जेसीटीएसएल एम्पलाईज यूनियन (एटक) के बैनर तले 19 सूत्रीय मांगों को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने जेसीटीएसएल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों के शीघ्र समाधान की मांग की।

यूनियन अध्यक्ष बोदूराम वर्मा ने बताया कि जेसीटीएसएल प्रबंधन पिछले लगभग एक वर्ष से कर्मचारियों की मांगों और समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहा है और अब तक कोई ठोस व परिणामात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। इससे कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि आंदोलन की अगली कड़ी में 21 जनवरी 2026 को जेसीटीएसएल मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। यदि इसके बाद भी मांगों का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज करते हुए कार्य बहिष्कार या हड़ताल का रास्ता अपनाया जा सकता है।कर्मचारियों के वेतन से एनपीएस के तहत काटी गई करोड़ों रुपये की राशि को शीघ्र उनके खातों में जमा कराया जाए। ब्रेकडाउन बसों का दबाव बनाकर संचालन करवाना तुरंत बंद किया जाए। चालकों को जिला पूल/मोटर गैराज में मर्ज किया जाए। मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को पेंशन सुविधा प्रदान की जाए।

कर्मचारियों ने बगराना आगार पर जेसीटीएसएल एम्पलाईज यूनियन के बैनर तले 19 सूत्रीय मांगों को विरोध प्रदर्शन किया।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने 28वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को नई दिल्ली में संसद के ऐतिहासिक संविधान भवन में राष्ट्रमंडल देशों के 28 वें संसदीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। सम्मेलन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संबोधित किया।

इस अवसर पर विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला और केन्द्रीय मन्त्रियों जे पी नड्डा, अर्जुन राम मेघवाल, भागीरथ चौधरी के साथ ही प्रदेश के सांसदों ,विभिन्न प्रदेशों के विधानसभाध्यक्षों, संसद सदस्यों और अन्य कई नेताओं से शिष्टाचार भेंट की । 28वें संसदीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में आईपीयू की प्रेसीडेंट, सीपीए के चेयरपर्सन, राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के पीठासीन अधिकारीगण, भारत सरकार के मंत्रीगण, राज्य विधान मंडलों के पीठासीन अधिकारियों ने भाग लिया ।विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रमंडल देशों के अध्यक्षों को संबोधित करते हुए दिए गए प्रभावशाली भाषण को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लोकतंत्र की मजबूती के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं और जनभागीदारी की मजबूती पर जोर देते हुए राष्ट्रमंडल देशों के बीच सहयोग, श्रेष्ठ संसदीय प्रथाओं के आदान-प्रदान और क्षमता निर्माण के साथ ही साझा चुनौतियों का मिल कर समाधान करने का आ ान किया है। इस संदेश से राष्ट्रमंडलीय देश भी अपने - अपने देशों में लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं को अपनाकर भारत की तरह ही विकास के मार्ग पर आगे बढ़ सकते है ।

विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने बताया कि नई दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ देशों के सम्मेलन के बाद स्पीकर्स का 17 जनवरी को जयपुर भ्रमण का कार्यक्रम है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रमंडल देशों के अध्यक्षों के सम्मान में जयपुर के कांस्टीट्यूशन क्लब में 17 जनवरी को सायं राज्य विधानसभा द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम और रात्रि भोज का आयोजन रखा गया है।

सभी स्पीकर्स का गुलाबी नगर जयपुर पहुंचने पर भारतीय परम्परा के अनुसार स्वागत किया जायेगा। इसमें लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला, राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राज्य मंत्री परिषद के सदस्यगण और नेता प्रतिपक्ष भी शामिल होंगे। इस अवसर पर कॉमनवेल्थ देशों के स्पीकर्स का सम्मान भी किया जायेगा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को नई दिल्ली में संसदीय सम्मेलन में शामिल हुए।

- **राष्ट्रमंडल देशों के स्पीकर्स 17 जनवरी को आएंगे जयपुर**
- **देवनानी ने ओम बिरला और केन्द्रीय मन्त्रियों जे पी नड्डा व अन्य कई नेताओं से शिष्टाचार भेंट की**

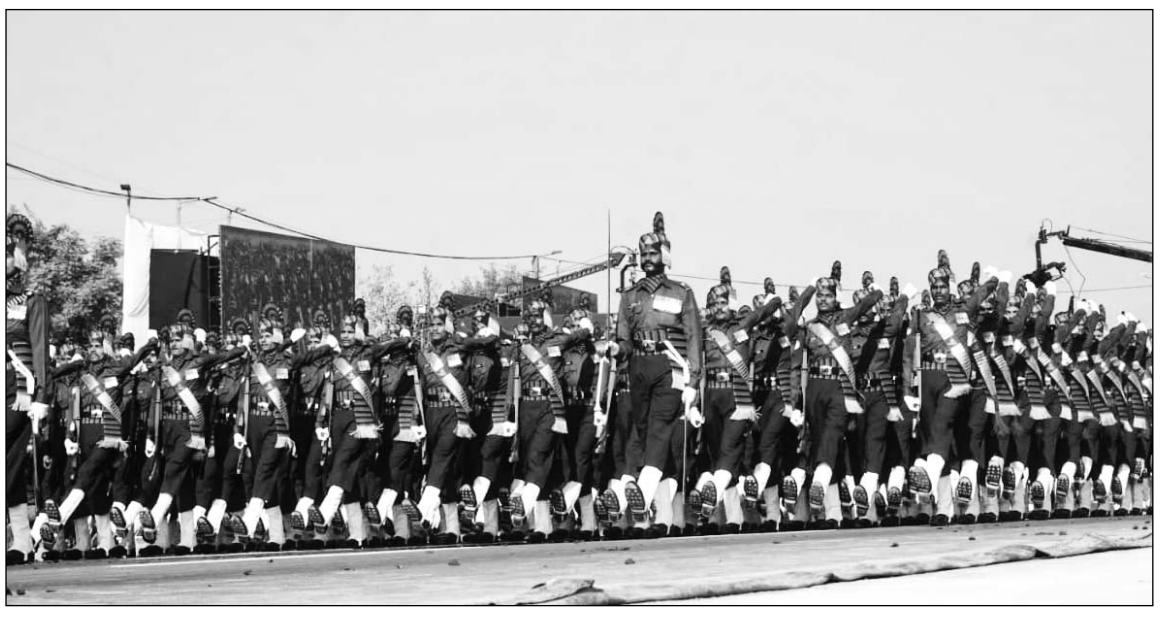

आर्मी एरिया से बाहर पहली बार आर्मी डे परेड का आयोजन जयपुर स्थित महल रोड जगतपुरा में किया गया जिसमें हजारों लोग इस कार्यक्रम के साक्षी बने आर्मी डे परेड में सड़क पर ब्रह्मोस मिसाइल अर्जुन टैंक भीष्म व कई आधुनिक हथियारों को देख लोगो ने भारत माता की जय लगाई। अपाचे हेलीकॉप्टर व जगुआर भीनज़र आये।

सार-समाचार

जेडीए में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न

जोधपर, (कासं)। । जोधपुर विकास प्राधिकरण में गुरूवार 15 जनवरी को आयुक्त उत्साह चैधरी द्वारा प्राधिकरण की विभिन्न आनलाईन सेवाओं, राजस्थान सम्पर्क, लोकायुक्त, मानवाधिकार, राजकाज इत्यादि के प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा हेतु साप्ताहित समीक्षा बैठक ली गयी। बैठक में सचिव चंचल वर्मा, उपायुक्त मुकेश बारेठ, वीरेन्द्र सिंह भाटी, रामजी भाई कलबी, प्रवीण रत्नू, अदिति पुरोहित, दिनेश कुमार मीणा, निदेशकगण, एसीपी कैलाश जोशी, तहसीलदारगण, अभियन्तागण, जेडीए आईटी सेल के अधिकारीगण मौजूद रहे। बैठक में आयुक्त उत्साह चौधरी द्वारा राजस्थान सम्पर्क के अन्तर्गत मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त प्रकरणों, सीपी ग्राम पीजी ठिवेंस के लम्बित प्रकरणों एवं जोनवार लम्बित प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा की गई। आयुक्त द्वारा समीक्षा के दौरान नियमित रूप से राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर लॉगिन करते हुए प्रकरणों को नियमानुसार समयबद्धता, पारदर्शिता के साथ निस्तारित करने एवं जीरो पेंडेंसी रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। आयुक्त द्वारा प्राधिकरण की विभिन्न आनलाईन सेवाओं 90ए, भवन निर्माण स्वीकृति, लीजडीड, प्रोपर्टी आईडी जारी करना, नाम हस्तांतरण, उपविभाजन एवं पुनर्गठन इत्यादि के लम्बित प्रकरणों को शीघ्र निस्तारण करते हुए आमजन को राहत प्रदान करने के निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में राजकाज ई-फाईल व ई-डाक पेंडिंग रिपोर्ट एवं ई-फाईल डिस्पोजल रिपोर्ट की भी समीक्षा की गई।

मरू महोत्सव का खूहड़ी में होगा समापन

जैसलमेर, (नि.सं.)। मरू महोत्सव के समापन की जगह 47 साल बाद बदली गई है। सम के रेतीले टीलों के बजाय इस बार खुहड़ी के टीलों में मरू महोत्सव का समापन किया जाएगा। 29 जनवरी से 1 फरवरी तक अंतर्राष्ट्रीय मरु महोत्सव-2026 का आयोजन होगा। उत्सव की शुरुआत 29 जनवरी को पोकरण की धरती से होगी, वहीं 30 जनवरी को जैसलमेर के रेतीले समंदर में मिस मूमल और मिस्टर डेजर्ट (मरु श्री) के लिए साल का सबसे बड़ा मुकाबला होगा। इन खिताबों को जीतना आसान नहीं होगा, केवल राजस्थान की शुद्ध संस्कृति अपनाने वाले प्रतिभागी ही मंच तक पहुंच पाएंगे। मिस मूमल के लिए कोहनी से ऊपर चूड़ा पहना बैन होगा, वहीं मिस्टर डेजर्ट के लिए 5.6 फीट हाइट वालों को मौका दिया जाएगा। उत्सव में पूर्व विजेताओं को प्रतियोगिता में एंट्री नहीं मिलेगी। रेगिस्तान के सबसे रौबीले पुरुष को मिलने वाला मिस्टर डेजर्ट का खिताब पाने के लिए प्रतिभागियों को कड़े मापदंडों पर खरा उतरना होगा। पर्यटन विभाग के अनुसार प्रतियोगी की न्यूनतम उम्र 21 वर्ष होना जरूरी है, जबकि लंबाई कम से कम 5 फीट 6 इंच अनिवार्य रखी गई है। खास बात यह है कि केवल राजस्थान के मूल निवासी ही इस प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे। विजेता को सिर्फ ताज पहनाकर सम्मानित नहीं किया जाएगा, बल्कि महोत्सव के दौरान जैसलमेर की ऐतिहासिक हवेलियों और स्मारकों पर होने वाले आधिकारिक फोटोशूट में भी शामिल किया जाएगा।

विधायक ने दुपहिया वाहन निरीक्षण किया

पोकरण, (निसं)। नगरपालिका चुनाव से पूर्व जनसेवा और शहर की मूलभूत समस्याओं को लेकर पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज ने शहर के भीतरी गल्ली-मोहल्लों का दौरा किया। इस दौरान वे दुपहिया वाहन पर सवार होकर पार्षद बाबूलाल गाघी के साथ विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचे और वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज ने आमजन से सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को आदरपूर्वक सुना तथा मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। नागरिकों ने सडक, सफाई, नाली, पेयजल सहित अन्य जनसमस्याओं से विधायक को अवगत कराया। दौरे के दौरान विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज ने पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष आनंदीलाल गुचिया से भी मुलाकात की। सेवा संकल्प कार्यक्रम के तहत उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए हम सभी को अपने कर्तव्यों का निर्वहन स्नेह, विश्वास, प्रेम और आपसी सौहार्द के साथ करना चाहिए। विधायक की इस पहल से आमजन में सकारात्मक संदेश गया और लोगों ने जनप्रतिनिधि द्वारा सीधे क्षेत्र में पहुंचकर समस्याएं सुनने पर संतोष व्यक्त किया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन दिया

पाली, (नि.सं.)। जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एल.एन मंत्री को कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा की अगुवाई में ज्ञापन सौंपकर विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर) प्रक्रिया में बीएलओ द्वारा सत्तापक्ष के दबाव में कार्य करने व सत्तापक्ष समर्थक के नाम जोडने जैसी अनियमितताओं को लेकर निष्पक्ष जांच की मांग की। ज्ञापन में बताया कि वर्तमान में जो एस आई आर प्रक्रिया चल रही है उसमें पाली जिले में बीएलओ सत्तापक्ष नेताओ के दबाव में कार्य कर रहे है एवम् सत्तापक्ष सर्मथको के गलत दस्तावेज के आधार पर नाम जोड रहे है। जबकि कांग्रेस समर्थक के नाम काटे जा रहे है एवम् कांग्रेस समर्थक अपने नाम जुडवाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। इस संबंध में निष्पक्ष जाँच करने की आवश्यकता है। उन्होंने ने कहा कि एस आई आर की प्रक्रिया में निष्पक्ष गहनता से जॉच कर पाली जिले के समस्त पात्र मतदाताओ के नाम बिना किसी पक्षपात के जोडा जावे एवम् जो बीएलओ सत्तापक्ष नेताओ के दबाव में है. उनके विरूध आवश्यक कार्यवाही की मांग की। जोगाराम सोलंकी, महबूब भाई टी, सज्जन बी राज, सत्यनारायण पटेल, अजीज लीडर, चंद्रपाल सिंह, राजूराम परमार, अनिल सिंह आदि मौजूद थे।

जोधपुर में 19 को जलापूर्ति नहीं होगी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के फिल्टर प्लांट, पम्प हाउस एवं पाइप लाइनों के अति आवश्यक रखरखाव एवं सफाई कार्य के कारण 19 जनवरी को जोधपुर शहर के समस्त फिल्टर हाउस से जुड़े सभी क्षेत्रों में जलापूर्ति बंद रहेगी। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर वृत्त, जोधपुर के अधीक्षण अभियंता राजेन्द्र मेहता ने बताया कि कायलाना, चौपासनी एवं सुरपुरा फिल्टर हाउस से संबंधित सभी क्षेत्रों में 19 जनवरी को होने वाली जलापूर्ति 20 जनवरी को तथा 20 जनवरी को होने वाली जलापूर्ति 21 जनवरी को की जाएगी। उन्होंने बताया कि झालामण्ड एवं तख्त सागर फिल्टर हाउस से जुड़े क्षेत्र-सरस्वती नगर, कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड के विभिन्न सेक्टरों तथा पाल बाईपास एवं शिल्पग्राम के आसपास के क्षेत्रों में 19 जनवरी को प्रातः 10 बजे तक जलापूर्ति सामान्य रूप से की जाएगी। इन क्षेत्रों में 20 जनवरी को होने वाली जलापूर्ति 21 जनवरी को तथा 21 जनवरी को होने वाली जलापूर्ति 22 जनवरी को की जाएगी।

नर्सिंग कॉलेज में संगोष्ठी व भाषण प्रतियोगिता आयोजित

जालोर, (कासं)। हिन्दू युवा संगठन संस्था जालोर की ओर से स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय युवा सप्ताह के चौथे दिन गुरुवार को राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय जालोर में भाषण प्रतियोगिता एवं संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संस्था महामंत्री अर्जुन सिंह पवार ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद व मां सरस्वती के चित्र के समक्ष अतिथियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. पवन ओझा उपस्थित रहे तथा अध्यक्षता संस्था के संस्थापक अध्यक्ष एडवोकेट सुरेश सोलंकी ने की। विशिष्ट अतिथि व निर्णायक के रूप में गजेन्द्र सिंह सिसोदिया, कार्यक्रम प्रभारी अमन देवेंद्र मेहता एवं डॉ. असीम परिहार उपस्थित रहे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सुरेश सोलंकी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी युवाओं को आत्मविश्वास, राष्ट्र भक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व की प्रेरणा देते हैं। युवा शक्ति के माध्यम से ही सशक्त भारत का निर्माण संभव है। मुख्य अतिथि डॉ. पवन ओझा ने कहा कि भाषण प्रतियोगिताएं युवाओं के व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता और वैचारिक अभिव्यक्ति को मजबूत बनाती हैं। विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण के साथ निरंतर आगे बढना चाहिए। विशिष्ट अतिथि गजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को निडर, अनुशासित और कर्तव्यनिष्ठ बनने का संदेश दिया, जिसे आज के युवाओं को आत्मसात करना चाहिए। कार्यक्रम प्रभारी अमन देवेंद्र मेहता ने कहा कि राष्ट्रीय युवा सप्ताह का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्र प्रेम, सेवा भाव और आत्मविश्वास का संचार करना है। ऐसे आयोजन युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करते हैं। डॉ. असीम परिहार ने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार और नैतिक मूल्यों का समन्वय ही सशक्त समाज की नींव रखता है तथा सभी प्रतिभागियों के प्रयास सराहनीय रहे। भाषण प्रतियोगिता का मुख्य विषय स्वामीजी के आदर्श और वर्तमान में युवाओं की कार्यशैली पर आधारित प्रतियोगिता में 9 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें प्रथम स्थान दक्ष सुन्देशा, द्वितीय स्थान गणपत कुमावत एवं तृतीय स्थान संगीता ने प्राप्त किया। नगर अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह बगेडिया ने आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन महेंद्र राङ्गौर व सुरेश चंद्र ने किया।

कार्यक्रम में मयंक देवडा, अशोक गुर्जर, भावेश महावर, मोहन सिंह सहित संगठन के कार्यकर्ता, महाविद्यालय स्टाफ एवं नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दिनेश खेतावत फाईनेंस कम्पनी पर जालोर उपभोक्ता आयोग ने लगाया जुर्माना

जालोर, (कासं)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, जालोर ने एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए उपभोक्ता के पक्ष में राहत प्रदान की है। आयोग के पीठासीन अधिकारी घनश्याम यादव (अध्यक्ष) एवं सदस्य निरंजन शर्मा की पीठ ने दिनेश खेतावत लीजिंग एंड फाइनेंस कम्पनी भीनमाल को परिवादी से अधिक ली गई ऋण राशि एक लाख साठ हजार तीन सौ लौटाने सहित 17000 रूपये का जुर्माना अदा करने का आदेश दिया गया।

मामले में परिवादी हस्तीमल पुत्र भगवानचन्द, निवासी थलवाड, तहसील सायला, जिला जालोर ने दिनेश खेतावत लीजिंग एंड फाइनेंस कंपनी, भीनमाल के विरुद्ध उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत परिवाद प्रस्तुत कर बताया कि उसनें वर्ष 2016 मे बोलेरो वाहन के लिए तीन लाख पचास हजार रूपये का ऋण लिया था। जिसकी मासिक किश्त प्रतिमाह 19900 रूपये 24 माह मे अदा की जानी थी।

परिवादी ने नियमित रूप से किश्ते अदा करते हुए 6,37,000 रूपये अदा किये। जबकि ऋण पेटे 4,77,600 रूपये ही अदा करने थे। फाइनेंस कम्पनी द्वारा 1,60,300 रूपये अधिक वसूल करने पर परिवादी ने उक्त राशि लौटने सहित अनापत्ति प्रमाण पत्र मांगने पर कम्पनी ने देने से इंकार कर दिया। जिसके बाद परिवादी जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग मे परिवाद प्रस्तुत किया।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह माना कि परिवाद विधिसम्मत है और इसका निस्तारण उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार किया जाना उचित है। आयोग के अध्यक्ष धनश्याम यादव ने मामले के तथ्यों व अभिलेखों के आधार पर निर्णय सुनाते हुए फाइनेंस कम्पनी परिवादी को ऋण पेटे ली गई अधिक राशि 160300 रूपये लौटने के अलावा गाडी की एनओसी जारी करने सहित 17000 का जुर्माना लगाया। इस निर्णय को उपभोक्ता अधिकारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे वित्तीय संस्थानों व सेवा प्रदाताओं को उपभोक्ताओं के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का पालन करने का संदेश मिलता है।

मिर्धा फार्म की जमीन की लड़ाई थाने पहुंची

जोधपुर, (कासं)। नागौर की राजनीति के सबसे रसूखदार मिर्धा परिवार की जोधपुर स्थित मिर्धा फार्म की 150 गज की जमीन की लड़ाई थाने पहुंच गई है।

पूर्व सांसद डॉ. ज्योति मिर्धा की तरफ से चचेरे भाई मनीष मिर्धा और अन्य के खिलाफ प्रतापनगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। ज्योति मिर्धा की तरफ से उनके अधिकृत प्रतिनिधि प्रेमप्रकाश ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में सूथला स्थित फार्म हाउस पर जबरन कब्जे के प्रयास और तोड़फोड़ का आरोप लगाए गए हैं। वहीं दूसरे पक्ष का दावा है कि यह विवाद केवल जमीन के टुकड़े का नहीं, बल्कि वहां बने पूर्वजों के समाधि स्थल को लेकर है। इसे वो बचाने का दावा कर रहे हैं। ज्योति मिर्धा का पक्ष इसे अतिक्रमण और अवैध कब्जा बता रहा है। विवाद को देखते हुए पुलिस ने समाधि स्थल पर पुलिसकर्मी को तैनात किया है।

एफआईआर के मुताबिक मामले की शुरुआत 13 जनवरी को दोपहर करीब 12 बजे हुई। जब मनीष मिर्धा अपने 10-12 साथियों के साथ जबरन फार्म हाउस में घुस आए। आरोप है कि उन्होंने वहां मौजूद केयरटेकर सलीम को डरा-धमकाकर तालों की चाबियां छीन लीं। इसके अगले दिन यानी 14 जनवरी को आरोपी पक्ष ने दोबारा ताले तोड़े और वहां बने समाधि स्थल के साथ छेड़छाड़ व तोडफ़ोड़ शुरू कर दी। परिवादी प्रेमप्रकाश ने पुलिस को बताया कि मनीष और उनके साथी वीडियो में स्पष्ट रूप से तोड़फोड़ करते हुए दिखाई दे रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। प्रतापनगर पुलिस ने परिवादी प्रेमप्रकाश की रिपोर्ट के आधार पर भारतीय न्याय संहिता के तहत मनीष मिर्धा के खिलाफ संपत्ति में अनधिकृत प्रवेश करने, चोट पहुंचाने की तैयारी के साथ जबरन घर में घुसने और गैर-कानूनी जमावड़ा कर हमला करने की धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने मौके के वीडियो फुटेज भी साक्ष्य के तौर पर सुरक्षित किए हैं। मामले की जांच थानाधिकारी भवानी सिंह कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार इस पूरे विवाद का केंद्र फार्म हाउस के अंदर बना 150 वर्ग गज का वह समाधि स्थल है, जो परिवार की भावनाओं से जुड़ा है। मनीष मिर्धा पक्ष का दावा है कि डॉ. ज्योति मिर्धा इस बेशकीमती जमीन को बेचना चाहती है, लेकिन बीच में आ रहा पैतृक समाधि स्थल सौदे में बाधा बन रहा है। मनीष का आरोप है कि ज्योति मिर्धा इस समाधि स्थल को हटाना चाहती हैं, जबकि वे अपने पूर्वजों की निशानी को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यहां पर सबसे पहले 1982 में नाथूराम मिर्धा की मां की समाधि बनाई गई थी। 1987 में मनीष के बड़े भाई रवि की समाधि बनी। नाथूराम मिर्धा के निधन के बाद 1996 में उनकी भी यही समाधि बनी। अब मनीष अपने पिता भानु प्रकाश मिर्धा की समाधि स्थल यहीं बना रहे हैं, जिसका विरोध किया जा रहा है। शिकायत पक्ष का कहना है कि मनीष ने गुंडा तत्वों के साथ मिलकर मालिकाना हक वाली जमीन हड़पने की नीयत से हमला किया है।

गहने-रुपए ऐंठे

जोधपुर,(कासं)। जिला पश्चिम में एक महिला को शादी का झांसा देकर उसका यौनशोषण किया गया। आरोपी ने महिला के फोटोठााफ्स और वीडियो से उसे ब्लैकमेल कर रूपए और गहने हड़प लिए। पीड़िता ने इस बारे में बोरानाडा थाने में रिपोर्ट दी है। पीड़िता दलित वर्ग की बताई जाती है।

जोधपुर में टेबल टेनिस चैंपियनशिप शुरू

जोधपुर में 70वीं राजस्थान स्टेट एवं इंटर डिस्ट्रिक्ट उमा कुंभट मेमोरियल होप क्रेडिट सब-जूनियर, जूनियर, यूथ एवं सीनियर टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2025-26 का शुभारंभ हुआ।

जोधपुर, (का.सं.)। शहर में खेलों की सरगर्मी के बीच 70वीं राजस्थान स्टेट एवं इंटर डिस्ट्रिक्ट उमा कुंभट मेमोरियल होप क्रेडिट सब-जूनियर, जूनियर, यूथ एवं सीनियर टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2025-26 का शुभारंभ गुरुवार को किया गया।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि गौरव अग्रवाल, जिला कलेक्टर जोधपुर रहे। समारोह में विशिष्ट अतिथि अभिनव कुंभट एवं श्वेता गोयल उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता आनंद गोयल ने की। इस अवसर पर जोधपुर जिला टेबल टेनिस संगठन के अध्यक्ष मुकुल गुप्ता, सचिव संजय गहलोत सहित अनेक व्यक्ति मौजूद रहे। प्रतियोगिता 15 से 20 जनवरी तक चैनपुरा स्टेडियम में आयोजित की जा रही है। आयोजन सचिव चिराग गहलोत ने बताया कि प्रतियोगिता में राजस्थान के 18 जिलों से लगभग 500 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जो विभिन्न आयु वर्गों में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। चैंपियनशिप के पहले दिन अंडर-11 से अंडर-15 आयु वर्ग के बालक एवं बालिका वर्ग के मुकाबले खेले गए। इन मैचों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन तकनीक, तेजी और खेल भावना का प्रदर्शन कर दर्शकों को खासा प्रभावित किया। प्रतियोगिता का संचालन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता प्रबंधक अनिल दुबे, रेफरी किशन लाल, डिप्टी रेफरी पंकज शर्मा, तकनीकी अधिकारी शिवांक दुबे एवं उनकी टीम द्वारा किया जा रहा है। मैच संचालन कपिल मिर्धा ने किया।

छह किलो डोडा पोस्त बरामद

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नर स्पेशल टीम ने लूणी थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर छह किलो अवैध डोडा पोस्त बरामद किया है। जबकि एक अन्य तस्कर को डोडा चूरा वाहन सहित फरार होने की जानकारी मिली है।

पुलिस तस्कर की धरपकड़ के प्रयास में जुटी है। सीएसटी की तरफ से लूणी थाने में एनडीपीएस एक्ट में रिपोर्ट दी गई है। पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश व पुलिस उपायुक्त मुख्यालय एव यातायात शाहीन सी. के निर्देशानुसार, सुपरविजन अधिकारी अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त मुख्यालय सुनील के. पवार के निर्देशानुसार नशे के विरुद्ध कार्रवाई की गई। सीएसटी के प्रभारी मेहराज तंवर मय टीम ने पुलिस थाना लूणी हलका में आरोपी पीपरली विश्नोईयों की ढाणी निवासी सुनील पुत्र शिवलाल को जोधपुर को दस्तयाब कर उसके पास से करीब 6 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया गया।

सीएसटी प्रभारी मेहराज के अनुसार अन्य आरोपी कोरना गंगावास राजू विश्नोई जो डोडा चूरा भरे वाहन के साथ फरार है जिसकी तलाश है।

पाली में कांग्रेस के ब्लॉक प्रभारी नियुक्ति

पाली, (नि.सं.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आदेशानुसार एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार मनरेगा बचाओ संग्राम महाअभियान को लेकर पाली जिले में पंचायत स्तर पर अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन, संचालन एवं समन्वय के लिए पाली जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा ब्लाक स्तर पर प्रभारी नियुक्त किये गए हैं। जिसमें पाली विधानसभा क्षेत्र के रोहट ब्लॉक प्रभारी ताराराम सीरवी सरपंच एवं पूर्व सदस्य जिला परिषद व गोरधन देवासी, जिलाध्यक्ष पाली युवक कांग्रेस इसी प्रकार सुमेरपुर विधानसभा के

ब्लॉक - पाली देहात प्रभारी जोगाराम सोलंकी, पूर्व सदस्य, जिला परिषद पाली व बाबू सिंह वायद, पूर्व सचिव जिला कांग्रेस कमेटी, पाली को नियुक्त किया है। वंही सुमेरपुर ब्लॉक प्रभारी दलवीर सिंह चौहान, पूर्व महासचिव, जिला कांग्रेस कमेटी व

इलियास चढ़वा, पूर्व पार्षद एवं नगर कांग्रेस अध्यक्ष रानी को नियुक्त किया है। साथ ही बाली विधानसभा क्षेत्र के बाली ब्लॉक प्रभारी महेश परिहार, पूर्व महासचिव जिला कांग्रेस कमेटी, पाली व सुनील बैरवा, जिलाध्यक्ष कांग्रेस ,अनुसूचित जाति विभाग को नियुक्त किया है। देसूरी ब्लॉक प्रभारी के लिए पाबू सिंह राणावत, पूर्व प्रधान व जयेश सोलंकी, पूर्व महासचिव जिला कांग्रेस कमेटी को नियुक्त किया है। विधानसभा क्षेत्र - मारवाड जंक्शन ब्लॉक प्रभारी के लिए गुलाब सिंह गिरवर, पूर्व उप प्रधान व उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस व घीसाराम बामानिया, पूर्व विकास अधिकारी को नियुक्त किया है।

रानी ब्लॉक प्रभारी पद पर भेरूसिंह राजपुरोहित, पूर्व उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी व नाहर सिंह जाखोड़ा, पूर्व उप प्रधान सुमेरपुर को नियुक्त किया गया है। सोजत विधान सभा क्षेत्र के सोजत ब्लॉक के प्रभारी यशपालसिंह कुम्पावत, पूर्व उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी व नरेंद्र गुर्जर, पूर्व पंचायत समिति सदस्य व नगर अध्यक्ष को ब्लॉक प्रभारी नियुक्त किया गया है।

छुट्टियों में परिवार जयपुर गया, चोरी हुई

जोधपुर, (कासं)। शहर के झालामंड स्थित मीरा नगर गुढ़ा रोड पर एक सूने मकान में चोरी हो गई। चोरों ने मुख्य गेट का ताला तोडक़र अंदर प्रवेश किया और फिर एलईडी नीचे रखी चाबी को उठाकर पास में रखा बैग चुराया। बैग में लेपटॉप और टेबलेट फोन था। वापिस जाते हुए चोर कार भी चुरा ले गए। पीड़ित को बुधवार की सुबह पड़ौसी ने इसकी जानकारी दी। कुड़ी थाने में इस बाबत केस दर्ज कराया गया है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है।

एएसआई मोतीसिंह ने बताया कि मीरा नगर गुढ़ा रोड पर किराए पर रहने वाले हितेंद्र सिंह पुत्र हरिधन सिंह मूल रूप से जयपुर के रहने वाले है। वे हाल में यहां पर आकर किराए पर रहने लगे है। दिसम्बर में छुट्टियों के चलते परिवार सहित जयपुर गए थे। 14 जनवरी को पड़ौसी ने ताले टूटने की जानकारी दी और वीडियो कॉल कर बताया। इस पर वे जयपुर से जोधपुर आए। आरंभिक पड़ताल में मालूम हुआ कि चोर ने मुख्य गेट का ताला तोडऩे के साथ अंदर जाकर एक और ताला तोड़ा फिर एलईडी के नीचे रखी गाड़ी की चाबी उठाई। पास में बैग रखा था, उसे भी ले गए। बैग में लेपटॉप, टेबलेट फोन था। जाते हुए चोर घर की पोर्च में खड़ी कार भी चुरा ले गए। एएसआई मोतीसिंह ने बताया कि प्रकरण में जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज देखे जा रहे है।

वहीं मथानिया में परिवार के लोग खेत पर गए हुए थे। चोरों ने घर का ताला तोडक़र नगदी और चांदी के जेवरातों को चुरा लिया। इस बारे में घर मालिक ने पुलिस में रिपोर्ट दी है।

मथानिया पुलिस ने बताया कि मथानिया बिजलीघर के पीछे रहने वाले बालूराम पुत्र सवाईराम ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वह परिवार सहित खेत पर गया हुआ था। वापिस आने पर घर में चोरी का पता लगा।

शेयर ट्रेडिंग में इंवेस्टमेंट का झांसा देकर एयरफोर्स वारंट ऑफिसर से ठगी की

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर में एयरफोर्स वारंट अधिकारी से 1.71 करोड़ की ठगी का एक प्रकरण सामने आया है। शातिरों ने उन्हें शेयर में ट्रेडिंग के नाम पर इंवेस्टमेंट का झांसा दिया और ठगी का शिकार बनाया। वारंट ऑफिसर ने अब एयरपोर्ट थाने में इस बारे में केस दर्ज कराया है। अठिाम जांच की जा रही है। घटना गत साल नवंबर से शुरू हुई जोकि इस साल 6 जनवरी के बीच की है।

एयरपोर्ट थाना पुलिस के अनुसार एक वारंट ऑफिसर की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। इसमें बताया कि उनके मोबाइल पर गत साल 9 अक्टूबर को एक वाटसअप ग्रुप जेएनएन 103 स्ट्रेजी डिस्कशन से लिंक आया जिसमें शेयर मार्केट ट्रेडिंग से संबधित मैसेज था , जिसके एडमिन के रूप में दो नंबर कार्यरत थे। उसमें अन्य लगभग 40 से अधिक फोन नंबर भी एड थे। उसने इस लिंक को ऑपन कर फोन में एक एप्प इंस्टोल कर लिया।

उक्त एप्प का नाम जेएनएचआई है जिसके उक्त एप्प से संबधित शेयर टेडिंग से संबधित इन्वेस्टमेन्ट ऑनलाइन फोन आया । जिसमें इन्वेस्टमेन्ट के बदले होने वाले लाभ पर दस प्रतिशत के बदले ट्रेडिंग करवाने का लालच दिया गया। इस पर 23 नवंबर 25 को अपने बैंक खाते से 50,000 रूपए का इन्वेस्टमेन्ट किया गया तथा मेरे एप्प के एकाउन्ट में मुझे लाभ होना दर्शाया गया तथा उस लाभ को और आगे प्राप्त करने के लिये मुझे अन्य ग्रुप के लोगो के साथ जोड़ दिया गया। इस पर कहा गया कि ये पैसे तभी निकालोगे तब आप ठ्ुप में जोडक़र निवेश करोगे तब 17 हजार, 40 हजार एंव 50 हजार, 1.68 लाख का बैंक व एसबीआई से निवेश किया। इस पर बाद में कहा गया कि इन्वेस्टमेन्ट में देरी कर दी है इसलिये आपको पेनल्टी के रूप में 1,70,000 और इन्वेस्टमेन्ट करना पड़ेगा। इस पर मैने अपनी रकम प्राप्त करने के लिये 1,70,000 रूपए और ऑनलाइन भेजे।

बाद में कहा गया कि आपके खाते में लगभग लाभ सहित एक करोड़ एकत्र हो गए एवं उन एक करोड़ को निकालने के लिये आपको 50 लाख रूपये का हमसे लोन प्राप्त करना पड़ेगा।

ऑनलाइन लोन एप्रूव करवाकर खाते में प्रदर्शित किया गया। जब रकम को निकालने का प्रयास किया गया तब एप्प पर जानकारी दी गयी कि रकम का निकालने के लिये जो लोन लिया है पहले उसकी रकम मय ब्याज 51,00,000 रूपये आपको जमा करवाने होंगे, तभी आप अपने खाते से विड्रो कर सकते हैं। इस पर 20- 20 लाख एवं 11 लाख अपने बैंक से जमा करवाए गए। जब मैंने पुनः जमा करवाने की बाद विड्रो करना चाहे तब धमकी दी गयी की आप आर्मी में होकर बिना अनुमति के इन्वेस्टमेन्ट किया है आपको अनुमति के रूप में दिखाने के लिये हमें अपने खाते के बैंक से लोन उठाकर हमें रकम देनी होगी, अन्यथा हम इसकी शिकायत सीबीआई एंव इन्कम टैक्स डिपार्टमेन्ट कर देंगे।

तब मैने अपने खातो से लोन एंव सर्विस के विभिन्न मदों से पैसे उठाकर जमा करवाए गए जो कि 6 जनवरी 2026 तक कुल 1,71,65,000 रूपये कुल मेरे साथ ठगी कर ली गयी। वारंट ऑफिसर की तरफ से साइबर पोर्टल और थाने में भी इसकी शिकायत दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

विद्यार्थियों ने मॉडल स्कूल देखा

सायला, (निसं)। पीएम श्री उच्च माध्यमिक विद्यालय जालोर के छात्र-छात्राओं ने मंगलवार को मॉडल स्कूल सायला का शैक्षणिक भ्रमण किया। जहां उन्होंने विद्यालय में संचालित विभिन्न सह-शैक्षणिक व शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। प्रधानाचार्य मूलाराम राणा ने विद्यार्थियों को शैक्षणिक कार्यप्रणाली, गतिविधियों तथा उपलब्धियों की जानकारी दी। एक्टिविटी इंचार्ज सुजानाराम चौधरी ने स्मार्ट क्लासरूम, विज्ञान प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर लैब, हाउस एक्टिविटी, संगीत कक्ष, प्रार्थना सभा में बैंड रिहर्सल का अवलोकन कराया।

'टीकाकरण में जालोर अग्रणी जिलों में शामिल'

जालोर, (कासं)। जिला जालोर के स्वास्थ्य विभाग ने टीकाकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए राज्य स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बनाई है। सुदृढ योजना, सतत निगरानी एवं जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप जिले में लगातार पिछले तीन महीनों से फुल इम्यूनाइजेशन कवरेज 90 प्रतिशत से अधिक दर्ज किया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भैराराम जाणी ने बताया कि जिला कलेक्टर डॉ प्रदीप के. गांवडे के निर्देशन में जिले में टीकाकरण कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए सशक्त योजना, सतत निगरानी और फील्ड स्तर पर कडी मॉनिटरिंग की जा रही है। यूविन पोर्टल के माध्यम से लाभार्थियों की रीयल-टाइम ट्रैकिंग, छूटे बच्चों की पहचान एवं त्वरित फॉलो-अप से जिले में पिछले तीन महीनों से फुल इम्यूनाइजेशन कवरेज 90 प्रतिशत से अधिक बना हुआ है। उन्होंने बताया कि सभी स्वास्थ्य कार्मिकों के समन्वित प्रयासों से जालोर जिला टीकाकरण प्रदर्शन में राज्य के अग्रणी जिलों में शामिल हुआ है। उन्होने बताया कि टीकाकरण को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी सीएचसी एवं पीएचसी के सहयोग से विस्तृत माइक्रोप्लानिंग की गई।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के तकनीकी सहयोग से प्रत्येक ढाणी को माइक्रोप्लान का हिस्सा बनाया गया। हाई-रिस्क व छूटे हुए क्षेत्रों की पहचान कर दूरस्थ बस्तियों पर विशेष फोकस रखा गया, जिससे कोई भी पात्र बच्चा या गर्भवती महिला टीकाकरण से वंचित न रहे। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार बाजिया ने बताया कि राज्य स्तरीय आंकडों के अनुसार जालोर जिले में एमआर-1 और एमआर-2 कवरेज के बीच अंतर न्यूनतम दर्ज किया गया है। आरसीएचओ डॉ. बाजिया ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा नवनियुक्त चिकित्साधिकारी एवं एएनएम को टीकाकरण कार्यक्रम, यूविन पोर्टल के उपयोग, सत्र प्रबंधन एवं एईएफआई रिपोर्टिंग पर विशेष प्रशिक्षण आयोजित कर संवेदीकरण किया गया।

लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करें : एल.एन. मंत्री

पाली, (नि.सं.)। जिला कलैक्टर एलएन मंत्री की अध्यक्षता में गुरूवार को राजस्व प्रकरणों की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस विभाग के ऑपरेशन गुप्त अभियान तथा संयुक्त विभागीय अभियान के अंतर्गत खनिज, पुलिस एवं राजस्व विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

जिला कलैक्टर मंत्री ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित राजस्व प्रकरणों की गंभीरता से समीक्षा कर उनका शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को समय पर राहत मिल सके। उन्होंने एजेंडा बिंदुवार सभी उपखंड अधिकारियों से चर्चा कर ब्लॉकवार समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, ग्राम सेवा सहकारी समितियों एवं अभियोजना अधिकारी कार्यालय हेतु भूमि आवंटन के प्रकरणों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

जिला कलेक्टर ने फार्मर रजिस्ट्री कैंप, रबी गिरदावरी एवं नामांतरण प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा प्रदत्त अवैध खनन रोकथाम अभियान, बजट घोषणाओं से संबंधित भूमि आवंटन, राइजिंग राजस्थान की प्रगति, भू-अभिलेख शाखा, गिरदावरी, राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों, म्यूटेशन व ऑटो-म्यूटेशन, लैंड कन्वर्जन मामलों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने राजकीय भूमि पर हो रहे अतिक्रमण की रोकथाम को लेकर कार्ययोजना पर चर्चा की तथा विभिन्न आयोगों, मुख्यमंत्री कार्यालय एवं जिला सतर्कता शाखा में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक में ई-फाइल प्रणाली के अंतर्गत लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। साथ ही पीएसी पैरा एवं ड्राफ्ट पैरा से संबंधित बकाया मामलों के निस्तारण के निर्देश भी दिए गए।

इससे पूर्व जिला कलक्टर ने पुलिस प्रशासन द्वारा चलाए गए 15 दिवसीय ऑपरेशन गुप्त अभियान की प्रगति की जानकारी ली और सराहनीय कार्य के लिए पुलिस प्रशासन को धन्यवाद दिया।

उन्होंने अभियान को आगे भी निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए।

साथ ही संयुक्त विभागीय अभियान के तहत खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग को अवैध खनन एवं भंडारण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक आदर्श सिद्धु, अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. बजरंग सिंह, उपखंड अधिकारी विमलेन्द्र राणावत, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी विकास मारवाल सहित सभी उपखंड अधिकारी एवं तहसीलदार उपस्थित रहे।

यह कहना मुश्किल है कि यह उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है या नहीं। वह लंबे समय से काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। जब भी उनसे आमना सामना होता है, तो आपको लगता है कि उनसे मुकाबला करने के लिए भी आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। - **काइल जैमीसन**

न्यूजीलैंड खिलाड़ी, विराट कोहली को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

विराट कोहली

विराट कोहली न्यूज़ीलैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बनने से सिर्फ एक रन पीछे हैं। उन्होंने पहले ही मैच में सचिन तेंदुलकर के महान रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।रविवार को न्यूज़ीलैंड के खिलाफ खेले गए पहले वनडे मैच में, विराट कोहली ने 93 रनों की शानदार पारी खेली। इस पारी के साथ ही उन्होंने कुल 1750 रन पूरे कर लिए और क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर के बनाए रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अब, दूसरे वनडे मैच में सिर्फ एक रन बनाते ही कोहली यह महारिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... रोहित शर्मा ने अब तक टीम इंडिया की कप्तानी 56 मैचों में की है, जिनमें से भारत ने 46 मैच जीते और 12 हारे हैं। उनकी जीत लगभग 75 प्रतिशत है।

हेनिल पटेल और अभिज्ञान कुंडू ने भारत को दिलाई विजयी शुरुआत

बुलावायो, 15 जनवरी। हेनिल पटेल (पांच विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन और अभिज्ञान कुंडू की नाबाद 42 रन की शानदार पारी की बदौलत की बदौलत भारत ने गुरुवार को अंडर-19 विश्व कप के पहले मुकाबले में अमेरिका को डीएलएस पद्धित के तहत छह विकेट से हराकर विजयी शुरुआत की।

अमेरिका को 35.2 ओवरों में 107 रनों के स्कोर पर समेटने के बाद भारत ने बारिश के कारण 37 ओवर में 96 रन के संशोधित लक्ष्य को शुरूआती झटकों से उबरते हुए 17.2 ओवर में चार विकेट पर 99 रन बनाकर हासिल कर लिया। अभिज्ञान कुंडू ने 41 गेंदों पर नाबाद 42 रन में पांच चौके और एक छक्का लगाया। कनिष्क चौहान 10 रन पर नाबाद रहे।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत खराब रही।। फॉर्म में चल रहे वैभव सूर्यवंशी मात्र दो रन बनाकर अप्पिडी की गेंद पर आगे बढ़कर बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में बोल्ड हो गए। अप्पिडी ने वेदांत त्रिवेदी को दो रन पर आउट कर भारत को दूसरा झटका दिया। कप्तान आयुष म्हात्रे 19 गेंदों में 19 रन बनाकर ऋषभ शिम्पी का शिकार बने। भारत ने अपना तीसरा विकेट 25 के स्कोर पर गंवाया। अभिज्ञान कुंडू और विहान मल्होत्रा ने चौथे विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी की लेकिन विहान टीम के 70 के स्कोर पर उत्कर्ष श्रीवास्तव का शिकार बन गए। विहान ने 17 गेंदों में 18 रन बनाये। लेकिन अभिज्ञान ने कनिष्क के साथ भारत को जीत की मंजिल पर पहुंचकर दम लिया। हेनिल पटेल को उनकी घातक गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

इससे पहले आज यहां भारत की अंडर-19 टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अमेरिका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में अमरिंदर गिल (एक) का विकेट गंवा दिया। उन्हें हेनिल पटेल ने आउट किया। इसके बाद अर्जुन महेश और साहिल गर्ग ने पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे उसके बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके। अर्जुन महेश और साहिल गर्ग (16-16) रन बनाकर आउट हुये। अदनित झांब (18) रन बनाकर आउट हुये।

शेष सात बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। 36वां ओवर कर रहे वैभव सूर्यवंशी ने दूसरी गेंद पर नीतीश सुदिनी को आउटकर अमेरिका की पारी का 107 के स्कोर पर अंत कर दिया। नीतीश सुदिनी ने टीम के लिए सर्वाधिक 36 रनों की पारी खेली। भारत की ओर से हेनिल पटेल ने सात ओवर में 16 रन देकर पांच विकेट लिये। दीपेश देवेंद्रन, अमब्रिश, खिलन पटेल और वैभव सूर्यवंशी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

स्टार्क और वोल्वार्ट दिसंबर के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ चुने गए

दुबई, 15 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज़ मिशेल स्टार्क और दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने पुरुषों और महिलाओं के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ़ द मंथ का अवॉर्ड जीता है, शानदार प्रदर्शन की एक सीरीज़ के बाद जिसमें उन्होंने कड़ी टक्कर को पीछे छोड़ा। स्टार्क, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया की 4-1 से एशेज जीत में प्लेयर ऑफ द सीरीज़ चुना गया था, ने दिसंबर में 21.25 की औसत से 16 विकेट लिए, साथ ही महीने के दौरान तीन टेस्ट में 139 रन भी बनाए।

सबसे शानदार प्रदर्शन ब्रिस्बेन में दूसरे टेस्ट में प्लेयर ऑफ़ द मैच का था, जहाँ उन्होंने आठ विकेट लिए और महत्वपूर्ण 77 रन बनाए। उन्होंने एडिलेड में सीरीज तय करने वाले टेस्ट में भी उपयोगी 54 रन का योगदान दिया। स्टार्क ने यह अवॉर्ड न्यूज़ीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी और वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स को पछाड़कर जीता।

वोल्वार्ट ने आयरलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज़ में तीन वनडे में 111.84 के स्ट्राइक रेट से 255 रन बनाए, साथ ही दो टी20 में 190.27 के शानदार स्ट्राइक रेट से 137 रन बनाए। उन्होंने दोनों फॉर्मेट में टॉप ऑर्डर में शानदार प्रदर्शन किया, तीन शतक लगाए। वोल्वार्ट को वनडे में प्लेयर ऑफ द सीरीज़ चुना गया, जिसमें उन्होंने आखिरी दो मैचों में 124 और 100 रन बनाए, इससे पहले उन्होंने पहले टी20 में नाबाद 115 रन बनाए थे। उन्होंने अपनी टीम की साथी सुने लुस और भारत की ओपनर शेफाली वर्मा को पछाड़कर तीन महीनों में अपना दूसरा आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीता।

कोकिनाकिस ऑस्ट्रेलियन ओपन सिंगल्स से हटे

मेलबर्न,15 जनवरी। थानासी कोकिनाकिस ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन सिंगल्स इवेंट से हटने की घोषणा की। कोकिनाकिस ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, "दुर्भाग्य से अपनी टीम और डॉक्टरों से बात करने के बाद मैंने ऑस्ट्रेलियन ओपन सिंगल्स से हटने का फैसला किया है।एक अविश्वसनीय रूप से कठिन साल के बाद यह वह इवेंट था जिसका मैं सबसे ज़्यादा इंतज़ार कर रहा था, लेकिन मैं अभी तैयार नहीं हूँ। मैं हर दिन 100 ठीक होने के लिए सब कुछ कर रहा हूँ।" कोकिनाकिस ने पिछले हफ्ते एडिलेड इंटरनेशनल में लगभग एक साल बाद अपना पहला सिंगल्स मैच खेला, जहाँ उन्होंने फाइनल-सेट टाई-ब्रेक में सेबेस्टियन कोर्डा को हराया। लेकिन पूरे मैच के दौरान, पिछले फरवरी में पेक्टोरल सर्जरी के बाद ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को अपने दाहिने कंधे में परेशानी हो रही थी। वह बुधवार को एडिलेड से हट गए। 29 वर्षीय खिलाड़ी मेलबर्न पार्क में डबल्स में प्रतिस्पर्धा करने की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने 2022 में निक किर्गियोस के साथ खिताब जीता था। कोकिनाकिस ने लिखा, "हम अभी भी डबल्स के लिए कोर्ट पर उतरने और कुछ मज़े करने की कोशिश करेंगे।मेरा समर्थन करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद।"

फीफा वर्ल्ड कप के लिए पचास करोड़ से ज्यादा टिकट रिक्वेस्ट

लुसाने, 15 जनवरी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए दुनिया भर में उत्साह पहले कभी नहीं देखा गया, रैंडम सिलेक्शन ड्रॉ टिकट बिक्री

फ़ेज के दौरान आधे बिलियन से ज़्यादा टिकट रिक्वेस्ट सबमिट की गईं, जो गुरुवार, 11 दिसंबर 2025 से मंगलवार, 13 जनवरी 2026 तक चला। सिर्फ़ 33 दिनों में सभी 211 फीफा मेंबर एसोसिएशन के देशों/टेरिटरी में रहने वाले फ़ैन्स से एप्लीकेशन मिलीं। मेजबान यूनाइटेड स्टेट्स, मेक्सिको और कनाडा टॉप एप्लीकेंट देशों में शामिल हैं, साथ ही जर्मनी, इंग्लैंड, ब्राज़ील, स्पेन, पुर्तगाल, अर्जेंटीना और कोलंबिया भी शामिल हैं। फ़ैन्स को उनके टिकट एप्लीकेशन के नतीजे के बारे में 5 फरवरी से पहले ईमेल से बताया जाएगा। हर एप्लीकेशन को यूनिक क्रेडिट कार्ड डेटा से वैलिडेट किया गया, फ़ैन्स ने 33-दिन की एप्लीकेशन विंडो में हर दिन एवरेज 15 मिलियन टिकट रिक्वेस्ट कीं, जिसने दुनिया के खेल के इतिहास में डिमांड के लिए एक नया बेंचमार्क सेट किया। उन सभी देशों और इलाकों में रहने वाले फैंस से एप्लीकेशन मिले, जहां फीफा के 211 मेंबर एसोसिएशन खेल को कंट्रोल करते हैं। इससे पता चलता है कि पहली बार हुए 48 टीमों वाले फीफा वर्ल्ड कप की दुनिया भर में कितनी अपील है।

वेस्टइंडीज की अंडर-19 टीम ने तंजानिया को 5 विकेट से हराया

विंडहोक, 15 जनवरी। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद तानेज फ्रांसिस (52) और ज्वेल एंड्रयू (44) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज की टीम ने गुरुवार को अंडर-19 विश्वकप के तीसरे मुकाबले में तंजानिया को 174 गेंदे शेष रहते पांच विकेट से हराकर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की। 123 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज ने पहला विकेट 22 के स्कोर पर गंवाने के बाद दूसरे विकेट के लिए तानेज फ्रांसिस, जूल एंड्रयू की 80 रनों की साझेदारी ने वेस्टइंडीज को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। ऐसे में 17वें ओवर में जूल एंड्रयू को लक्ष्य बकरानिया ने आउटकर पवेलियन भेज दिया। जूल एंड्रयू ने 44 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 44 रन बनाये। इसके बाद 19वें ओवर में ऑगस्टिनो मवामेले ने तानेज फ्रांसिस को आउट कर दिया। तानेज फ्रांसिस ने 55 गेंदों मे पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 52 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली।

जोकोविच, सिनर ऑस्ट्रेलियन ओपन ड्रॉ के एक ही हाफ में

मेलबर्न, 15 जनवरी। नोवाक जोकोविच और जानिक सिनर ऑस्ट्रेलियन ओपन ड्रॉ के एक ही हाफ में हैं, जिसका खुलासा गुरुवार को मेलबर्न में हुआ। रिकॉर्ड 10 बार के चैंपियन जोकोविच और दो बार के मौजूदा चैंपियन सिनर सीजन के पहले मेजर में एक ब्लॉकबस्टर सेमीफाइनल में भिड़ सकते हैं। सिनर लेक्सस एटीपी हेड2हेड सीरीज में जोकोविच से 6-4 से आगे हैं, जिसमें सर्बियाई खिलाड़ी एक समय 4-1 से आगे थे। 24 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी ने 2024 के ऑस्ट्रेलियन ओपन सेमीफाइनल में जोकोविच को हराकर अपना पहला मेजर खिताब जीता था। इस पखवाड़े में एक रीमैच की संभावना है।

कार्लोस अल्काराज, एटीपी रैंकिंग में विश्व नंबर 1, अपना सातवां मेजर खिताब जीतने और करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने का लक्ष्य बना रहे हैं। स्पेनिश खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंद्वी अलेक्जेंडर ज़्वेरेव के साथ उसी हाफ में हैं। 22 वर्षीय खिलाड़ी घरेलू उम्मीद एडम वाल्टन के खिलाफ शुरुआत करेंगे।

38 वर्षीय जोकोविच अपने 25वें मेजर खिताब का लक्ष्य बना रहे हैं, जो टेनिस इतिहास में सबसे अधिक मेजर सिंगल्स खिताब के लिए मार्गरेट कोर्ट के साथ उनकी बराबरी को तोड़ देगा। दूसरी वरीयता प्राप्त सिनर मेलबर्न पार्क में लगातार तीसरी जीत और कुल मिलाकर अपने पांचवें मेजर खिताब का पीछा कर रहे हैं। सर्बियाई खिलाड़ी अपने अभियान की शुरुआत पेड्रो मार्टिनेज के खिलाफ करेंगे, जबकि सिनर पहले दौर में फ्रांसीसी बाएं हाथ के खिलाड़ी ह्यूगो गैस्टन का सामना करेंगे।

सिनर, जिनका टूर्नामेंट रिकॉर्ड 22-4 है, ड्रॉ समारोह से पहले उपस्थित हुए और टूर्नामेंट के लिए अपने दृष्टिकोण के बारे में बात की।उन्होंने कहा,"ड्रॉ बहुत मुश्किल है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किसके साथ खेलते है। हम दुनिया के सबसे अच्छे खिलाड़ी हैं और रास्ता बहुत, बहुत लंबा और बहुत दूर है। हम दिन-ब-दिन आगे बढ़ेंगे।"

24 साल के खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलियाई कोच डैरेन काहिल के साथ अपनी पार्टनरशिप के बारे में भी बात की। सिनर ने कहा, "साल के आखिर में हमारी अच्छी बातचीत हुई और उनके साथ कम से कम एक और सीजन शेयर करना बहुत अच्छा है। वह बहुत शांति देते हैं और मुझे उनके साथ कोने में बहुत सुरक्षित महसूस होता है, न सिर्फ मुझे, बल्कि बाकी टीम को भी। यह बहुत अच्छा है, खासकर यहाँ खेलना, एक ऑस्ट्रेलियाई टीम मेंबर के साथ ऑस्ट्रेलिया में खेलना।"

पहले राउंड के दो सबसे दिलचस्प मैच छठे सीड एलेक्स डी मिनौर बनाम पूर्व नंबर 6 माटेओ बेरेटिनी और ज़्वेरेव का बड़ी सर्विस करने वाले गैब्रियल डियालो के साथ मुकाबला है। डी मिनौर और बेरेटिनी ने 2025 में हार्ड-कोर्ट पर अपनी मुलाकातें बांटीं, जिसमें इटैलियन खिलाड़ी लेक्सस हेड2हेड सीरीज़ में 3-2 से आगे हो गया। ज़्वेरेव और डियालो पहली बार मिलेंगे। फैंस के पसंदीदा थानासी कोकिनाकिस ने ड्रॉ सेरेमनी से कुछ समय पहले अपना नाम वापस लेने की घोषणा की।

टी-20 विश्व कप में दिलप्रीत बाजवा होंगे कनाडा टीम के कप्तान

ओटावा, 15 जनवरी। भारत और श्रीलंका में होने वाले 2026 टी-20 विश्व कप में दिलप्रीत बाजवा कनाडा की 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे। अंतरराष्ट्रीय टी-20 में बाजवा ने 133.22 के स्ट्राइक रेट से चार अर्धशतक बनाये हैं। अक्तूबर में कनाडा के सुपर 60 टी-10 टूर्नामेंट में उन्होंने 18 गेंदों में 57 और 22 गेंदों में 68 रनों की नाबाद पारी खेली थी। बाजवा ने अभी तक नौ एकदिवसीय और 17 टी-20 मैच खेले हैं। टीम में ओपनर युवराज सामरा भी एक बड़े हिटर हैं और उन्होंने 15 टी-20 पारी में 160.72 के स्ट्राइक रेट से 27 छक्के लगाए हैं। पूर्व कप्तान साद बिन जफर, कलीम सना, डिलन हेलिगर, निकोलस कीरटॉ और नवनीत धालीवाल जैसे जाने-माने चेहरे भी टीम में शामिल हैं। विश्वकप में कनाडा को ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान और अमेरिका के साथ रखा गया है। उनके सभी ग्रुप मैच भारत में हैं और पहले मैच में उनका सामना नौ फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में होगा।

2024 के बाद कनाडा की टीम दूसरी बार टी-20 विश्व कप में हिस्सा लेने जा रही है। पिछली बार उन्होंने आयरलैंड को ग्रुप स्टेज में हराया था। अमेरिका का रीजनल फाइनल जीतने के बाद कनाडा ने इस बार विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया था।

टी-20 विश्व कप के लिए कनाडा की टीम इस प्रकार है:-

दिलप्रीत बाजवा (कप्तान), अजयवीर हुंडल, अंश पटेल, डिलन हेलिगर, हर्ष ठाकर, जसकरनदीप बुट्टर, कलीम सना, कंवरपाल ताथगुर, नवनीत धालीवाल, निकोलस कीरटॉ, रविंदरपाल सिंह, साद बिन जफर, शिवम शर्मा, श्रेयस मोव्वा और युवराज सामरा।

लक्ष्य सेन क्वार्टर फाइनल में, श्रीकांत और प्रणय बाहर

नई दिल्ली, 15 जनवरी। पूर्व चैंपियन लक्ष्य सेन ने अपने मजबूत डिफेंस और तेज खेल की बदौलत जापान के केंटा निशिमोटो को हराया, जबकि किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय का शानदार प्रदर्शन योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन 2026 के दूसरे राउंड में काफी नहीं रहा। यह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा गुरुवार को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। सेन ने निशिमोटो को 21-19, 21-11 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि श्रीकांत फ्रांस के वर्ल्ड टूर फाइनल्स विजेता क्रिस्टो पोपोव से 21-14, 17-21, 21-17 से हार गए, और प्रणय सिंगापुर के आठवें वरीयता प्राप्त लोह कीन यू से 18-21, 21-19, 21-14 से हार गए। महिला सिंगल्स में भी भारत की चुनौती खत्म हो गई, जब चीनी पांचवीं वरीयता प्राप्त हान यू ने मालविका बंसोड़ को 21-18, 21-15 से हरा दिया।

निशिमोटो के खिलाफ पहले गेम के शुरुआती चरणों में सेन के लिए भी राह मुश्किल थी, क्योंकि भारतीय खिलाड़ी अपनी लय और स्ट्रोक की लंबाई खोजने में संघर्ष कर रहा था। इंडियन ऑयल के कर्मचारी पहले गेम में जापानी खिलाड़ी से 11-16 और फिर 14-18 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को लंबी रैलियों में उलझाए रखा और निशिमोटो के स्मैश को रोकने के लिए कुछ शानदार डिफेंसिव स्ट्रोक लगाए और वापसी की।

उन्होंने लगातार पांच अंक जीतकर बढ़त बनाई और फिर पहले ही मौके पर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सेन कहीं ज्यादा सटीक थे, उन्होंने अपनी गति में बदलाव किया और जब भी मौका मिला, हमला किया। जैसे-जैसे उनका आत्मविश्वास बढ़ा, 24 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने हाफ स्मैश को चालाक ड्रॉप शॉट्स के साथ मिलाकर अपने प्रतिद्वंद्वी को अनुमान लगाने पर मजबूर किया और 50 मिनट में क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

सेन ने जीत के बाद कहा, "पहले गेम की शुरुआत में मुझे अपनी लय बनाने में थोड़ी दिक्कत हो रही थी और मैं शॉर्ट लिफ्ट कर रहा था, जिससे उसे ज़्यादा अटैक करने का मौका मिल रहा था। लेकिन फिर मैंने शटल को लंबा लिफ्ट करना शुरू किया और अच्छे से बचाव करने पर ध्यान दिया और मुझे लगता है कि इससे पहला गेम मेरे पक्ष में हो गया।" लक्ष्य अब चीनी ताइपे के लिन चुन-यी का सामना करेंगे, जिन्होंने आयरलैंड के न्हाट गुयेन को 21-16, 21-17 से हराया।

दिन के दूसरे मैचों में, प्रणय ने लोह के खिलाफ पहला गेम जीता और दूसरे गेम में तीन गेम पॉइंट बचाकर उलटफेर भरी जीत के करीब पहुंच गए। लेकिन जब पूर्व विश्व चैंपियन ने निर्णायक गेम के लिए मजबूर किया, तो उसने मैच की गति बढ़ा दी और भारतीय खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंद्वी की रणनीतिक चाल का मुकाबला नहीं कर पाया।

इससे पहले, श्रीकांत ने भी पोपोव के खिलाफ अपनी अटैकिंग क्षमताओं की झलक दिखाई, लेकिन फ्रांस के पहले वर्ल्ड टूर फाइनल्स पुरुष एकल चैंपियन की चुनौती को पार नहीं कर पाए।

श्री ओ.एन. दीक्षित मेमोरियल अंतर्राष्ट्रीय एमटी-400 टेनिस टूर्नामेंट कल से

जयपुर, 15 जनवरी। ओ. एन. दीक्षित मेमोरियल आईटीएफ एमटी-400, टेनिस टूर्नामेंट 17 से 21 जनवरी तक जय क्लब में आयोजित किया जाएगा। यह प्रतियोगिता स्वर्गीय श्री ओ. एन. दीक्षित-वरिष्ठ खिलाड़ी एवं खेल प्रोत्साहक-की स्मृति में उनके पुत्र श्री पंकज दीक्षित द्वारा आयोजित की जा रही है। टूर्नामेंट में भारत सहित स्लोवेनिया, कनाडा और घाना से लगभग 150 खिलाड़ी 30 से 75 आयु वर्ग में भाग लेंगे। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में स्लोवेनिया से बोजान गोरेनक व मोज्का नोक, कनाडा से आनंद मूर्ति व गुरसिमरन सिंह भुल्लर, तथा घाना से एनकेवेफी जोसेफ शामिल हैं।

राजस्थान के कई स्टार एवं अनुभवी खिलाड़ी, जिन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया है, भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जिनमें दिलीप शिवपुरी, अशोक जिंदल, ललित शर्मा, डॉ. दीपांकर चक्रवर्ती, शरद टाक, लक्ष्मीकांत, गुरधर्शन रमाना, सोहिनी कुमारी, जगदीश तंवर, रियाज अहमद एवं विकास चौधरी प्रमुख हैं। प्रतियोगिता के मुकाबले ग्रास, क्ले एवं सिंथेटिक कोर्ट पर खेले जाएंगे। कोलकाता के श्री जॉय मुखर्जी मुख्य रेफरी होंगे। टूर्नामेंट निदेशक श्री पंकज दीक्षित ने बताया कि यह आयोजन उनके पिता को दी जा रही एक सच्ची श्रद्धांजलि है।

वाशिंगटन सुंदर न्यूजीलैंड के खिलाफ ट्वंटी-20 सीरीज से हुए बाहर

नई दिल्ली, 15 जनवरी। चोट के कारण ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर न्यूजीलैंड के विरुद्ध होने वाली पांच मैचों की टी-20 सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। सात फरवरी से शुरु होने वाले टी-20 विश्व से पहले होने वाली यह सीरीज महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वॉशिंगटन वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय के दौरान वे साइड स्ट्रेन का शिकार हो गए थे और अभी तक इस चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। यह एकदिवसीय सीरीज 21 से 31 जनवरी खेली जायेगी।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने वॉशिंगटन की चोट को बाईं निचली पसली में अचानक हुई तकलीफ बताया है, हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वे विश्व कप तक पूरी तरह फिट हो पाएंगे या नहीं। भारत को टी-20 विश्व कप के

उद्घाटन मैच में मुंबई में अमेरिका से भिड़ना है। वनडे सीरीज के लिए चयनकर्ताओं ने वॉशिंगटन की जगह दिल्ली के ऑलराउंडर आयुष बदोनी को टीम में शामिल किया था, लेकिन टी-20 स्क्वॉड में उनकी एंट्री होगी या नहीं, इस पर अभी कोई पुष्टि नहीं है।

न्यूजीलैंड के विरुद्ध टी-20 सीरीज में वॉशिंगटन की गैरमौजूदगी को लेकर भारतीय खेमा चिंतित नहीं है। अगले हफ्ते कई ऑलराउंडर टीम से जुड़ने वाले हैं, जिनमें हार्दिक पंड्या, अभिषेक शर्मा और शिवम दुबे शामिल हैं। इसके अलावा अक्षर पटेल की भी वापसी हो रही है, जो न्यूजीलैंड सीरीज और टी-20 विश्व कप दोनों में उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे। हालांकि टीम को एक और झटका लगा है। वॉशिंगटन के अलावा तिलक वर्मा भी ग्रोइन इंजरी की सर्जरी के बाद शुरुआती तीन टी-20 मैचों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए भारत की टीम इस प्रकार है:- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (पहले तीन मैचों के लिए उपलब्ध नहीं), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उपकप्तान), रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, वॉशिंगटन सुंदर और इशान किशन (विकेटकीपर)।

प्रणय और श्रीकांत दूसरे दौर में हारे

नई दिल्ली, 15 जनवरी। भारत की उम्मीद एच एस प्रणय और किदांबी श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में गुरुवार को तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार कर बाहर हो गये। प्रणय को आठवीं सीड सिंगापुर के लोह कीन यियू ने 18-21, 21-19, 21-14 से हराया। प्रणय पहला गेम जीतने का फायदा नहीं उठा पाये और अगले दो गेम हारकर मुकाबले से बाहर हो गये। श्रीकांत को पांचवीं सीड फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 21-14, 17-21, 21-17 से हराया। पूर्व नंबर एक श्रीकांत ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में संघर्ष दिखाते हुए जीत हासिल की, लेकिन निर्णायक गेम हारकर वह भी टूर्नामेंट से बाहर हो गये। इस बीच महिला एकल में मालविका बंसोड़ को भी हार का सामना करना पड़ा। बंसोड़ को पांचवीं सीड हान युई ने 21-18, 21-15 से हराया। महिला एकल में भारत की सबसे बड़ी उम्मीद पीवी सिंधु बुधवार को पहले ही दौर में बाहर हो गयी थी।

राजस्थान राज्य टेबल टेनिस चैम्पियनशिप के लिए जयपुर जिला टीम जोधपुर रवाना

जयपुर, 16 जनवरी। जयपुर जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन की टीम 15 से 20 जनवरी 2026 तक जोधपुर में आयोजित होने वाली राजस्थान राज्य टेबल टेनिस चैम्पियनशिप 2025 में भाग लेने के लिए जोधपुर रवाना हो रही है। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जयपुर जिले के खिलाड़ी विभिन्न आयु वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। जयपुर जिला टीम में अंडर-11 से लेकर अंडर-19 आयु वर्ग के साथ-साथ पुरुष एवं महिला वर्ग के खिलाड़ी शामिल हैं।

टीम का विवरण इस प्रकार है- अंडर-11 बॉयज़ वर्ग में आरव एवं काविश,अंडर-13 बॉयज़ वर्ग में दक्ष सोनी एवं आरव साहनी तथा अंडर-13 गर्ल्स वर्ग में आरना साहनी एवं अधिश्री, अंडर-15 बॉयज़ वर्ग में नैतिकवीर, विहान टाक, तुषार, कुश, जबकि अंडर-15 गर्ल्स वर्ग में समृधि व्यास,आरना, प्रत्युशा एवं ख्याति शर्मा व अंडर-17 बॉयज़ वर्ग में हर्षवर्धन,अरिन्जय तथा अंडर-17 गर्ल्स वर्ग में ख्याति एवं अधिश्री चयनित हुई हैं। अंडर-19 बॉयज़ वर्ग में आरव आचार्य, अरिन्जय, नैतिकवीर, एवं भावित बिष्ट, जबकि अंडर-19 गर्ल्स वर्ग में राधिका, ख्याति, अधिश्री एवं मानविका सिंह जयपुर का प्रतिनिधित्व करेंगी। पुरुष वर्ग में सौरभ कपूर, हर्षवर्धन, अरिन्जय, आरव आचार्य एवं राहुल महावर तथा महिला वर्ग में नंदिनी नागोरी, अनुष्का, राधिका सोनी, ख्याति शर्मा एवं मानविका सिंह टीम का हिस्सा हैं। जयपुर जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के मानद सचिव सचित गुप्ता ने व वेटरन कमेटी के अध्यक्ष अजय ओझा व सचिव दीपांक दास ने सभी खिलाड़ियों को व टीम के कोच श्री संजीव पारूई को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि टीम ने प्रतियोगिता के लिए कड़ी मेहनत की है और उन्हें उम्मीद है कि जयपुर के खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करेंगे।

राज सिंह डूंगरपुर अंडर-14 ट्रॉफी : पंजाब-राजस्थान अंडर-23 अभ्यास टेस्ट मैच के पहले दिन का स्कोर

जयपुर, 15 जनवरी, इंदौर में आज से शुरू हुए राजस्थान - छत्तीसगढ़ अंडर 14 राज सिंह डूंगरपुर ट्रॉफी मैच के पहले दिन राजस्थान के उत्सव शर्मा अर्धशतक से चुके। प्रतियोगिता के पहले दिन का स्कोर :-

राजस्थान पहली पारी 213 आल आउट

टीम के लिए उत्सव शर्मा 47, अभिमन्यु चौधरी नाबाद 36, अनमोल शर्मा 33, मयूर शर्मा 29, दिव्यांशुधतरवाल27 व गौरव पुनिया 19 रनो का योगदान दिया।

छत्तीगढ़ के गेंदबाज हर्ष साहू 48 / 4

छत्तीसगढ़ पहली पारी 102 / 2

राजस्थान के गेंदबाज लवमीत गुर्जर व गौरव पुनिया 1 - 1 विकेट।

राजस्थान - पंजाब अंडर 23 ट्रॉफी (प्रैक्टिस टेस्ट मैच)

मोहली, पंजाब में आज से शुरू हुए राजस्थान - पंजाब अंडर 23 प्रैक्टिस टेस्ट मैच के पहले दिन का स्कोर :-

राजस्थान पहली पारी 166 / 5

राजस्थान के सलामी बल्लेबाज सुमित गोदारा व विकेट कीपर बल्लेबाज दर्शन जैन ने शानदार नाबाद अर्धशतकीय पारियां खेलते हुए टीम को संकट से उबारा, राजस्थान के 5 विकेट मात्र 49 रन के स्कोर पर गिर गए थे, सुमितगोदरासे दर्शन जैन ने छटेविकेट के लिए शानदार नाबाद 117 रनो के साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत किया, टीम के लिएसुमित गोदारा नाबाद 74 व दर्शन जैन नाबाद 57 रन। पंजाब के गेंदबाज गर्व कुमार 22 / 3 व आराधयशुक्ला 41 / 2 विकेट प्राप्त किये।

भारतीय सेना ने गुरुवार को जयपुर के जगतपुरा स्थित महल रोड पर अपना 78वां सेना दिवस सैन्य गौरव व अनुशासन के साथ मनाया। इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, मिजोरम के राज्यपाल जनरल (रि.) वीके सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सप्तशक्ति कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह मौजूद थे।

पहली बार किसी असैन्य क्षेत्र में हुआ सेना दिवस परेड का भव्य आयोजन- भजनलाल

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली

- **जयपुर में आयोजित इस ऐतिहासिक प्रदर्शन को देखने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अलावा राजस्थान के राज्यपाल बागड़े, मिज़ोरम के राज्यपाल जनरल (रि.) वी.के. सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सप्त शक्ति कमान के सेना कमांडर जे. जनरल मनजिन्दर सिंह अनेक सैन्य व नागरिक गणमान्य जन उपस्थित थे।**

जयपुर, 15 जनवरी। भारतीय सेना ने 78वां सेना दिवस गुरुवार को जयपुर के जगतपुरा स्थित महल रोड पर पूरे सैन्य गौरव व अनुशासन के साथ मनाया। यह चौथा अवसर है, जब सेना दिवस परेड दिल्ली के बाहर आयोजित हुई और पहली बार किसी असैन्य क्षेत्र में आयोजित की गई। राजस्थान को पहली बार इस ऐतिहासिक आयोजन की मेजबानी का गौरव प्राप्त हुआ।

सैन्य उत्कृष्टता, गौरवशाली परंपराओं और राष्ट्रीय गौरव के भव्य एवं ऐतिहासिक प्रदर्शन को देखने के लिए राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, मिजोरम के राज्यपाल जनरल (रि.) वीके सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सप्तशक्ति कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह सहित, अनेक सैन्य व नागरिक एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे।

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। दक्षिण पश्चिम कमान के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हरविंदर सिंह ने भव्य परेड का नेतृत्व किया। सेना दिवस परेड में भारतीय सेना ने अपने शौर्य, साहस और अजेय शक्ति का प्रदर्शन किया।

परेड में परमवीर चक्र, अशोक चक्र, महावीर चक्र, कीर्ति चक्र एवं वीर चक्र विजेता भी विशेष मेहमान के रूप में शामिल हुए। स्वदेशी ब्रह्मोस मिसाइल, भीष्म एवं अर्जुन टैंक, के-9 वज्र तोप, बीएमपी वाहन, 155 एमएम अमोघ, नामिस (नाग मिसाइल सिस्टम), पिनाक रॉकेट लॉन्चर सिस्टम, शिल्का हथियार प्रणाली, ड्रोन शक्ति, ड्रोन जैमर तकनीक, इलेक्ट्रिक ऑल टैरेन व्हीकल के प्रदर्शन आकर्षण का विशेष केन्द्र रहे।

नव गठित भैरव बटालियन सहित, भारतीय सेना की 7 रेजीमेंट की टुकड़ियों ने मार्च पास्ट किया।

परेड से पहले, ऑपरेशन 'सिंदूर' एवं अन्य अभियानों में अदम्य साहस और वीरता के लिए शूरवीरों, सूबेदार मेजर पवन कुमार, हवलदार सुनील कुमार सिंह, लांस नायक दिनेश कुमार, लांस नायक सुभाष कुमार और लांस नायक प्रदीप कुमार को मरणोपरांत 'सेना मेडल (गैलेंट्री)' से सम्मानित किया गया।

तीन चेतक हेलीकॉप्टरों ने तिरंगा एवं संयुक्त सेनाध्वज के साथ पुष्प वर्षा कर और अपाचे सहित, विभिन्न हैलीकॉप्टर्स ने एयरोहेड व अन्य फॉर्मेशन से परेड को भव्य रूप दिया। सेना सेवा कोर के टोरनैडो के बाइक्स पर व पैराट्रूपर्स के आसमान में हैरतअंगेज करतबों और परेड के समापन पर नाल एयरबेस से आए तीन जगुआर लड़ाकू विमानों की गर्जना ने सभी को रोमांचित कर दिया।

बड़ी संख्या में गणमान्य जन, नागरिक, वेटरन्स, युवा और छात्र-छात्राएं इस ऐतिहासिक आयोजन के साक्षी बने।

ईरान ने 16 भारतीय क्रू सदस्य को हिरासत में लिया

- **ये सभी लोग जहाज एमटी वैलिएंट रोअर के क्रू मैम्बर्स हैं**

नई दिल्ली, 15 जनवरी। ईरान में जारी सरकार विरोध प्रदर्शन के बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने जहाज एमटी वैलियंट रोअर के 16 भारतीय क्रू मेंबर्स को हिरासत में ले लिया है। इस जहाज को 8 दिसंबर 2025 को यूएई के दिब्बा पोर्ट के पास अंतरराष्ट्रीय समुद्री इलाके में रोका गया था। ईरानी अधिकारियों का आरोप है कि जहाज पर 6,000 मीट्रिक टन ईंधन की तस्करी की जा रही थी। इस जहाज पर काम कर रहे थर्ड इंजीनियर केतन मेहता के परिवार की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है।

केतन के पिता मुकेश मेहता ने बताया कि उनके बेटे की आखिरी बार आवाज उन्होंने 31 दिसंबर 2025, यानी नए साल की पूर्व संध्या पर सुनी थी। उस समय केतन ने अपने माता-पिता को भरोसा दिलाया था कि वह सुरक्षित है। केतन का मोबाइल फोन खो जाने के कारण वह सीधे अपने परिवार से बात नहीं कर पा रहा था।

केतन अपने एक साथी क्रू मेंबर, ऑइलर पोथी दिवाकर के फोन से संपर्क कर रहा था। हाल ही में जब केतन के पिता ने दिवाकर से बात की, तो उन्हें बताया गया कि आईआरजीसी ने आधिकारिक तौर पर 10 क्रू मेंबर्स को गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें केतन भी शामिल है।

परिवार ने इस मामले में विदेश मंत्रालय (एमईए) और भारतीय दूतावास से संपर्क किया है। मुकेश मेहता ने बताया कि एमईए ने हमसे केतन के पासपोर्ट की जानकारी मांगी थी, जो हमने तुरंत दे दी। लेकिन इसके बाद से हमें कोई जानकारी नहीं मिली है। न कोई साफ जवाब है, न ही कोई भरोसा।

क्या लालू परिवार का ''रीयूनियन'' सन्निकट है

पार्टी से निष्कासित पुत्र तेज प्रताप के घर दही चूड़ा पार्टी में लालू प्रसाद शामिल हुए

- **तेज प्रताप यादव ने इस कार्यक्रम के लिए लालू यादव के साथ छोटे भाई तेजस्वी को भी बुलाया था। तेज प्रताप ने लालू, माँ राबड़ी देवी, भाई तेजस्वी और भतीजी कात्यायनी के साथ तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कीं।**
- **ज्ञातव्य है कि 8 माह पहले लालू यादव ने तेज प्रताप को परिवार से निकाल दिया था। क्योंकि तेज प्रताप ने एक लड़की अनुष्का यादव के साथ एक तस्वीर पोस्ट की और कहा कि वे दोनों 12 साल से साथ हैं।**
- **इसके बाद काफी बवाल हुआ लोगों ने सवाल किया कि फिर तेज प्रताप ने राजद नेता चंद्रिका राय की बेटी एश्वर्या से शादी क्यों की थी। हालांकि बाद में तेज प्रताप ने पोस्ट डिलीट कर दी थी।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जनवरी। फेसबुक पोस्ट को लेकर अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी से निष्कासित करने के लगभग आठ महीने बाद, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संस्थापक और वरिष्ठ नेता लालू प्रसाद यादव मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित दही-चूड़ा भोज में शामिल होने के लिए तेज प्रताप के घर पहुंचे।

ज्ञातव्य है कि एक दिन पहले पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक तेज प्रताप यादव ने अपने पिता लालू प्रसाद यादव और छोटे भाई तेजस्वी यादव, जो बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं, को दही-चूड़ा कार्यक्रम में आमंत्रित किया था।

तेज प्रताप का यह निमंत्रण और लालू यादव का उनके घर आना इसलिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि इससे राजद के इस प्रथम परिवार के भीतर सुलह के संकेत मिलते हैं। नवंबर में हुए बिहार विधानसभा चुनाव से इसका महत्व और बढ़ गया है। इस चुनाव में राजद को हार का सामना करना पड़ा, जबकि एनडीए ने बड़ी जीत दर्ज की। चुनाव के दौरान राजद का प्रथम परिवार विभाजित नज़र आया था। तेज प्रताप ने जनशक्ति जनता दल के बैनर तले अलग से चुनाव लड़ा था। राजद को जहां 25 सीटें मिलीं, वहीं तेज प्रताप की पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली थी।

इस पृष्ठभूमि में, इस पारिवारिक मिलन को इस कठिन समय में राजद के प्रथम परिवार की ओर से एकता का संदेश माना जा रहा है। दरअसल, बुधवार को पटना स्थित अपने पिता के 10, सर्कुलर रोड आवास पर जाने के बाद, तेज प्रताप ने लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, मां राबड़ी देवी और भतीजी कात्यायनी के साथ की तस्वीरें पोस्ट कीं। गुरुवार के कार्यक्रम में लालू प्रसाद यादव की मौजूदगी के साथ यह माना जा रहा है कि रिश्तों में एक नया अध्याय शुरू हो सकता है।

लालू प्रसाद यादव ने मई महीने में तेज प्रताप को, उनके रिश्ते की स्थिति से जुड़े एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर, पार्टी से निष्कासित कर दिया था, हालांकि इस पोस्ट को बाद में हटा भी लिया गया था। निष्कासन की घोषणा करते हुए लालू प्रसाद यादव ने कहा था कि निजी जीवन में ''नैतिक मूल्यों की अनदेखी'' सामाजिक न्याय के लिए समुदाय के संघर्ष को कमजोर करती है।

विवाद के केन्द्र में तेज प्रताप की एक महिला के साथ तस्वीर थी। पोस्ट में महिला की पहचान अनुष्का यादव के रूप में की गई थी और कहा गया था कि अनुष्का यादव और राजद नेता पिछले 12 वर्षों से रिश्ते में हैं। पोस्ट में लिखा था, ''मैं तेज प्रताप यादव हूं और इस तस्वीर में मेरे साथ जो लड़की दिख रही है, वह अनुष्का यादव है। हम पिछले 12 वर्षों से एक-दूसरे को जानते हैं और एक-दूसरे से बहुत ज्यादा प्यार करते हैं। इन वर्षों में हमारे सम्बंध निरन्तर रहे हैं। मैं काफी समय से यह बात आप सभी से शेयर करना चाहता था, लेकिन सही शब्द नहीं मिल पा रहे थे। आज, इस पोस्ट के माध्यम से, मैं अपना दिल आपके सामने खोल रहा हूं। उम्मीद है, आप सभी (स्थिति को) समझेंगे।''

इस पोस्ट पर तीखी प्रतिक्रियाएं आईं और कई लोगों ने सवाल उठाया कि अगर तेज प्रताप पहले से रिश्ते में थे तो उन्होंने 2018 में बिहार के पूर्व मंत्री चंद्रिका राय की बेटी ऐश्वर्या से शादी क्यों की। ज्ञातव्य है कि शादी के कुछ ही महीनों बाद, तेज प्रताप और ऐश्वर्या अलग हो गए थे।

कुछ ही समय बाद यह पोस्ट हटा ली गई और तेज प्रताप ने दावा किया कि उनका प्रोफाइल हैक हो गया था। उन्होंने लिखा, ''मेरा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैक कर लिया गया था और मेरी तस्वीरों को गलत तरीके से एडिट किया गया।''

तेज प्रताप को पार्टी से निकालने के लालू यादव के फैसले का परिवार के अन्य सदस्यों, जिनमें तेजस्वी यादव भी शामिल थे, ने समर्थन किया था। बाद में तेज प्रताप ने अपनी अलग पार्टी बनाई और कुछ सीटों पर राजद को चुनौती दी, लेकिन उन्हें एक भी सीट नहीं मिली।

पाकिस्तान, बांग्लादेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिका का भारत के लिए यह फैसला अमेरिका के ''भरोसेमंद साझेदार'' के रूप में उसका दर्जा और मजबूत करता है। भारतीय अधिकारियों ने न्यूज18 को बताया कि इससे कुशल प्रवास, उच्च शिक्षा में दाखिले और तकनीकी साझेदारी को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, खासकर स्वास्थ्य, आईटी और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में, जहां भारतीय पेशेवर अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए अहम हैं। इससे आगे चलकर कार्य वीज़ा, टैलेंट मोबिलिटी फ्रेमवर्क और इनोवेशन आधारित सहयोग पर द्विपक्षीय बातचीत में भारत की स्थिति भी मजबूत हो सकती है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह रोक पहले से जारी वैध वीज़ा को रद्द नहीं करेगी, लेकिन अगले मंगलवार से सूचीबद्ध देशों के लिए नए इमिग्रेंट वीज़ा अपॉइंटमेंट रोक दिए जाएंगे। कुल मिलाकर, ऐसे समय में, जब प्रवास नीति जोखिम आकलन और आर्थिक उपयोगिता से तय हो रही है, भारत को यह फैसला एक अनुकूल स्थिति में रखता है। भारतीय आवेदकों के लिए इससे अनिश्चितता कम होती है और भारत की छवि एक भरोसेमंद, कुशल और आत्मनिर्भर प्रवासियों के स्रोत के रूप में और मजबूत होती है।

राज्यसभा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन अगर उन्हें फिर से नामित नहीं किया गया तो नया उपसभापति आने से और अस्थिरता पैदा हो सकती है।

दूसरा विकल्प यह है कि भाजपा ही हरिवंश को दोबारा नामित कर दे, लेकिन भाजपा के सूत्रों का कहना है कि वे वोट के लिहाज से कोई फायदा नहीं पहुंचाते और पार्टी के लिए खास उपयोगी साबित नहीं होते।

दिलचस्प बात यह है कि लगातार लोकसभा चुनाव जीतने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी न तो अपने मंत्रिमंडल में और न ही अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कोई बदलाव कर पाए हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले जो लोग सत्ता में थे, उन्हें ही जारी रखा गया क्योंकि मोदी-शाह की जोड़ी किसी भी बदलाव को लेकर असुरक्षित महसूस कर रही थी।

यहां तक कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को भी दोबारा लोकसभा अध्यक्ष (स्पीकर) बनाए जाने पर सुखद आश्चर्य हुआ था, क्योंकि इस पद पर बदलाव की उम्मीद की जा रही थी।

तब से लेकर अब तक, मोदी अपने मंत्रिपरिषद में फेरबदल नहीं कर पाए हैं, जबकि पिछले एक साल से बदलाव की अटकलें लगातार लग रही थीं। ऐसे माहौल में हरिवंश का भविष्य अधर में लटका हुआ है।

बिहार से भाजपा को दो सीटें मिलेंगी, जद (यू) को दो और एक सीट चिराग पासवान को मिलने की संभावना है। कहा जा रहा है कि पासवान मां को भी नामित किया जा सकता है, भले ही उनके पास पूरे नंबर न हों।

ईरान में सत्ता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मार्ग की पहुँच से वंचित किए जाने के कारण, ईरान भारत के लिए पश्चिम की ओर संपर्क का भरोसेमंद जरिया बनकर उभरा है। भारत की रणनीति का केन्द्र ईरान का चाबहार बंदरगाह है, जिसे नई दिल्ली को ईरानी तट तक सीधी पहुँच देने के लिए विकसित किया गया है। यह बंदरगाह पाकिस्तान को दर गुजर करते हुए, भूमि और रेल नेटवर्क के जरिए भारत को मध्य एशिया से जोड़ता है।

हालांकि, ऐसे सभी संपर्क गलियारों के लिए देशों के बीच राजनीतिक सामंजस्य, सुरक्षा की गारंटी और दीर्घकालिक योजना आवश्यक होती है। तेहरान में किसी भी प्रकार का सत्ता परिवर्तन इन सभी तत्वों को खतरे में डाल सकता है।

फ्रांस से 114 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सूत्रों ने बताया कि मौजूदा परिस्थितियों में राफेल भारतीय वायु सेना की लड़ाकू विमानों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सबसे उपयुक्त पाया गया है, क्योंकि इसकी सेवायोग्यता लगभग 90 प्रतिशत है, जो अमेरिकी एफ-35 सहित, दुनिया के किसी भी अन्य विमान की तुलना में कहीं अधिक है।

गौरतलब है कि भारतीय वायु सेना बहु-विक्रेता निविदा में चयन होने के बाद से ही 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए लंबे समय से प्रयास कर रही है। भारतीय वायु सेना लड़ाकू विमानों के स्क्वाड्रनों की घटती संख्या की समस्या से जूझ रही है और इंजनों से संबंधित समस्याओं के साथ-साथ विदेशी निर्मित उपकरणों को हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) मार्क 1ए विमान में एकीकृत करने में आ रही दिक्कतों के कारण स्वदेशी परियोजना में भी देरी हो रही है।

बीएमसी चुनाव में भाजपा गठबंधन को बहुमत का संकेत

तीन एग्ज़िट पोल नतीजों में भाजपा को आगे बताया गया है

- **एग्ज़िट पोल्स के अनुसार ठाकरे बंधुओं को मराठा और मुस्लिम वोटों का फायदा मिलता दिख रहा है पर भाजपा को उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय और अन्य का भारी समर्थन मिलने के संकेत हैं।**

मुंबई, 15 जनवरी। मुंबई के सबसे ताकतवर नगर निकाय बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव को लेकर आए एग्जिट पोल में भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना को बढ़त मिलती दिख रही है। तीन अलग-अलग एग्जिट पोल्स के मुताबिक, सत्ता की दौड़ में यह गठबंधन आगे है।

एग्जिट पोल्स का कहना है कि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की एकजुट शिवसेना (यूबीटी) और मनसे को मराठा और मुस्लिम वोटों का फायदा मिल सकता है। वहीं, उत्तर भारतीय और दक्षिण भारतीय मतदाताओं ने बड़ी संख्या में भाजपा का समर्थन किया है।

रुझानों के मुताबिक, युवा मतदाता और महिलाएं भी इस बार बीजेपी के पक्ष में झुकी नजर आ रही हैं। हालांकि, यह भी साफ किया गया है कि एग्जिट पोल हमेशा सही साबित हों, ऐसा जरूरी नहीं है। जेवीसी एग्जिट पोल के अनुसार, भाजपा को 138 सीटें मिल सकती हैं, जबकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे की मनसे को मिलाकर 59 सीटें मिलने का अनुमान है। इस सर्वे में कांग्रेस को 23 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है।

एक्सिस माई इंडिया का अनुमान है कि भाजपा और शिंदे की शिवसेना को मिलाकर 131 से 151 सीटें मिल सकती हैं। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) गठबंधन को 58 से 68 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है।

सकल एग्जिट पोल के मुताबिक, भाजपा और शिवसेना को 119 सीटें, जबकि शिवसेना (यूबीटी) को 75 सीटें मिल सकती हैं। इस पोल में कांग्रेस को 20 से ज्यादा सीटें मिलने की संभावना नहीं जताई गई है।

रांची में ईडी अफसरों पर एफआईआर

- **एक पीड़ित ने पूछताछ के नाम पर मारपीट का आरोप लगाया व शिकायत दर्ज की इसके बाद पुलिस ईडी दफ्तर पहुंची।**

रांची, 15 जनवरी। झारखंड की राजधानी रांची में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर पूछताछ के नाम पर मारपीट करने का गंभीर आरोप सामने आया है। इस मामले की जांच को लेकर गुरुवार सुबह रांची के एयरपोर्ट थाना की पुलिस भारी संख्या में ईडी कार्यालय पहुंची और जांच शुरू की। एयरपोर्ट थाना में दर्ज एफआईआर के आधार पर पुलिस अधिकारियों ने ईडी कार्यालय के भीतर जाकर सीसीटीवी फुटेज खंगाले और संबंधित अधिकारियों से पूछताछ की। पीड़ित संतोष कुमार ने आरोप लगाया है कि 12 जनवरी को ईडी कार्यालय में पूछताछ के दौरान उन पर जबरन जुर्म कबूल करने का दबाव बनाया गया। उनका दावा है कि ईडी के अफसर प्रतीक और शुभम ने उनके साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे उनका सिर फट गया। इसके बाद उन्होंने एयरपोर्ट थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर डीएसपी, सिटी डीएसपी, एयरपोर्ट थाना प्रभारी और एक इंस्पेक्टर स्वयं ईडी कार्यालय पहुंचे और साक्ष्य संकलन में जुटे रहे।

ईरान ने हवाई क्षेत्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसने यात्रियों को हवाई अड्डों के लिए निकलने से पहले उड़ान की स्थिति की जानकारी लेने की सलाह दी है और इस असुविधा के लिए खेद जताया है।

सूत्रों ने बताया है कि एयर इंडिया की अमेरिका जाने वाली तीन उड़ानें रद्द की गयी हैं। अन्य उड़ानों के मार्ग बदले गये हैं।

निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने भी ''ईरान द्वारा अचानक हवाई क्षेत्र बंद किये जाने'' का हवाला देते हुए एक्स पर बताया है कि उसकी कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर असर पड़ा है। उसने स्थिति पर खेद जताते हुए कहा है कि यह स्थिति एयरलाइंस के नियंत्रण से परे है।

विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटी कांग्रेस

- **असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं**

नयी दिल्ली, 15 जनवरी। कांग्रेस पार्टी असम, तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल में चुनावी तैयारी में जुट गयी है, जहां अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव संभावित है। इन राज्यों के नेताओं को एक-एक करके दिल्ली बुलाया जा रहा है और पहली बैठक 16 जनवरी को होगी।

कांग्रेस असम विधानसभा चुनाव में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। यही वजह है कि पार्टी के बड़े नेताओं को लगातार बड़ी ज़िम्मेदारी असम में दी जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने 16 जनवरी को दिल्ली इंदिरा भवन में बैठक बुलाई है।

बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल, असम कांग्रेस प्रभारी जितेन्द्र सिंह, असम अध्यक्ष गौरव गोगोई सहित प्रदेश के कुछ और वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इस बैठक में असम में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मंथन किया जाएगा। चुनावी मुद्दे, संगठन की स्थिति, असम मुख्यमंत्री के चुनावी अभियान को चुनौती देने की रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

अभिषेक सिंघवी, सिब्बल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) की याचिका को सही माना और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तथा उनके साथ गए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी किये, जिन्होंने उनके निर्देशों पर काम किया था।

ईडी ने अदालत में कहा कि ममता बनर्जी ने जांच में दखल दिया और जरूरी दस्तावेजों की तलाशी व जब्ती को रोका। ईडी का आरोप है कि वे पुलिस की मदद से संबंधित फाइलें, दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अपने साथ ले गईं।

एडवोकेट जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि ममता बनर्जी ने जरूरी सामग्री की चोरी की और स्थानीय पुलिस की मदद से इन दस्तावेजों को वहां से ले गईं। अब सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी को 3 फरवरी तक जवाब देने का निर्देश दिया है।

पश्चिम बंगाल सरकार ने ईडी के उस मामले का विरोध किया, जिसमें ममता बनर्जी पर उस जगह जबरन घुसने का आरोप है, जहां ईडी आपत्तिजनक सामग्री बरामद करने के लिए छापा मार रही थी। ईडी बंगाल के करोड़ों रुपये के कोयला घोटाले की छानबीन कर रही थी।

ईडी का कहना है कि उसे लीज पर दिए गए कोयला क्षेत्रों से अवैध खनन और निजी कंपनियों को कोयला बेचने के पर्याप्त सबूत मिले हैं। इस घोटाले की रकम को बाद में हवाला चैनल के जरिए इधर-उधर किया गया।

कोयला घोटाले का मामला 2024 में शुरू हुआ था और ईडी धीरे-धीरे चार्जशीट तैयार कर रही था और सुरागों के जरिए आगे बढ़ रही थी। इसी सिलसिले में ईडी प्रतीक जैन के घर और कोलकाता में आई-पैक के दफ्तर पर छापा मार रही थी, ताकि गलत कामों के सबूत जुटाए जा सकें।

इतने गंभीर आर्थिक अपराधों की जांच में मदद करने के बजाय, ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पूरी ताकत लगाकर ईडी की जांच रोक दी, जिससे एजेंसी को वहाँ से खाली हाथ लौटना पड़ा।

ममता बनर्जी के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में मामला टालने की पूरी कोशिश की और कहा कि यह विषय पहले से ही कलकत्ता हाई कोर्ट में चल रहा है। हालांकि आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने कलकत्ता हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान कोर्ट रूम को जाम कर दिया, जिससे ईडी के वकील अपनी बात ठीक से नहीं रख सके।

एडवोकेट जनरल ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कार्रवाई ''चोरी'' है और जांच रोकने के बाद, वे सड़क पर धरना देने चली गईं। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें बिना सजा के छोड़ दिया गया तो इससे अधिकारियों का मनोबल टूटेगा और भविष्य में वे अपने कर्तव्य निभाने से डरेंगे।

तृणमूल कांग्रेस ने यह दिखाने की कोशिश की कि आई-पैक के दफ्तर में पार्टी की गुप्त चुनावी रणनीति से जुड़े काफी कागजात थे और चुनाव से पहले इन्हें ले जाना पार्टी के लिए नुकसानदेह होता। सुप्रीम कोर्ट इस तर्क से प्रभावित नहीं दिखा और मुख्यमंत्री को अगली सुनवाई से पहले जवाब देने का निर्देश दिया।

'चार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिंह ने कहा कि वर्ष 2026 में देश के चार प्रमुख महानगरों-दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और पुणे-में कुल 200 स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक महानगर में 50-50 मौसम स्टेशन लगाए जाएंगे, जिससे शहरी क्षेत्रों में अत्यंत स्थानीय और वास्तविक समय पर आधारित मौसम पूर्वानुमान संभव हो सकेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक, मौसम विशेषज्ञ और अन्य हितधारक उपस्थित थे। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री ने आईएमडी परिसर में मॉडल ऑब्ज़र्वेटरी, 3डी-प्रिंटेड स्वचालित मौसम स्टेशन और स्वचालित एग्रो मौसम स्टेशन का उद्घाटन भी किया।

समापन में डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि सरकार देशभर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और नए क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि जैसे-जैसे आईएमडी अपने 152वें वर्ष में प्रवेश करेगा, उसकी सटीकता, विश्वसनीयता और जनविश्वास और भी मजबूत होगा।

क्या हाईकोर्ट एस.आई. भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि परीक्षा इसलिए रद्द की जानी चाहिए, क्योंकि यह मामला व्यापक पेपर लीक व चीटिंग का है, जिसमें सम्पूर्ण जांच करना असंभव है क्योंकि परीक्षा के तीनों दिन पेपर लीक कर ''वॉट्सऐप'' के माध्यम से अभ्यर्थियों के साथ साझा कर दिया गया था, जिससे विस्तृत रूप से अलग-अलग केन्द्रों तक यह पेपर मुहैया कराया जा सकता था। उन्होंने कहा कि इस मामले में करीब 12 इनामी आरोपी अभी भी फरार हैं, जो हरियाणा और उत्तर प्रदेश के गिरोह से सम्बन्ध रखते हैं। इसलिए इनके खिलाफ जांच करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि एक आरोपी की संदिग्ध तौर पर मौत भी हो चुकी है, जिससे यह भी पता नहीं लगाया जा सकता कि उसने किस-किस को पेपर बेचा था। मामले की सुनवाई के दौरान अपीलार्थियों की ओर कहा गया था कि याचिकाकर्ता कैलाश चन्द्र ने अपनी याचिका व शपथ पत्र में कुछ अनिवार्य तथ्यों को उजागर नहीं किया था, जैसे उन्होंने दो बार याचिका दायर की थी और यह भी नहीं जाहिर किया था कि उन्हें जांच की रिपोर्ट कैसे मिली, वह सार्वजनिक दस्तावेज नहीं था। इस पर याचिकाकर्ताओं के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता आर.पी. सिंह ने कहा कि इस मामले में 22 याचिकाकर्ता हैं और प्रमोद कुमार की याचिका में भी वही तथ्य व एस.ओ.जी. की रिपोर्ट संलग्न है, जो कैलाश चन्द्र की याचिका में थी। उन्होंने अदालत में कहा कि मामले को प्रारंभिक आपत्तियों व तकनीकी आधारों पर तय नहीं किया जाना चाहिए बल्कि तथ्यों को सुनकर किया जाना चाहिए, क्योंकि यह मामला वृहद स्तरीय जनहित से जुड़ा है। इस मामले में एक पहलू यह भी है कि प्रदेश के महाधिवक्ता ने भी राज्य सरकार को सलाह दी थी कि एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 रद्द कर दी जानी चाहिए, क्योंकि जांच से स्पष्ट हो रहा है कि परीक्षा में भारी धांधली हुई है, और जांच के बावजूद पूरी तरह दूध का दूध, पानी का पानी नहीं किया जा सकता। हालांकि अपीलार्थियों का कहना है कि महाधिवक्ता की राज्य सरकार को सलाह विशिष्ठ दस्तावेज है, जिसे अदालत में पेश नहीं किया सकता। वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा, जो अपीलार्थियों की तरफ से पैरवी कर रहे थे, ने कहा कि इस प्रकरण में कई अभ्यर्थी ऐसे भी थे, जो ईमानदार हैं और उनका चयन अन्य परीक्षाओं में भी हो गया होता, परन्तु उन्होंने एस.आई. भर्ती परीक्षा को प्राथमिकता देते हुए अन्य परीक्षाओं से अपनी उम्मीदवारी वापिस ले ली। उन्होंने अदालत में कहा कि एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 में 880 चयनित अभ्यर्थियों में से करीब 440 ऐसे अभ्यर्थी थे, जिनका आर.ए.एस. व अन्य संलग्न सेवाओं में चयन हो जाता। हालांकि यह असत्यापित बयान है, क्योंकि किन अभ्यर्थियों का चयन होता, इस पर केवल अटकलें ही लगा सकते हैं और व्यवहारिक रूप से जिस अभ्यर्थी का आर.एस.एस. जैसे पद पर चयन होने की संभावना होती, वह पुलिस में सबसे न्यूनतम स्तर के पद पर भर्ती क्यों लेता। अदालत ने सभी तथ्यों को सुनने के बाद यह कहा कि वह यह जानना चाहती है कि इस मामले में अपील दायर होने के बाद से प्रशासन व पुलिस महकमा कितनी गंभीरता व तत्परता से एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 पेपरलीक मामले की जांच कर रहा है और कितने और आरोपियों को गिरफ्तार व इंटेरोगेट कर चुका है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में अपील दायर होने के बाद और जांच अधिकारियों के ट्रांसफर होने के बाद से एस.आई. भर्ती परीक्षा के आरोपियों की गिरफ्तारी की संख्या में काफी गिरावट आई है। परन्तु इसका पूर्ण ब्यौरा महाधिवक्ता अदालत में कल पेश करेंगे।

'राज्य सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रिपोर्ट के आधार पर एकलपीठ ने भर्ती रद्द करने का आदेश दिया था, जबकि एसआईटी ने परीक्षा रद्द करने के टास्क पर अपनी रिपोर्ट दी थी। वहीं एसआईटी ने मामले में पुनर्विचार कर अपनी दूसरी रिपोर्ट दी और उसमें माना कि दोषियों की छंटनी संभव होने के कारण पूरी भर्ती रद्द नहीं कर सकते। इस मामले में राज्य सरकार व चयनित अभ्यर्थियों की बहस पूरी हो चुकी है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908